March 20, 1962

The General Secretary,
J.K.Rayon Workers Union,
C/o UPTUC,
Mazdoor Sabha Building,
12/1 Gwaltoli, KANPUR

Dear Comrade,

Herewith find enclosed a cheque bearing No.778455 dated 20th March 1962 for Rs.101/- towards the relief of the striking rayon workers, as announced by me in the public meeting at Kanpur on 18th March.

Please acknowledge receipt.

Yours faithfully,

(K.G.Sriwastava)
Secretary

Encl:

Copy to: Com.M.L.Bharti,
Secretary, Trade Union Council,
c/o. U.P.Bank Employees Union,
36/8 Hata Ram Mohan,
KANPUR

दुनियाँ के मजदूरो एक हो

आगरा जिला मज़दूर मँहगाई-बोनस कान्फ्रेंस

तमाम ट्रेड यूनियन संगठनों की

कार्यकारिणी के सदस्यों की बैठक

शनिवार ता० ३० नवम्बर को सायँ ७ बजे से

स्थान—अचल भवन, दरेसी नं० २ आगरा

प्रिय साथी श्री.....

सदस्य कार्यकारिणी .....

आपको मालूम है कि ३० नवम्बर व १ दिसम्बर को जिले भर के मजदूरों की मँहगाई बोनस कान्फ्रेंस हो रही है। इसका कार्यक्रम इस प्रकार है :—

- बुधवार ता० २० नवम्बर को शाम के ६ बजे ट्रेड यूनियन सेन्टर, १०२ शिवाजी मार्केट में हर यूनियन के तीन-तीन प्रतिनिधियों को लेकर स्वागत समिति तथा उसके पदाधिकारियों का चुनाव होगा। आप अपनी यूनियन के ३ प्रतिनिधि भेजिये।
- शुक्रवार ता० २२ नवम्बर को शाम के ६ बजे शिवाजी मार्केट से मजदूरों व कर्मचारियों का एक जलूस उठेगा जो सुभाष बाजार, किनारी बाजार होता हुआ फुलट्टी पर खत्म होगा। जलूस चलने के पूर्व सेठ अचलसिंह एम० पी० अपना सन्देश देंगे। आप भारी संख्या में मजदूरों को लेकर शामिल होइये।
- शनिवार ता० ३० नवम्बर को शाम के ७ बजे से इस कान्फ्रेंस में हिस्सा लेने वाली हर ट्रेड यूनियन की कार्यकारिणी के सदस्यों की बैठक अचल भवन में होगी। जिसमें खुले अधिवेशन के लिये प्रस्ताव तैयार किये जायेंगे। हर यूनियन की कार्यकारिणी को चाहिये कि—

—इस बैठक में कार्यकारिणी के हर सदस्य को शामिल होने के लिये आह्वान करें।

—अपने उद्योग के मजदूरों की माँगों का प्रस्ताव पहिले से तैयार करके लायें।

—जिले की ट्रेड यूनियनों की स्थाई केन्द्रीय कार्यकारिणी के लिये अपनी यूनियन के एक प्रतिनिधि का नाम तय करके आयें।

—रविवार ता० १ दिसम्बर को दिन में १२ बजे से ५ बजे तक खुले अधिवेशन में हिस्सा लेने के लिये अपने उद्योग के सब मजदूरों को आह्वान करें व अधिक से अधिक चार आने के बैज बेचकर कान्फ्रेंस का खर्चा पूरा करें।

● रविवार ता० १ दिसम्बर को दिन में १२ बजे से ५ बजे तक आगरा फोर्ट व आगरा फोर्ट स्टेशन के बीच मैदान में खुला अधिवेशन, जिसमें बाहर के मजदूर नेताओं के आने की पूरी आशा है।

समय बहुत कम है अतः आपसे प्रार्थना है कि मुस्तैदी से जुटकर कान्फ्रेंस को सफल बनाने में योग दीजिये।

निवेदक—मँहगाई-बोनस कान्फ्रेंस तैयारी कमेटी

रोशनलाल सूतैल, इकराम अहसानी, बालोजी अग्रवाल एम० एल० ए०, अब्दुल हफीज, श्यामलाल शर्मा, देवीप्रसाद शर्मा 'दिव्य', महादेव नारायण टण्डन

स्वतन्त्र भारत प्रेस, शीतलागली, आगरा।

दुनियाँ के मजदूरो एक हो

आगरे जिले के मजदूरों व मध्यम श्रेणी के कर्मचारियों की

मंहगाई-बोनस कान्फ्रेन्स

सेठ अचलसिंह एम० पी० द्वारा जलूस का उद्घाटन

शुक्रवार ता० २२ नवम्बर को मजदूरों व कर्मचारियों का एक जलूस ६ बजे शाम शिवाजी मार्केट से उठकर फुलट्टी तक जायेगा।

रविवार ता० १ दिसम्बर को दोपहर १२ बजे से ५ बजे तक आगरा फोर्ट व आगरा फोर्ट स्टेशन के बीच के मैदान में खुला अधिवेशन।

हाथ व कलम के मजदूर साथियो !

पिछले एक वर्ष में निरन्तर बढ़ती मँहगाई ने हमारी कमर तोड़ दी है। परन्तु आगरे जिले के मजदूरों के भारी बहुमत को मँहगाई भत्ते जैसी कोई चीज नहीं मिलती। साधारण मजदूरों का कुल वेतन ४५)-५०) के आस-पास बना रहता है जिसमें गुजारा करना नामुमकिन हो गया है। बोनस के रूप में जो अतिरिक्त वेतन मजदूरों को मिलना चाहिए, वह अधिकांश कारखानों में तो मिलता ही नहीं, जहाँ मिलता है वह मुनाफों को देखते हुये बहुत कम है।

मजदूरों को बहुत सी कानूनी सहूलियतों से वंचित करने के लिए भारी संख्या में मजदूरों को अस्थाई ही रक्खा जाता है। यह बात सरकारी कर्मचारियों पर विशेष रूप से लागू होती है। बहुत से उद्योगों में ठेकेदारी प्रथा द्वारा मजदूरों को असीमित शोषण का शिकार बनाया जा रहा है। पिछले २० वर्षों में मजदूर आन्दोलन की शक्ति के फलस्वरूप जो थोड़े बहुत मजदूर-हितैषी कानून बने हैं उन पर पूरा अमल नहीं होता। सरकार की समझौता बोर्ड मशीनरी मजदूरों-मालिकों के झगड़ों को निबटाने तथा मजदूरों के हितों की रक्षा करने में कुल मिला कर असफल रही है।

इस प्रकार मजदूरों व मध्यम वर्ग के कर्मचारियों को अगिनित तकलीफें व परेशानियाँ हैं जिन्हें चुपचाप बर्दाश्त करने की उनकी क्षमता खत्म हो गई है। यही कारण है जो उन्हें पिछले महीनों में तेल मिल, होटल, इन्जीनियरिंग के कारखानों, बिजली घर तथा दर्जी की दूकानों इत्यादि में संघर्ष करने पर मजबूर होना पड़ा है। इन संघर्षों में उन्हें सफलता मिली है। यह इस बात का प्रमाण है कि उनकी माँगें न्यायोचित हैं।

अतः आगरे जिले के दो दर्जन से अधिक मजदूर सङ्गठनों ने समूचे मजदूर वर्ग की ओर से निम्नलिखित न्यूनतम माँगों के लिए आवाज उठाई है :—

* मँहगाई के साथ-साथ भत्ता बढ़ाओ।
* मँहगाई भत्ते या वेतन में २५% की बढ़ोतरी करो।
* कम से कम ६५) मासिक या २॥) रोज मजदूरी हो।
* वर्ष में कम से कम १ महीने का बोनस दो।
* सब की नौकरी मुस्तकिल करो।
* ठेकेदारी प्रथा खत्म करो।
* मजदूर हितैषी कानूनों का सख्ती से पालन करो।

इनमें से कोई माँग किसी उद्योग पर लागू होती है तो कोई माँग किसी दूसरे उद्योग पर। भाई चारे के नाते सब मिल कर सबके लिए माँगें उठाते हैं। इससे समूचे मजदूर वर्ग की शक्ति हर उद्योग के मजदूरों के संघर्ष को बल पहुंचाती है।

तमाम मजदूर तथा मध्यम वर्ग के कर्मचारी भाई शुक्रवार ता० २२ नवम्बर को जलूस में और रविवार ता० १ दिसम्बर को खुले अधिवेशन में हजारों की तादाद में शामिल हों।

निवेदक-कान्फ्रेंस तैयारी कमेटी

रोशनलाल सूतैल, इकराम अहसानो, बालोजी अग्रवाल एम० एल० ए०, अब्दुल हफीज,
श्यामलाल शर्मा देवीप्रसाद शर्मा, 'दिव्य', महादेव नारायण टण्डन।

स्वतन्त्र भारत प्रेस, शीतलागली, आगरा।

extra

3 February 1964

Dear Comrade Sharma,

Reference your letter of 20th January. Comrade Joshi is at present not well and confined to his house. I was also out on tour. Due to the injury in the leg I am also unable to move out. I do not know where Com. Ram Asreya is at the moment. However, as soon as I am able to meet Com. Ram Asreya we will discuss it.

With greetings,

Yours fraternally,

K.G.S.

(K.G.Sriwastava)

extra

No.153/K/63
20 December 1963

Dear Comrade Satish,

Your letter of 5th December. I saw it on my return from conference of Bombay, yesterday. Your meetings should have been over by this time.

~~Hence,~~ Regarding for the criticism, we hope to benefit by its constructive part.

We have deleted the name of your union from the list of affiliation ~~register~~ of A.I.T.U.C. as desired by you. We are sorry for the trouble that you had on receiving our letter dated the 4th July.

Cantonment Board Workers have a united Federation and naturally it can deal with the question of Cantonment Board Employees in much more detail and in a regular manner.

As far as I remember I have not received any particular issue from your union which has remained unatteinded. However, it is upto you and your union to get x itself affiliated to the Central organisation or not.

With greetings,

Yours fraternally,

KG

(K.G.Sriwastava)

No.153/K/63
20 December 1963

Dear Comrade Gupta,

I replied to your earlier letter on the new address of Chipitola. I am surprised how you did not receive it.

Shri Banerjee has been dealing with the case of Sardar Mahinder Sigh. He has gone to Calcutta and we are not sure now that Parliament session is coming to an end, as to when he will return. May be he returns in about week's time. It would be advisable for you to confirm his presence in Delhi before you come to meet him.

With greetings,

Yours fraternally,

KG

(K.G.Sriwastava)

To,
Com. Keshava Chandra Gupta,
Agra.

(केवल सदस्योंके लिये)

राष्ट्रीय प्रेस कामगार युनियन

भारत सरकार मुद्रणालय, नासिक

बुलेटिन्

अंक १) गांधीनगर, नासिक (दिनांक : ४ दिसंबर, १९६३

हमारे युनियनको मान्यता मिलने मे देर क्यों?

आप सबको मालूम है कि हमारे युनियनके तरफसे सरकारको दिनांक ३-८-१९६२ को यह मांग की गयी थी कि हमारे यूनियनकी सदस्यसंख्या ५० फिसदीसे ज्यादा होनेके कारण तथा विपक्षी प्रेस वर्कस युनियन की सदस्यसंख्या कम होनेके कारण हमारे युनियनको कोड ऑफ डिसीप्लीन के अधारपर मान्यता दी जाये। इस मांग के ऊपर सरकार की तरफसे सदस्यसंख्या की जाँच–पडताल का कार्य दिनांक २२-४-६३ को शुरु हुआ। रिजनल लेबर कमिश्नर, बम्बई के ऑफीससे जाँच अधिकारी यहाँ आकर उन्होंने हमारे युनियन की सदस्यसंख्या की जाँच दिनांक ६-५-६३ को की। परंतु उस समय विपक्षी युनियन अपनी सदस्यसंख्या रजिष्टर आदि जाँच अधिकारी को नहीं बता सकी। कोड ऑफ डिसीप्लीन के नियमानुसार विपक्षी युनियनको अपनी सदस्यसंख्या बतानेके लिये केवल दस दिन का अंतिम समय देना चाहिये था लेकिन जाँच अधिकारीने उनको यह समय एक महिने तक दिया और दिनांक ५-६-६३ को यहां आकर उनकी सदस्यसंख्या रजिष्टर आदि की जाँच की और कुछ गलती देखनेपर वे सब रजिष्टर आदि साथ लेकर बम्बई चले गये। इसके लिये और एक कारण यह भी था कि हमारे युनियनने इस बातका विरोध किया की रजिष्ट्रार ऑफ ट्रेड युनियन ॲक्ट, १९२६ के कलम ६[इइ] का भंग करके उन्होंने एक सालका चंदा तीन रुपये न लेकर दो रुपये के हिसाबसे चंदा जमा दिखाया और अपने मेंबरशिपकी संख्या बढा-चढाकर दिखायी। जाँच अधिकारीने हमारे इस विरोधका निर्णय लेने के लिये दो महिने अठारह दिन समय लगाया लेकीन कुछ हल न करके दिनांक २२-८-१९६३ को उन्होंने विपक्षी युनियनकी संख्या ४९९ में से २२ सभासद के नाम घटाकर ४७७ की मेंबरशिप लिस्ट हमारे युनियनको बतायी। उसी दिन डेप्युटी चिफ् लेबर कमिश्नर श्री. एस् बी. काले नई दिल्ली से यहां आये थे और हमारे युनियनके प्रतिनिधीसे मिले। जब उनको यह बताया गया कि विपक्षी युनियनने अपनी सदस्यसंख्या झूटे तरिकेसे बढा-चढाकर दिखायी है तो उन्होंने यह सलाह दी कि "आप ऐसे झूटे मेंबरों के नाम के आगे सिर्फ यह लिखो कि वे विपक्षी युनियनके मेंबर नही है और उन्होंने उस युनियनको कोई चंदा नही दिया है" इस बात के अनुसार हमारे युनियनने विपक्षी युनियनके ४०० सभासदोंके बारेमे ऑब्जेक्शन लिया और जाँच अधिकारी को २ सितंबर १९६३ को लिखकर बताया। यह ऑब्जेक्शन मिलनेके बाद जाँच अधिकारीने २० और २१ सितम्बर १९६३ को हमारे प्रेम में आकर लोगोंसे इस बात की पूछ ताछ की कि वे "किस युनियन के सदस्य है और अक्टुबर १९६२ से लेकर मार्च १९६३ तक का चंदा जमा किया है क्या? आप सब भाईयोंको मालूम है कि विपक्षी युनियनने अपनी मान्यता रखनेके लिये हेरा-फेरी करने का प्रयत्न किया परंतु सब कामगार भाईयोंनें जाँच अधिकारीके सामने सच को सच बोलकर अपनी युनियन को विजयी कराया। हिन्द मजदूर सभा, बम्बई के जनरल सेक्रेटरी श्री. मनोहर कोतवाल जी को भी इस बातका पता लगा था कि, आप कामगारोंने हिंद मजदूर सभाके **राष्ट्रीय प्रेस कामगार युनियन** को साथ देकर इंटक के प्रेस वर्कर्स युनियनको अपनी सरकारी मान्यता खो बैठनेके लिये मजबूर किया है। अब केवल जॉईन्ट सेक्रेटरी, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा इस पराभवका घोषित करना रह गया है। लेकिन दुःख और आश्चर्य की बात यह है कि दो महिनेसे जादा समय बीत जानेपर भी जॉईन्ट सेक्रेटरी के पाससे इस बात की घोषणा मिल नही रही है। अुन्होंने अब यह जाँच कोड ऑफ डिसीप्लीन के अनुसार होते हुअे भी जाँच के बारेमे शंका आदि निकलना चालू किया है। लेकिन हमारे युनियनने अुनके सभी शंकाओंका जबाब उचित रुपसे दिया और माननीय श्रम मंत्री श्री गुलझारीलाल नंदाजी को भी ७ नवम्बर १९६३ को जनरल सेक्रेटरीके पत्रद्वारा और मॅनेजिंग कमिटिके दिनांक २५-११-६३ के प्रस्तावद्वारा इस देर के बारेमे हस्तक्षेप करनेके लिये तथा जल्दसे जल्द जाँच अधिकारीका निर्णय घोषित करने के लिये अनुरोध किया है। हिंद मजदूर सभाके सेक्रेटरी, दिनांक ६-७ दिसम्बर १९६३ के नई दिल्लीमे होनेवाली त्रिपक्षीय परिषदमे श्रम मंत्री महोदय के सामने इस अनुचित देर के बारेमे, चर्चा करेंगे ताकि रिझल्ट जल्दसे जल्द हमारे युनियनको मिल सके।

हमे यह पूर्ण विश्वास है कि, सत्य का विजय होगा, और हमारे युनियनको सरकारी मान्यता मिलेगी। केवल इस बातकी जरुरत है की आप सब कामगार भाई संगठीत रुपसे रहे और शांति-पूर्ण मार्गसे **राष्ट्रीय प्रेस कामगार युनियनको** मान्यता मिलाने मे पूर्ण सहयोग दे!

हमारे युनियन की कुछ महत्वपूर्ण माँगे

जबसे हमारे युनियनने यह तय कर लिया था कि मान्यता की मांग के साथ-साथ अपनी आर्थिक मांगों तथा हमारे उपर किये गये अन्यायोंका प्रतिकार करने के लिये काम शुरु करे; तबसे निम्नलिखित कार्य अपने युनियनने हाथमें ले लिया है।

[१] (क) **नाईट शिफ्ट में काम करनेवालें सभी कामगारोंकों नाईट शिफ्ट अलौन्स देने की मांग; (ख) नाईट शिफ्ट मे काम करनेवाले कामगारोंकी हर पंद्रह दिनके बाद बदली; (ग) कामगारों-पर अवलंबित कुटुंबियोंको–जैसे की अुनके माता-पिता, भाई-बहन को गांधीनगरके प्रेस दवाखानेमे विनामुल्य औषधोपचार मिलना तथा उनके बिमारीमे हुये खर्चे के पैसे सरकारके तरफसे वापिस मिलना.–** ये मांगे हमारे युनियनने मॅनेजर, भारत सरकार मुद्रणालय, नासिक के साथ बम्बईमे कन्सिलियेशन ऑफीसरके सामने बात-चीत करके तय करना चाहा; और अपनी मांगोंकी पुष्टीमे यह प्रमाणित किया था कि इंडिया सिक्युरिटी प्रेस, नासिकरोड में नाईट शिफ्ट में काम करनेवाले कामगारोंको नाईट शिफ्ट अलौन्स अपनी मुल

वेतनके २५% के हिसाबसे मिलता है और अुनके अवलंबित कुटुंबियोंको विनामूल्य औषधोपचार दिया जाता है। हमारी माँगोंको उचित समझा गया है और कन्सिलियेशन ऑफीसरने इन माँगोंको भारत सरकारके श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली के पास १६ अगस्त १९६३ को भेज दिया है। अब इस बातका विचार हो रहा है कि सरकार हमारे इन उचित माँगोंको स्वीकार करे या अबिट्रेशन मे भेजे ताकि जो अबिट्रेशन मे फैसला होगा वह हमे और हमारे मॅनेजमेन्टको मंजूर हो। सरकार की श्रम नीति इस बातको जोर देती है की जहाँ मॅनेजमेन्ट और मजदूर आपने माँगोंकी झगडे में आपसमें समझौता नहीं कर सके तो अबिट्रेशन मे माँगोंको देकर समझौता किया जाय। हमारे युनियनके तरफसे कन्सिलियेशन ऑफीसरने सरकारको यह बताया है कि युनियन अबिट्रेशन माननेके लिये तैय्यार है। इस लिये हमे उम्मीद है कि सरकारके श्रम नीति के अनुसार हमारे माँगोंका जल्दसे जल्द निर्णय लेकर सरकार हम कामगारोंका असंतोष दूर करेगी।

(२) **हमारे प्रेस में इंडस्ट्रियल एम्प्लायमेंट स्टॅंडिंग ऑर्डर्स ॲक्ट, १९४६ का लागू करनेका प्रयत्न.**––यह कायदा सरकार हर कारखानेमें–चाहे वह खानगी हो या सरकारी हो लागू करने के लिये जोर दे रही है। इस कायदेसे कामगारोंका यह फायदा है कि, भरती, प्रमोशन, ससपेन्शन, नोकरीसे निकालना तथा सुपरवायझर द्वारा कामगारोंके प्रति होनेवाले अन्यायोंकी रोक-थाम आदि महत्त्वपूर्ण समस्यायें युनियन तथा मॅनेजमेन्ट दोनों एक दुसरेसे सलाह मशविरा करके करेगी। यह कानून दोनो के लिये दो साल तक बंधनकारक रहेगा। हमारे युनियनने इस कायदे को लागू करने की माँग की है और भारत सरकारके श्रम मत्रालय के ७ अक्तुबर १९६३ के पत्रसे यह मालूम हो रहा है कि यह कायदा भारत सरकारके सभी प्रेसों मे लागू करनेका विचार सरकार कर रही है।

(३) **फॅक्टरी ॲक्ट के आधारपर हमारे प्रेस की कॅन्टीन चलाये जाने कि मांग.**–– फॅक्टरी ॲक्ट के नियम ७२ से लेकर ७८ के अनुसार कॅन्टीन चलाये जानेसे कॅन्टीनमें खाने–पिने की चीजें सस्ती और परिमाण में जादा मिलेगी। कॅन्टीनमे सफाई तथा बैठने के लिये अच्छा प्रबंध किया जायेगा। और पैसे के हिसाब–किताब में कोई हेर–फेर करने की गुंजाईश नही होगी। कामगारोंको ये सहुलियते दिलाने के लिये युनियनने बंबई सरकारको हमारे प्रेस का नाम फॅक्टरी ॲक्ट के शेडचूल मे लाने की माँग की है। बम्बई सरकारके श्रम विभाग के १८ नवम्बर १९६३ के पत्रसे यह मालूम हुआ है कि हमारी यह माँग अुनके विचाराधीन है। फॅक्टरी इन्स्पेक्टरने भी इस बारेमे पुछ–ताछ की है।

(४) **एच टाईप क्वार्टरों मे रहनेवाले कामगारों पर अन्याय.**–– एच टाईप क्वार्टरों मे रहनेवाले कामगारोंका पानी का बील ४ रु. से लेकर ८ रु. तक लिया जाता है। इसका कारण मालूम करने पर यह देखा गया है कि, जबसे ये क्वार्टर कामगारोंको दिये गये है तबसे इन क्वार्टरोंके पानी के मीटर खराब हैं। सी. पी .डब्ल्यू. डी ने ये खराबी दूर न करते हुअे मन–माने भावने पानी के जादा पैसे कामगारोंसे कई सालोंसे वसूल किये हैं। कामगारों ने शिकायत करने से भी मॅनेजर साहब तथा सी. पी. डब्ल्यू. डी. ने कोई ध्यान नहीं दिया। इसलिये युनियन ने ३१ अगस्त १९६३ को इस अन्याय का विरोध किया और जल्द से जल्द पानी के नये मीटर लगाने की मांग की। नये मीटर लगाने के बाद ३ महिनेमे किये गये पानीके खर्चे के ऊपर औसत निकालकर वेतनसे अबतक पानी के जादा वसूल किये गये पैसे अुन कामगारों को वापिस दिये जाय अैसी माँग की है। कन्सिलियेशन ऑफीसर, बम्बई ने इस माँग की पुछ–ताछ की, परंतु उन्होनें यह बताया कि हमारे युनियन की यह माँग औद्योगिक झगडेका कारण नही बन सकती, क्योंकि मॅनेजरने केवल सी. पी. डब्ल्यू डी. के. कहनेसे ये पानी के पैसे वसूल किये है, लेकिन अपनी युनियनका यह कहना है कि पेमेन्ट वेजेस ॲक्ट के अनुसार मॅनेजमेन्ट इस अन्याय कटौती के लिये जिम्मेवार है। हिन्द मझदूर सभा के सेक्रेटरी श्री. राम देसाई, माननीय श्रम मंत्री महोदय तथा निर्माण, आवास तथा संभरण मंत्री महोदयके साथ, हमारे इस माँग के बारेमे दिल्लीमे ६–७ दिसम्बर १९६३ को मिलकर अुनसे बातचीत करेंगे। इस मांग के पूर्ति के लिये हिन्द मझदूर सभाके आदेशानुसार आगे की कार्रवाई की जायेगी।

(५) **फॅक्टरी ॲक्ट के अनुसार सहुलियते मिलने की माँग.**––(१) हमारे प्रेसमे सीसेके संबंधमें आनेवाले सभी कामगारोंको ताजा दुध मॅनेजमेंटकी ओरसें विनामूल्य हर रोज दिया जाय ताकि सीसेके विष (लेड पॉयझन) शरिरमे फैल न सके।

(२) सीसा और स्याही के संबंधमे काम करनेवाले सभी कामगारोंको मॅनेजमेन्टकी तरफसे कपडे (ड्रेस) दिये जाय।

हाल ही मे उठाई गयी अन्य माँग

(१) द्वितीय पे कमिशन के शिफारिश पर भारत सरकारने जो एक्सपर्ट कमिटी बिठाई थी, उनके रायसे कम्पोझिटर्स, बाईडर्स, मशिनमेन और मोनो कॉस्टर ऑपरेटर्स को एक जैसा वेतनका स्केल होना चाहिये, लेकिन ऐसा न होनेपर कलकत्ता के फॉर्म प्रेस युनियनने तथा हमारे युनियने सरकारके पास यह माँग रखी है।

(२) वेअरहाऊसमेन को बाईडर बननेके लिये चार साल के सर्व्हिस का जो बंधन लगाया गया है उसको हटाने के लिये कलकत्ता के फॉर्म प्रेस के युनियनने और हमारी युनियनने भी माँग की है।

(३) प्रेसमे काम करनेवाले कामगारोंको ही उच्च पदपर प्रमोशन होनाचाहिये ताकि उनके जीवनमान तथा आर्थिक अवस्थामे सुधार हो, यह माँग भी कलकत्ता के फॉर्म प्रेस युनियनने तथा हमारे युनियनन सरकारके पास की है। आशा है इस माँगो के बारेमे सरकारी कार्रवाई जल्द ही चालू होगी।

(४) इन्सेनटिव्ह बोनस स्कीम के अनुसार लायनो तथा मोनो ऑपरेटरों को बोनस दिया जाय यह भी माँग हमारे युनियनने की है।

(५) **मिनिमम वेजेस ॲक्ट के द्वारा कामगारोंके हितोंकी रक्षा.**–– अगर कामगारोंको किसी उच्च पदपर काम करने को लगाया जाता है तो उस पदका वेतन उन्हें इस कायदेनुसार मिलना ही चाहिये। हमारे प्रेसमे ऐसे कुछ कामगार है, जो उच्च पदपर काम करते हुअे भी उन्हे उस पदका वेतन नही दिया जाता। हमारे युनियनने इस कायदे के आधारपर अैसे कामगारोंको वेतन दिलाने के लिये माँग की है।

इन मांगोंके अलावा और बहुतसी माँगे युनियन ने उठाई है। और सभी मांगोंके पूर्ति के लिये युनियन लगातार काम कर रही है। जो कामगार भाअी अभी तक **राष्ट्रीय प्रेस कामगार युनियनके** सदस्य नही बने है वे सदस्य बने और नियमित रुपसे युनियनका चंदा देकर अपनासभादस्त्व कायम रख्खे ताकि युनियन दिनपर दिन शक्तिशाली बने और कामगारोंके हितों की रक्षा के लिये प्रयत्न करती रहे। याद रखिये युनियन मे संगठन ही कामगारोंका एकमात्र बल और भरोसा है।

–जयहिंद–

मुद्रक :–श्री. बी. एन्. बाकळे, बाकळे बंधू मुद्रणालय, नासिक.

प्रकाशक:––मॅनेजिंग कमिटी के ओरसे, श्री. जे. एन्. दास, जनरल सेक्रेटरी, राष्ट्रीय प्रेस कामगार युनियन, गांधीनगर, नासिक.

920/I 24.6.63.

The Executive Engineer,
Temporary Division (P.W.D.)
MEERUT.

Sir,

Ref. Yours D.O. 3876/37 MG dated 14.5.63
&
No. 4968/65-E dated 17.6.63 addressed to
Shri Kanhaiya Lal Truck Driver No. UPR 5322,
and Shri Sharif Cleaner of the said truck.

We are surprised to receive the said communications, which do not contain correct statement of facts. In fact it was due to a sheer clerical error that the date of incident was mentioned in the letter of Shri Kanhaiya Lal Driver dated 18.4.63, enclosed with the letter dated 20.4.63 of the undersigned, as 2.1.62. In fact the correct date is 23.1.62. And taking advantage of this slip in your communication dated 14.5.1963 under reference, you have tried to completely overlook and repudiate the entire incident of the challan of the truck by the R.T.O. authorities, in consequence of which the said Driver was fined Rs 60/- and the same was realized from him.

The alleged report of Shri O.P. Tripathi (which was never enclosed with your communication dated 14.5.63 to the undersigned, as mentioned) Assistant Engineer, imputing motives to Shri Kanhaiya Lal, is simply baseless. The driver holds with him the original challan by the R.T.O. authorities dated 23.1.62, and he was actually fined Rs 60/- and the amount was realized by him, for which he holds the official receipt dated 2.7.62.

Before we were in a position to make a suitable reply to your communication dated 14.5.1963, it is all the more surprising that you have thought it proper to victimise the said workman, by terminating his services by the later communication dated 17.6.63 under reference. The grounds mentioned for terminating the services of the workman in the said communication are simply a smoke-screen to

victimise the workman, for daring to make a report against the unlawful acts of Shri Rajendra Kumar Jain Overseer; and seek redress for the loss caused to the workman.

Besides others, the termination of services of the two workmen through communication under reference is invalid and not warranted, for the following reasons:-

(1) The two workmen under reference belong to work charge category in the Department. The Appointing Authority of both the workmen is the Superintending Engineer. Shri Kanahya Lal has a service of seventeen years; and Shri Shari of about four years, both have been in service for over one year. Under G.O. No. 1012-MS/XXIII-P.W.C. dated 7.5.57 the services of the said workmen can only be terminated by the Superintending Engineer with the written approval of the Chief Engineer.

(2) That under G.O. No. 463-WC/XXIII-PWC-76-WC-1957 dated 13.10.58, a gradation list is to be prepared; after due publication. And in case of retrenchment due to any circumstances, it is the junior-most employee in the Cir e whose services are liable to be terminated. The Rule has been clearly violated.

(3) That as the history of the case would prove that the termination of service notice is clearly mala fides and not bona fides. It comes soon on the heals of the representation of the worker against his authorities. Under a fitness certificate the Truck had been working for the last six months. It is capable of similar repairs, and useful work in factory also. In fact it would be an act of sheer loss to Government property to discard the vehicle, as unserviceable. There have been occasions in the past when workmen of the Local Department had an opportunity to bring to the notice of authorities acts of misappropriation of Government Funds by the Officers of the Department

in the matter of repairs of Government machinery. This reason has simply been concocted to victimise the workmen for their Trade Union activities, on the part of Authorities.

(b) That under Section 6-N U.P. Industrial Disputes Act, 1947, each workman under reference is entitled to compensation which is equal to fifteen days' pay of each year of service at the time his services are sought to be terminated. Shri Kanahya Lal Driver was appointed in 1946, and ever since has been in service of the Department Similarly Shri Sharif joined service in 1959, and has been ever since in the service of the Department. The workmen under G.O. 2782 (ST) XXXVI-A 189 (ST)/60 dated June 10, 1960 from Up-Sachiv, Labour Department, Lucknow, is entitled to the payment of aforesaid compensation, on the termination of their services. The Union earnestly requests you to please study all the G.Os (aforesaid) under reference, and act upto them. As Government Officer of responsibility, the Union does expect that you would act upto all the relevant G.Os and not disregard them.

In the end, we would earnestly request you to re-consider the whole matter and kindly withdraw your order dated 17.6.1963; failing which please pay the required compensation to the workmen. The workmen reserve to themselves to seek further redress which the law and the Rules permit them to do.

Yours faithfully,

(BRIJ RAJ KISHORE)
General Secretary,
U.P.,P.W.D. Karamchari Sangh,Meerut.

श्रीमान् श्रम मन्त्री महोदय,
भारत सरकार,
नई दिल्ली ।

द्वारा : आयरन एण्ड इन्जीनियरिंग वकर्स यूनियन

१३१/३५८, हसनगंज-बेगमपुरवा, कानपुर, यू० पी०

131/358

माननीय महोदय,

निवेदन है कि हम निम्न हस्ताक्षरकर्ता कानपुर यू० पी० के इन्जीनियरिंग उद्योग में काम करते हैं और आपका ध्यान निम्नांकित समस्याओं की ओर आकर्षित करना चाहते हैं :–

यह कि हम इन्जीनियरिंग जैसे उन्नतिशील उद्योग में काम करते हैं, लेकिन हमारे नगर व प्रदेश में वेतन स्तरीकरण (स्टैन्डर्डडाइजेशन आफ वेजेज) न होने के कारण हमारा बहुत ही शोषण होता है। हमें, हमारे कार्य के अनुसार वेतन नहीं दिया जाता ~~और जहाँ दिया जाता~~ और मंहगाई भत्ता सब कारखानों में नहीं दिया और जहां दिया जाता है वह भी बेहिसाब व न के बराबर। सरकारी लेबर मशीनरी द्वारा भी हमें अब तक ऐसी कोई सहूलियत नहीं दिलाई गयी कि जिसकी वजह से हमारे जीवन स्तर में गिरावट न होकर कुछ सुधार होता।

यह कि उद्योगपति काम तो हम में से अधिकतर श्रमिकों से कुशल कारीगर का लेते हैं, लेकिन वेतन आमतौर से १।।) रु० से २।।) रु० तक ही रोजाना कुल देते हैं, कार्य के अनुसार डिजिगनेशन भी नहीं लिखते, नौकरी की सुरक्षा न के बराबर है, दस दस साल से बराबर काम करने के बावजूद टेम्प्रेरी ही बनाये रक्खा जाता है और बुढ़ापे व स्वास्थ की खराबी के कारण काम छोड़ने या छूटने पर सर्विस ग्रेच्युटी भी नहीं दी जाती है। हम एक आजाद देश के नागरिक हैं और हमारा देश समाजवाद की ओर बढ़ रहा है, मगर हम जिस स्थिति में काम करते हैं और जो हमारी आर्थिक दशा है वह सोचनीय है। देश में सही उन्नति व देश को मजबूत बनाने के लिये जरूरी है कि इन्जीनियरिंग उद्योग व उसकी पैदावार बढ़े और इसके लिये अति आवश्यक है कि इन्जीनियरिंग उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों की आर्थिक दशा सुधारी जाय व उनका जीवन स्तर उठाया जाय।

इसलिये, हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप कृपाकर इन्जीनियरिंग उद्योग के लिये वेतन मण्डल अविलम्ब नियुक्त करें और उसके कार्य क्षेत्र में वे सभी कारखाने रक्खें, जो कि दि फैक्ट्रीज एक्ट
1948 १९४८ के अन्तर्गत रजिस्टर्ड हैं तथा श्रमिकों के वर्तमान वेतन में कम से कम २५ प्रतिशत की अंतरिम वृद्धि भी देने की कृपा अवश्य करें।

25

हम हैं प्रार्थीगण :—

नं०	नाम	हस्ताक्षर	कारखाना
१.	जे० के० आयरन एण्ड स्टील कं० लि०, कानपुर।		५५६
२.	स्टरन स्टील वर्क्स प्रा० लि०,	„ ।	१४५
३.	श्री महावीर इन्जीनियरिंग वर्क्स,	„ ।	१२४
४.	दि इण्डियन रोलिंग मिल्स,	„ ।	१०४
५.	श्री महावीर रोलिंग मिल्स,	„ ।	४२
६.	श्री जगदीश रोलिंग वर्क्स,	„ ।	२६
७.	दि सिंह इन्जीनियरिंग वर्क्स,	„ ।	१६
८.	अटलस इन्जीनियरिंग वर्क्स,	„ ।	१५
			१०३६
			1034

SUGAR MILL LABOUR UNION, BAREILLY.

2845 24/9/63

To,

The Secretary,
U.P. Trade Union Congress,
12/1 Gwaltoli,
KANPUR.

Dear Comrade,

Re: Com. Ram Asre, G.S., UPTUC.

It is to bring to your notice that Com. Ram Asre who was to represent us on 16/9/63 in our Adj. Case No. 52 of 1963 before The Presiding Officer, Industrial Tribunal(I) U.P. at Lucknow, has not attended the above date. A money order of Rs. 10/- sent by us to him is received By R. Sinha in his stead. [illegible] on 18/9/63. It means that even on 18/9/63 he has not returned to Lucknow. On 16/9/63 we have to exchange the rejoinders with the employers. The representative of the employers told the undersighned that on 16/9/63 the case was declared ex-party and now no rejoinder will taken from us by the Tribunal. The Tribunal has informed us that the next date of hearing is fixed on 4/10/63 and we have to produce our oral witness on that date.

The file of our above case is with Com. Asre, who is our authorised representative in this case. We are anxious to know if he has done anything to restore the case. It is a prestige case regarding the grade scale of 50 palledars of H.R. Sugar Factory P. Ltd., Bareilly. The employers had no ground to win this case. It will be very sad if we last the case unattended. All the papers are with Comrade Ram Asre. If we had even a copy of the statement of the employers we would have filed the rejoinder even on our own accord. We wonder that under what circumstances neither the rejoinder has been filed nor the hearing date has been attended. Anyhow please intimate us by the return of mail about the welfare of Com. Asre and where he is detained. Please also take it granted that if the case the workers concerned shall not excuse the undersigned is not restored and not attended properly even on 4/10/63.

Yours Comradely,
Secretary,
Sugar Mill Labour Union, Bareilly.

C.C. to A.I.T.U.C. Delhi.
to Com. Asrey at Lucknow.

Paltan Bazar,
Dehra Dun,
24/9/63

Com. Gen. Secretary,
AITUC, New Delhi.

URGENT REMINDER

Dear Com., We wrote a letter on 5/9/63 about the non-reference of two C.B. cases by the U.P. Government. We had written full details of the case.

Yesterday, we represented the matter to the Labour Commissioner, Uttar Pradesh and Assistant Labour Commissioner, Meerut, personally here at Dehra Dun, but they pleaded helplessness, saying that it is the Government that can deal with the matter.

So please you are requested to take up the matter immediately, in accordance with the assurances given by the Union Labour Ministry for the reference of the cases and reply us accordingly.

2. Another case -- No. 309(M)/63 -- pertaining to M/S Amitabh Textile Mills Ltd., Dehra Dun has also been rejected for reference (vide Secretary Labour Deptt. (Ka) Department, Uttar Pradesh, Kanpur No. 8977/ I -LR-CB-309(M)/ 63, dated Sept. 16, 1963.).

This case is the famous case of victimisation on the occasion of the mourning for the death of Dr Rajendra Prasad. The facts, in short, are as follows.:

10 workers, including the most advanced Union worker and ex-President Sri Beant Lal and many Executive members of our Union -- Textile Workers Union Dehra Dun-- were charge sheeted on 1/3/63 for going on and inciting an illegal strike on 1/3/63 -- the day of the mourning. Only one shift --viz. C -- had observed the mourning and could not go to work. And it was absolutely spontaneous.

Secondly, Sri Beant Lal, aforesaid and 5 others belonged to A shift, which had not stayed away from work, and was indide the Mills on its work all along. The motive of the employers was clearly to make use of the occasion to victimise them.

An enquiry was conducted and the workers were kept under suspension for 25 days or so.

However, no case could be made out by the employers in the enquiry andso they had to reinstate the workers.

Yet the wages for the period of the long suspension was not paid and orders were served on them that as their guilt had been established, they were being let off by serving a warning on them and withholding the wages for the suspension period.

Our C.B. application was against this order on the plea that the charges were baseless, the enquiry was unfair and even then the charges could not be established.

But as we have already written to you, the Factory

PTO

Manager is an ex-R.C.O. of U.P. and has plenty of pull in the Labour Department . So he has manoevred to get the reference rejected .

We offered arbitration , first in the C.B. proceedings and then again in writing to the Rx Conciliation Board Chairman and the employers both .

Therefore the xase deserves reference on its merits as well as on the basis of the assurances of the Union Labour Ministry .

So you are requested kindly to take up the matter and get the reference made .

3. We had also writted to UPTUC , but they have referred us to you , saying that it is only you who can take up the matter .

Exepecting an immediate reply .

Yours Faithully ,

Bajendi

From: Secretary,
Globe and Press Kegment Kam[?] Union
32 Railway Road, Saharanpur

35

TO: The Registrar of Trade unions
Uttar Pradesh, Kanpur

Annual Return for 62-63

Received 2992 U.C. 28/4/63
Replied

Dear Sir,

Annual Return of the union for the year ending 31-3-63 is submitted herewith in duplicate duly completed in all respects. As no amendment was made in the constitution of the union no copy of the same is sent.

Yours faithfully
[signature]
Secretary

Copy to:- The Labour Inspector (C) Verification Govt. of India, Ministry of Labour + Employment, Office of the Regional Labour Commissioner (C) 7/201 Swaroop nagar for w.f with reference to his no. K. 36 v(6) 63 d/ 24.9.63

2. The Secy, AITUC, Mazdoor Sabha Office Gwaltoli, Kanpur

3. The General Secy, AITUC, Ashoka Road New Delhi

No.153/K/63
3 Oct. '63

Dear Comrade Brijendra,

Thanks for your letter of 24th September. We have collected soem cases where reference have been refused and are referring them to Union Labour Ministry as an example of how in various centres the spirit of the decisions of the Tripartite meetings is not beingimplemented. Here and there in expectional cases we were complained against the State Government to the Union Labour Ministry. But you can realise this can not be a routine affair.

We are drawing the attention of U.P.T.U.C. that such cases should be taken up with the U.P. government and also raised in the Assembly. If there are large scale cases of this nature then U.P.T.U.C. shoUld consider at its next Executive meeting to be held on 9th Oct. what further steps should be taken and if necessary an agitation be built up against the Labour Policy of the U.P. ~~Stat~~ Government.

With greetings,

Yours fraternally,

(K.G.Sriwastava)

To,
Com. Brijendra,
Chai Bagan Mazdoor Union,
Paltan Bazar,
Dehra Dun, (U.P.)

Copy to Com. Ramasray, General Secretary, UPTUC, Lucknow.
We are informed that the Labour Commissioner U.P. & Asstt. Labour Commissioner, Meerut, pleaded their helplessness in the matter. Also that U.P.T.U.C. were referred in the matter pointed to the AITUC saying that it is only they who can take up the matter.
I will suggest that if this is a general phenomena in U.P. this may be discussed in the forthcomming Executive meeting of the U.P.T.U.C.

Gillanders Arbuthnot & Co. Ltd.
Regd. Bldg. — 1.

Gram : Care "GILLANDERS"

Phone : 22307

GILLANDERS EMPLOYEES' UNION

(Regd. No. 1602)

RECOGNISED

Union Offices :
CALCUTTA, MADRAS,
BOMBAY, KANPUR.

36/8, HATA RAM MOHAN,

KANPUR 3rd October, 1963.

Ref. No. GEU/K/164/Circular.

The President/General Secretary, /Secretary.
All India Trade Union Congress
5 Jhandawalan Rani Jhansi Road.
New Delhi.

A I T U C.
Received: 3441 ..... 10/10/63
Replied

Dear Friends,

WE have to bring to your notice the anti-labour policy, victimising attitude towards the members of our union and disruption in the unity, which have of late been commended by our local management with a view in end to bring a complete deadlock in the union activities by this establishment. To support our statement, we detail below some of the salient incidents which would prove the correctness of our views.

A member of our subordinate staff has been residing in one of the quarters in the office compound, provided to him with the consent of the management, for about last sixteen years and he has recently been asked to vacate the same by the Branch Manager on the pretext that the same is needed for the latter's bearer. In spite of our best endeavours to arrive at a negotiated settlement with a view to redress the employee in question in regard to his monitery loss in respect of his pay-pocket, the local management rather than agreeing to the bipartite conference and replying to any of our scores of communications on the subject, moved the matter into the Civil Courts. Although prior to this we gave this matter into the hands of the labour authorities for a possible conciliation in this disputed issue, and the latter having called for the names of the representatives from both the parties, the Management seems to be adament in settling matter in the Civil Courts. You will thus realise that they are apt to take such recourses which would further worsen the situation and are in fact responsible for creating such critical situation in this office.

Apart from this, they have already started approaching members of our union and threatened them with dire consequences should they continue to be the member of our union. As a result of this, we have already obtained several resignations from members. Although every efforts are being continued by us, the pressure from the side of the management is becoming more and more on the members for the discontinuance of membership.

They have also resorted to victimise union president, general secretary and other office bearers, by issuing unnecessary memos. In one occasion, they asked the Union President for evidence that necessitated him to avail of his privilege leave some three weeks after he had returned from leave and joined duties. They also charged the general secretary with misbehaviour in Manager's chamber. Over and above, they tried to persuade other office bearers by arguing the merits and demerits of a Union in the Establishment.

We trust all the above incidents would convince you that the local management is bent upon creating trouble and adopting some such filthy anti-labour measures as exhibited above.

We fervently appeal all of you to come to our rescue and join hands with us in defeating the Management in their attempt to disrupt this unity. We would request you to post protest letters vehmently opposing the local Management's action with copy to our Head Office management, urging on them that negotiated settlement with the Union should be arrived at instead of moving matters in the Civil Courts, failing which agitational programmes may outcome as a consequence.

n : Care "GILLANDERS"

Union Offices :
CUTTA, MADRAS,
MBAY, KANPUR.

Phone : 22307

GILLANDERS EMPLOYEES' UNION

(Regd. No. 1602)

RECOGNISED

36/8, HATA RAM MOHAN,

KANPUR .... 19 ....

No. ....

We would further request you to kindly send your representatives at the ensuing meeting of the Joint Council of Trade Unions to be held on the 12th October, 1963 at 2 P.M. at Hata Ram Mohan, Kanpur in connection with the above purpose, where future course of action to combat the onslaughts from the employers may be outlined.

We hope you will extend your best cooperation and support in this instance to show our soliderity as a working-class to these buracratic employers.

Thanking you in anticipation.

Yours faithfully,

(A.R.SRIVASTAVA).

P.S. I have written to Mr. Bose, who will meet you and will explain the whole situation of this place. Your help is solicited in this connection. In the matter of Shri Ram Badal's quarter C.D. has been filed in the Labour Court by Shri. G.S. Sinha. You should write to the management to settle this case through negociations with the Union which ~~this~~ will helps in maintaining the peace and better Employer-Employee relations.

Agra District Council
of the
COMMUNIST PARTY OF INDIA
RAJA KI MANDI AGRA.

Secretary: ~~JAGDISH SHARMA~~
Ref No............ Dated 9.10.1963

A.I.T.U.C.
Received 3536 11/10/63

Dear Comrade,

I am sending herewith a report on a recent, Agra C.R. Oil Mill workers' dispute & their victory.

Kindly publish the same.

Yours fraternally
M. N. Tandon
Secy.

Com. K. G. Srivastava.

T.U.R.
is true

प्रेषक – भूतपूर्व प्रधान मंत्री, "दी नेशनल इंडिया रबर कर्मचारी संघ कटनी"

To
The ~~All~~ India Trade Union Congress 5E ~~[illegible]~~ Jhande walan, Rani Jhansi Road New Delhi

Under posting Certificate
9th October 63

आपका पत्र क्र० 148/rep/63
दि० 28 Sept 63

3445– 10/10/63

2- Annual Return – संबंधित बाधाएँ निम्न प्रकार रहीं

अ. संघ प्रतिनिधि अपनी बदलातें कारण श्रमिक मांगों को अपने अपने इच्छानुसार बदलते रहे, तथा श्रम हित संबंधी ~~संबंधित~~ शासन का रुख यथार्थ न्याय का नहीं रहा; (जिस कारण श्रमिकों की उदासी संघ सदस्यता के मामले में होना स्वाभाविक बना – क्योंकि ~~[illegible]~~ जुलाई सन् 1958 से धातुधारिक मांग पूर्ति में संघ का अब तक का असफल प्रयास) २रा – श्रमिकों का वह वेतनमान ~~[illegible]~~ जो शासकीय श्रमिक के वेतन से ½ स्तर का ~~[illegible]~~ है) ३रा – Industrial Court- Indore Award 22 February 1962 महसूस कराया कि श्रमिक के लिए न्याय उसके पास भी नहीं है) ४था – संबंधित श्रम विभाग ६ मार्च ६२ से प्रारंभ Award संबंधित पत्र पर स्पष्टतः का उत्तर नहीं देता, ~~और~~ न ही अंतिम अस्त्र उठाने देता, और न ही संबंधित अवार्ड के अनुचित दर्शन का ~~[illegible]~~ खंडन करता।

2- जबकि अब तक मैं अपना विश्वास न्याय हितैषकीय जनतंत्र शासन में पूर्ण रूप से बनाये था, किंतु अब अवशेष रूप में है; श्रमिकों का विश्वास ~~[illegible]~~ शासन पर न्याय का पहिले ही खत्म हो चुका था, पर मेरे आश्वासन और मेरी कार्यवाहियों पर उन्हें विश्वास था! ~~किंतु~~ किंतु निराशा पर निराशा की बौछार का क्या प्रभाव होता है सोचनीय ही है! इसलिए मैंने स्वेच्छापूर्ण संघ पद से संन्यास लेकर, संबंधित विवाद आवत पत्र व्यवहार ~~किए हुए~~ प्रारंभ रखा हुआ हूँ –

3 – शायद ~~[illegible]~~ न्याय हित में नागरिक कर्तव्य पूर्ण रूप से निबाह सकूँ और आप सबका सहयोग इस दिशा में मुझे मिलता रहे।

नोट – मैंने संबंधित आपका पत्र और अपने उत्तर की प्रतिलिपि संघ के वर्तमान प्रधान मंत्री महोदय को दे दिया है।

विनीत, सद्भावना सहित
[signature]
3 अक्टूबर ६३

[margin notes: illegible initials, 5. 14. x]

OFFICE OF THE KANPUR MAZDOOR UNION,12/1,GWALTOLI,KANPUR

October 7, 1963.

The District Magistrate,
Kanpur District,
Kanpur.

For Kanpur Mazdoor Union

3187 14/10/63

Dear Sir,

With grief heart, I beg to inform you that inspite of labour laws inforce, we are not in a position to persuade the government and the authorities of the labour department to get agreements and settlements implemented, laws enforced in the concern known as Messrs Maheshwari Devi Jute Mills Ltd., Harrisganj, Rail Bazar, Kanpur. I tried my best to know the reasons for this special favour to this concern but for the breaches, inspite of dozens of letters neither any action has been taken by the labour department nor a single letter in this connection has been replied. The following breaches, I am pointing out which needed immediate attention:-

1. Vide Govt. Notification No. 3151(TD)/XXXVI-A-212(TD)/60 dated 25-4-61, Govt. of U.Pradesh enforced the interim recommendations of the Central Wage Board for Jute Industry. More than 150 workers employed in the concern as substitutes or otherwise have been deprived of the benefit by the Wage Board against the provisions of the above Govt. Order.

2. Against the provisions of the National Holidays Act U.P. wherein the workmen are required to get holidays in respect of 15th August(INDEPENDENCE DAY), 26th January(REPUBLIC DAY) and 2nd October(GANDHI JAYANTI) with pay. Since the above Act came into force the management of the above concern does not pay wages to the workmen for the above festival holidays who are substitutes and whose number is not less than 150 in any case.

3. That the workmen of the concern entered into an agreement i.e., settlement No. 6 of 1962 on 3-4-62. This agreement still stands unimplemented.

4. That again before the Dy. Labour Commissioner, Kanpur Region,Kanpur on 26-8-63 entered into an agreement with the workmen regarding the allocation of work to substitutes. The decision of Sri S.P.Singh on the above matter was to be accepted by the parties. Inspite of the best efforts of the Dy. Labour Commissioner, the facts and data asked by him are not being supplied to him to enable him to come to a decision and in the meantime substitutes are arbitrarily refused work.

5. That against the provisions of Factories Act, the workman who are present inside the mills are not even marked present. Several labour inspectors of the office of the Dy. Labour Commissioner have enquired into the complaints but no effective step has been taken till date to remedy the defects.

6. That the breaches of Section 4(i) of the U.P.Industrial Disputes Act,1947 are innumerable but one apparant breach exists wherein the employers of the aforesaid concern have in breach of Sec. 4(i)has changed the mode of payment of Smt. Maikee d/o Dularia w.e.f., the 2nd fortnight of Aug.63.

7. That for all abovey if files of the labour department are looked into within a period of one year, you will find a dozens of complaints on each. The union has complained to the Central Government Ministry of Labour, with no results.

Under these circumstances, I find fault in the force of my logic to persuade the employers on the one hand to abide by the provisions of law, tripartite agreements including the Code of Discipline and Industrial

Truce Resolution ~~xx xxx~~ and on the other hand, I find that from the force of logic at my command, I am not able to persuade the Government authorities for taking suitable steps to enforce law and settlements in this mills.

With this realization in my mind, I feel that a fast for self purification is essential and hence, I have decided to go on HUNGER STRIKE UNTO DEATH w.e.f., 11th day of Nov., 163. The hunger strike will be started at 4-oo p.m. on the above date at the temple near the cross-road of Maheshwari Devi Jute Mills, if suitable steps towards implementations of the above laws and agreements are not taken.

Thanking you,

Yours faithfully,

(RAM SWAROOP MISRA)
Gen. Secretary
KANPUR MAZDOOR UNION

cc's forwarded to:-

1. The Dy. Labour Commissioner, Kanpur Region, Kanpur.
2. The Manager, Maheshwari Devi Jute Mills Ltd., Harris Ganj, Rail Bazar, Kanpur.
3. The Labour Commissioner, U.P., Kanpur.
4. The Secretary to the Government, Labour (A), Deptt., Lucknow.
5. The Secretary to the Govtt.,, Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.
6. The Gen. Secretary, All India Trade Union Congress, 5, Rani Jhansi Marg, Jhandewalan, New Delhi.
7. The General Secretary, U.P. Trade Union Congress, 12/1, Gwaltoli, Kanpur.

(RAM SWAROOP MISRA)

For Kanpur M... door Union

No.153/A/63
14 Oct. '63

To,

The General Manager,
Gillanders Arbuthnot & Co. Ltd.,
Civil Lines,
Kanpur.

Dear Sir,

We have come to know from our union that some dispute has arisen in your establishment regarding vacation of quarter and some other matter.

It is always been the policy of the A.I.T.U.C. to settle the matter out of court and we a should request you to settle this case with the union through negotiations. This will be in the interest of Industrial Peace and will help to restore cordial relations between the management and the workers.

Yours faithfully,

(Satish Loomba)
Secretary

Copy to union.

Hotel Worker Union Agra

102 Shivaji Market,
A G R A.
15-10-63.

A unique drama is being staged in our city as stated by the "Daily Sainik" in the Hotel Clarks Shiraz and before the foreign tourists staying there. It is now 5 days that this exhibition is continuing wherein 92 workers have already been discharged from service unjustifiably, and arbitrarily, without any charge sheet or valid reason, and this has been done inspite of National emergency although, the employers, employees, and the Government had agreed in the Indian Labour Conference last year, not to do so. Such action of the management is also against the present Labour Laws.

On 12th instt. when approached by the Union, the Management of Hotel Clarks Shiraz had refused to talk and settle the matter but when pressed by the Public opinion, and called by R.C.O. Agra the management had agreed to start talk with the Union, but did not budge an inch to withdraw the illegal discharge notices and allow back to duty all the employees to duty.

The Labour Authorities also expressed their inablity to intervene in the dispute or in anyway force the management to atleast observe the laws of the land. The Civil authorities are also not contemplated any action against the management under the D.I.R. for trampling the basic labour laws and violating the decisions of the Tripartite Conference.

Therefore the to consider the situation and to find a way out of the situation a meeting has been fixed at 102 Shivaji Market, Agra on 17th Oct. 63 at 6 P.M. Sharp. You are, therefore requested to make yourself available for the meeting. For this weshall be grateful to you.

Yours Faithfully,

(Sant Ram)
President.

फोन नं० २८०४१

उत्तर-प्रदेश, पी० डब्ल्यू० डी० कर्मचारी संघ,

(रजिस्टर्ड नं० १६५०)

(सम्बन्धित ऑल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस)

१८० सुभाष नगर, मेरठ ।

आचार्य दीपंकर, प्रधान,
'चन्द्रिका' शिवाजी मार्ग, मेरठ ।

ब्रजराज किशोर एडवोकेट, महामन्त्री,
'चन्द्रिका' शिवाजी मार्ग, मेरठ ।

ओमप्रकाश शर्मा, उपमन्त्री,
१८० सुभाष नगर, मेरठ ।

क्रम सं 1020/T

दिनांक 30.10.63

The Superintending Engineer,
Ist Circle, P.W.D.,
MEERUT.

Subject:- Case of S/S Shri Aanahya Lal, Truck Driver and Shri Sharif Truck cleaner.

Ref: Yours No. 5718E/9F-1/63 dated 4.9.63 and ours No. 980/T dated 14.8.63

Sir,

We have been expecting to receive a reply from you on the subject. It is over two and a half months that the services of the workers were retrenched and they are experiencing great hardship and harassment.

It is a pity that in spite of all assurances and steps taken by you ~~that~~ the Seniority List has not been prepared; much less notified to the workers. We understand most reliably that there is already a list in your office prepared Letter No. 1554/65/M dated 26.10.61 of E.E. Tempy. Division. According to it Shri Aanahya Truck driver, figuresthird on the list of seniority and there are seven more workers junior to him on the List. And Shri Sharif is ninth on the List of cleaners and there is one worker more junior to him.

We are also happy to be know of your circular letter No. 5149/45E dated August 2, 1963 to the Executive & Assistant Engineers in your circle, reminding them of the Rule of Seniority while terminating services of Work Charge Staff in the Deptt. It surprises us all the more that in spite of the said letter, the matter under reference is being deliberately delayed with a view to harass the worker. As such an action confirms our view that the workers are being victimised and harassed due to the courage of the said workers in bringing the illegal and high-handed acts of Shri Rajendra Kumar Jain Overseer,

continued...

through his application dated 18.4.63, submitted to the Executive Engineer, Temporary Division with Union's letter dated 20.4.63. All that has followed and the final excuse fabricated by the Department that since the truck on which the said workers were employed have gone out of order, and it is not economical to run them, is simply an eye-wash to cover up the real reason, and victimise the worker.

We have every hope that you would please call for a full and complete report in the matter; peruse the Seniority List and order that the workers be reemployed.

Yours faithfully,

(BRIJ RAJ KISHORE)
Advocate,
General Secretary.

Encl.Copy of letter dated 24.6.63 to E.E.

Copy forwarded to:-

Sri A.G. Srivastava, General Secretary,
A.I.T.U.C.,
Rani Jhansi Road, New Delhi No. 1

for information and necessary action please.

(BRIJ RAJ KISHORE)

फोन नं० २८०४१

उत्तर-प्रदेश, पी० डब्ल्यू० डी० कर्मचारी संघ,

(रजिस्टर्ड नं० १६५०)

(सम्बन्धित ऑल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस)

१८० सुभाष नगर, मेरठ।

आचार्य दीपंकर, प्रधान,
'चन्द्रिका' शिवाजी मार्ग, मेरठ।

ब्रजराज किशोर एडवोकेट, महामन्त्री,
'चन्द्रिका' शिवाजी मार्ग, मेरठ।

ओमप्रकाश शर्मा, उपमन्त्री,
१८० सुभाष नगर, मेरठ।

क्रम सं 1021/VIII

A.I.T.U.C. 3894 31/10/63

दिनांक 30.10.63

Shri K.G. Srivastava,
Secretary,
A.I.T.U.C.,
Rani Jhansi Road,
NEW DELHI-1.

147 UP
8/1/64

Sir,

Reference:- Yours No. 153/K/63 dated 7.9.63

We are in receipt of the stamped receipt of Rs 66.40 affiliation fee for the current year. But we are surprised to note that the Affiliation Certificate has still not been enclosed much less received by us; although you note that it is being enclosed.

You will appreciate the matter is becoming almost a matter constant head ache to us. For two years continuously we had been paying Affiliation Fee to the State Centre and never received the affiliation certificate. Now in the Third year as a matter off final recourse remitted the fee to you that we shall receive the certificate, but have met with the same fate. Also we note that two filled Affiliation Forms which we had been sent to you have also been returned to us along with the letter under reference.

Please do give the matter top priority and send us the certificate without delay.

Thanks.

Yours faithfully,

[signature]

(BRIJ RAJ KISHORE)
Advocate, Meerut
General Secretary.

K.
Pl. issue the affiliation certificate.
SY.
6.1

HOTEL WORKERS UNION - AGRA.

102 Shivaji Market,
Agra 18th Oct. 63.

Short minutes & resolutions of joint meeting of the representatives of workers Unions of Agra held on the invitation of Hotel Workers Union Agra, on 17th Oct. 63 at Shivaji Market, Agra.

A joint meeting of the representatives of the industrial workers Unions of Agra called by the Hotel Workers Union Agra was held here at Shivaji Market Agra, to consider over the situation of the struggle of workers of Hotel Clarks Shiraz where 92 workers have been aribitarily and illegally discharged from service, and the breakdown of talk and negotiation. About 100 representatives of 20 Unions attended the meeting. Shri Roshan Lal Sutel President of Tel Mill Mazdoor Sabha was proposed to the Chair and presided over the meeting.

Shri Riyazatullah Joint Secretary of the Hotel Workers Union Agra gave a short resume of the struggle of the workers of Hotel Clarks Shiraz leading to discharge from service of 92 employees and the breakdown of talk and negotiation due to adament attitude of the employer. He also naratted the difficulties and conditions of service and the high-handedness of the management of Hotel Clarks Shiraz.

About a dozen other representatives of other Unions also spoke, condemned the management of Hotel Clarks Shiraz, and expressed their indignation and resentment over the illegal and arbitary discharge from service 92 employees inspite of Indian Labour Conference decisions and the National emergency. Speaker after speakers expressed their solidarity with the struggling workers of Hotel Clarks Shiraz. Several speakers called upon the District Authorities and the Government to invoke Defence of India Rule and prosecute the management of Hotel Clarks Shiraz for openly trampling the fundamental labour laws and provoking by attacking the labour unnecessarilyand thus jeopordising the industrial peace these days. Labour authorities were also called by name for expressing their inablity to intervene in such open attack on the workers rights, and discharge of 92 workmen from service by the employer, without ever observing the rules and procedure laid down in Model Standing Orders.

After the speeches and discussion Shri Ikram Ahsani proposed the following resolution on behalf of the Chair which was unanimously adopted; which reads as below:

" After reviewing the whole situation of the struggle of workers of Hotel Clarks Shiraz, discharge from service of 92 employees arbitarily and illegally, it is resolved that a committee consisting of one representative from each Union and other prominent persons be formed, which may meet Seth Achal Singh M.P., the District Magistrate Agra, the Labour authorities and the management of Hotel Clarks Shiraz in order to find a way out of the impasse and the unconditional reinstatement of all the discharged employees." The committee consists of the following: 1. Sri Roshan Lal Sutel. 2. Bhikki Mal Sharma. 3. Ikram Ahsani. 4. Mahadeo Narain Tondon. 5. Munshi Lal Verma. 6. Inderjit Singh. 7. Balkishan Baloji M.L.A. 8. Sri Sant Ram. 9. Raizatullah. 10. Dr. P.N. Gupta Dy. Mayor Agra Nagar Maha Palika Agra. 11. Abdul Hafiz. 12. Chandan Singh. 13. Sri Haret. 14. Sri Shyam Lal Bama. 15. Shyam Lal Sharma. 16. Yatish Chand Sharma. 17. Tanvir Mustufa. 18. Sri M.C. Gupta. 19. Sri Rajendra Prasad. 20. Sri Devi Pd. Divji. 21. Ram Bharosy Rathore. 22. Sri Bhagwan Swarup Dadhich.

By another resolution it is decided that a General Joint meeting of all industrial workers of Agra be called on 20th instt. at Shivaji Market, both for the purpose of taking pledge of National integrity as well as expressing the view over the Labour situation in Agra City, and demanding 25% immediate increase in wages in order to compensate the rise in the cost of living during the year.

The meeting was closed with thanks to the Chair.

Abdul Hafiz.

U . P . T R A D E _ U N I O N _ C O N G R E S S

12/1 Gwaltoli.
Kanpur, 12-10-63.

Cirfular No 11/63

Received 3689 19/10/63
Replied

Dear comrade,

A meeting of the Unions of the Meerut Region affiliated to the AITUC is proposed to be held on 23rd October,63 at Regional Office, Meerut. The Unions are requested to send two representatives positively from their union to attend the meeting. The meeting will at 10 AM sharp on 23rd Ocotber,63. Com Ram Asrey General Secretary will attend the meeting.

The agenda of the meeting is as follows :-

1. Checkup of the decisions of the last Regional meeting.
2. Report on the decisions of the UPTUC executive meeting held at Lucknow on 9th & 10 th October,63.
3. Organisation.
4. Any other matter.

With greetings.

Yours comradely

(Samir Kumar Dhar)
For General Secretary

क्रम सं०.....

दिनांक.....१९६

होटल वर्कर्स यूनियन, आगरा ।

[रजिस्टर्ड नं० १६६५]

सभापति—सन्तराम
मंत्री—के० सी० गुप्ता

यूनिस बिल्डिंग
कलक्टरी रोड, आगरा ।

A.I.T.U.C.
3772 23/10/63

The Secretary,
A.I.T.U.C. New Delhi.

Dear Comrade,

We acknowledge reciept of your letter dated 19 Oct 1963, and noted its contents.

The struggle is going on, but due to weakness of certain elements about a dozen workers have gone back to duty leaving now about 50 workers on the discharge list.

The employer and management has conieved with the Police and got ~~about~~ 5 workers arrested on charges of assault etc to a loyal worker.

Today 2 workers who have been illegally discharged have resorted to Hunger-strike.

Other workers of the City a-re expressing solidarity, and they have held a mass workers meeting protesting against the illegal discharge of the employees and demanding reinstatement and intervention to resolve the dispute.

The so called labour authorities, are siding with the employer and are not intervening to get resolve the dispute and/or get prosecution of the employer for openly violating the Shop and Commercial Establishment and and Rules, and for illegally discharge such a huge number of employees.

P.T.O.

मन्त्री
होटल वर्कर्स यूनियन, आगरा ।

We are hard-pressed financially, and need money badly. Please do the needful.

At the mass meeting of City industrial workers on the call for financial help, Unions and individual workers contributed about Rs 45/-.

The loca-l press gave our news in the beginning but there is complete black-out nf news in the local press as well as in the English Press, all India Press. Please contact the Press from your end.

Please find here some circulars issued for your information and necessary action.

Yours Faithfully,

(Raizatullah Khan)
Jt. Secretary.

Copy to:
1. The Secretary Hotel Workers Union, Delhi.
2. The Secretary Ashoka Hotel Employees Union, New Delhi.

MAGNIFICENT VICTORY OF AGRA OIL MILL WORKERS
UNITED DEMOCRATIC FORCES HELP THEM WIN

After 26 days of grim struggle, A-I.T.U.C.-led 150 workers of the C.R. Oil Mill ~~workers~~ Agra, owned by one of the top capitalists of Agra, were able to resume work on the night of 4-5 Oct.. They defeated the most ferocious attack of the owner on their working conditions with the full support of Congress, Republican and non-party democrats besides Communists.

* The owner wanted to impose 10½ hours working but he had had to agree to the usual 8 hours working in 3 shifts.
* He wanted to throw out 23 militants under the plea of disobedience and inefficiency but had to retain all workers, withdrawing all charge-sheets.
* He did not want to pay a single Rs for the 26 days of stoppage of work but had to agree to payment of half the wages for the period within 3 days.
* He wanted to more than compensate for the 3 hours daily stoppage of production due to absence of electric power and introduction of some labour-saving mechanical device by increasing work-load, but he had to agree to an increment of Rs 5 a month for that section of workers.
* He wanted to starve out the workers and use the police to suppress their just struggle, but he had to face the united support of Congress M.P. Seth Achal Singh, Independent M.L.A. Baloji Agarwal, Republican Deputy Mayor Dr. Prakash Gupta ex-Congress labour leader Roshan Lal Sootel, INTUC Electric Workers Leader Ikram Ahsani, besides Dist. Communist Party Seretary M.N.Tandon and others behind the fighting workers.

That is how workers succeeded in defeating the nefarious game of the craft owner.

The whole thing started with a daily 3hrs stoppage of N Electric Supply during 'peak hours' in the evening by the Electric Supply Co. The owner wanted to use his opportunity to introduce two shifts of 10½ hrs each with a break of 2½ hrs in the middle, instead of 3 eight-hrs shifts. The owner cleverly worked out the scheme, whereby workers would remain inside the mill premises for 10½ frs and other batches would be relieving them after every 2½ hrs to maintain continuous working of the mill.

This arbitrary, sudden and clumsy trick to force an increase in working time, which was, it is reliably reported, fully backed by the leading employers of Agra, met with a determined rebuff on the part of workers.

Repudiating the hitherto established leadership of Swatantra-led Union of notorious pro-employer Prem Dutt Paliwal, workers rallied as a man behind the Rashtriya Tel Mill Karamchari Sangh, which is affiliated to the A-I.T.U.C and led by the veteran Communist Trade Union Leader Com. Abdul Hafiz.

Workers found the mill-gates closed on 9th Sep when they went to join the usual eight-hour shift. And they on their part refused to accept the 10½ shift being imposed by th the owner in contravention of the terms of Industrial Truce.

Consequently a public meeting was held on 17th Sept in front of the mill-gate to support the just cause of workers, wherein a Negotiating Committee was formed consisting of Independent MLA Baloji Agarwal, Republican Dy Mayor Dr. Prakash Gupta, ex-Congress labour leader Roshan Lal Sootel , INTUC Electric workers leader Ikram Ahsani, Congress Corporator Ram Kishan Verma, Dist Communist Party Secretary M.N.Tandon, Karamchari Sangh President Abdul Hafiz, Secretary Munshilal Verma and Executive member, Ghulam Mohammad.

After his attempts at disruption, collution and demoralisation of workers by various stratagems failed, the owner was forced to accept Congress M.P. Seth Achal Singh as arbitrator. Once again he desperately tried to evade and sbotage Sethji's award, which was on the ~~favourable~~ whole favourable workers. But this effort at evasion and revolt against the

agaist the award only landed him in a worse mess. Workers peacefully picketted the mill gate and even the mill manager and mill staff were not allowed in, till Sethji's award was implemented. Thus the police was neutralised and could not help the owner suppress the workers by raising the anti-communist cry.

Ultimately the mediation of the Asstt. Labour Commissioner brought him round and an agreement was arrived at with the active help of the all-party Negotiating Committee in the context of Sethji's award.

M. N. Tandon

ALL INDIA GILLANDERS EMPLOYEES FEDERATION

SIXTH ANNUAL REPORT - 1961/62.

I have great pleasure in presenting our Sixth Annual Report for your consideration and approval.

The period under review has been notable in many respects. For the first time in the history of our Federation, we decided at our Madras Conference to present to the Management a common, unified and identical Charter of Demands and all our Units did so. However, inspite of our best efforts, we regret we could not deal with the Management on Federation Level in the manner as had been expected owing to various factors.

You are aware that at the last Annual Conference at New Delhi, a Negotiation Committee was formed, with full powers to negotiate and come to a settlement with the Management. In accordance with the programme chalked out in advance, demonstrations were staged at the Calcutta Unit and mass deputations by other Units conducted magnificiently and thus created an example in the history of Gillanders staff movement. These agitations and deputations have had their own effect on the Management and they had to shed their unbending attitude and step down and start making offers to the staff, which they stoutly refused at the initial stage, under the plea that the then existing wages were satisfactory. You are also aware that at several stages, the negotiations came to a breaking point. Finally after a great deal of negotiations, representations, arguments etc., the terms of service applicable to the Calcutta members were amicably settled in November 1961. At this stage, it is commendable that the Calcutta Unit did not sign an Agreement immediately and insisted upon the Management to come to satisfactory settlement at other places as well. It is only when all the Units from Madras, Kanpur and Delhi finally agreed for the Calcutta Unit signing the Agreement, they did so in January 1962. It speaks of the comradely spirit shown by the members of that Unit and it is my duty to thank their members for their commendable spirit of comradeship. Next to Calcutta, the Madras Unit signed the Agreement in February while Kanpur signed it in the first week of April and New Delhi during the last week of April 1962. Bombay Unit also signed an Agreement in November 1962, after negotiating with the Management themselves. All these Agreements will expire by March 1966.

Although the Federation could not get one common Agreement for the Units, we have however, been successful in making the Management agree for an unified and improved service terms on matters like Gratuity, Bonus, Medical facilities, Privilege Leave etc.

Inspite of written Agreements, it is a matter of deep regret that there has been vast differences of opinion from region to region in regard to implementing the terms. Instances are not wanting where Branch Managers, taking advantage of loopholes in the Agreement, have completely stopped further increments to certain members (even to superior Grade Clerks) and have also withheld promotions from one Grade to another as soon as the vacancy arose. Some Branch Managers have taken special pains to tease the Union Members and have also gone to the extent of dissuading and encouraging members to resign from the Unions. This only betrays their lack of knowledge of Trade Union Movements. We are fully aware that the Management at Calcutta is not of that mould, although at times, they have perforced to uphold the wrongs of their Branch Managers, for the sake of prestige. Whilst we had an uneasy period immediately after our last Conference, we had of late a relatively peaceful atmosphere in all places, except at Kanpur and Delhi. It is not without significance that we are meeting here to shape our future course of action, for in that lies the future of our Organisation as a whole. Kanpur is a place dominated by the middle class people, as a result of which the public are more Union-minded in this Centre than in other places. They are more mature in their activities and conscious of their rights and privileges. They can be a real guide for others and they have greater experience in mobilising the resources of the middle classes - the white coloured people as they are called.

CALCUTTA: We are glad that the recent Agreement has been implemented in a true spirit. It is a matter for great gratification that the Recreation Club, which was working as a separate Unit, has since been merged with the Union and that its activities are conducted through the effective supervision and control of the Union. At the general wishes of the members,

..... 2,

a Staff Canteen sponsored by this Union to serve mid-day meals to its members has been started from the 1st September 1962 and the same, I am happy to say, is running very smoothly. With pleasure, I wish to report that the staff of the Indian Tack & Nail Co.,Ltd., (which is a subsidiary of Gillanders) have joined the Calcutta Unit en bloc. Staleness, sometimes leads to wrong conceptions as a result of which even unwittingly some unnecessary issues are raised about our Organisation itself. I am however, glad that the storm in a cup of tea is over and that all are now working in a homogenous spirit to uphold its best traditions.

MADRAS: After the initial turbulant period, when temper frayed very heavily with the then Management, the staff have relatively a quiet period now. This has lead the members to be complacent and take a lethargic view of Union matters. Three of the members who were promoted to Superior Grade on 1.4.61 in terms of the Agreement, are yet to receive their annual increments. The Union is helpless having signed the Agreement, whereby increments are left to the discretion of the Management. In another instance, an unqualified dependant of a non-member was straightway appointed as a regular clerk (not even as a learner) whereas on a prior occasion a similarly qualified dependant of a retiring member was employed only as a Subordinate Staff, simply because he happened to be a son of a member of the Union.

NEW DELHI: We are glad that the question of quarters for the driver has been amicably settled by the granting of extra pay to the affected individual. We cannot however refrain from commenting about the manner in which the promotion to the Superior Grade was made by the Branch Manager recently. Although Calcutta have assured us from time to time that extraneous considerations do not weigh for promotions, yet this is a matter in which special favour alone had played a major part. The basic principles governing the past cordial employer-employee relations (which existed before the change of Branch Manager) were summarily set aside by the present incumbant and approach to labour relations was made with the 17th Century conceptions. As a result of these, problems of serious nature cropped up frequently and some of them still remain to be solved. The Management's movements are giving cause for much concern still. It is earnestly hoped that the local Management will realise the necessity to identify themselves with what has been envisaged in the Government of India's various labour welfare policies and programmes. They should also reciprocate and settle matters across the table, without making any of these as a prestige issue, which has no place in the present day employer-employee set-up.

KANPUR: Although the members enjoyed a peaceful period immediately after signing the Agreement, the change of Management, has brought with it a stream of happenings, which may be compared to the meadivial periods. They are now in the midst of a difficult period. Gone are the days when the local Branch Managers considered themselves as Monarchs in their region and were used to keep the staff under their personal mercy. They should realise that they themselves are only dignified servants of the Company and have no greater right than any of us. Unless the staff extend their full co-operation, the Management cannot get much from unwilling hands and the Branch would be spoiling its own reputation, while all other Branches prosper very well.

BOMBAY: This Unit signed two Agreements with the Company in November, 1962, although they knew that a few of the terms of service conditions were not favourable to them, solely for maintaining peace and harmony in the Country in view of the grave National Emergency on account of sudden attack on our Northern Borders by the Communist China. There is still one dispute now pending to be solved, namely that of premature retirement of Mr. T.G. Rao and it is hoped the same will be favourably disposed of by the Industrial Tribunal, to which the case has been remanded by the High Court. The Unit is still having lengthy discussions with the local Management on matters like (1) Correct computation of the price index for purpose of Dearness Allowance (2) Transferring the P.F. Accounts to Bombay (3) Deletion of the Para 2 relating to reduction in Gratuity (4) Change of the present Office Doctor (5) Payment of double train fare to married lady members when going on Privilege Leave (6) Raising the retiring age to 58 without any conditions (7) Uniforms to Godown and Delivery Van coolies (8) Provision for a Water-cooler and (9) Weekly holiday for the watchman.

GENERAL: The common idea behind all Managements is to get the maximum work by paying low wages and to hold on to the minimum as long as possible. Our Management too is no exception to this as

....3,

could be seen from the different scales of pay and dearness allowance applicable to the Units, which vary from region to region. Inspite of this, our common aim should be to obtain an equal and a fair minimum living wage. As our total emoluments are far behind this, it should be our constant endeavour to attain the living wage. Our Government is content with making loud proclamations, without the least effort on their part to implement strictly the various unanimous decisions arrived in Tripartite Conferences, to which they themselves are parties.

It is more than a year since the State of National Emergency was proclaimed, following the treacherous attack by the Communist China on the Northern Borders. The Government have to-date failed to keep up the tempo and spontaneous enthusiasm and co-operative spirit shown by the working class. The State of Emergency has neither benefited the wage earner nor the Government but only the Capitalists. We cannot afford to be complacent at this juncture, but do out utmost to safeguard the general well-being of our members. Only through complete unity, we will be able to achieve our objective. Therefore, I would urge one and all to be united and give all your support for each and every action taken by your own chosen representatives, whose aim is only to promote the common good.

ALL INDIA GILLANDERS EMPLOYEES FEDERATION :: ZINDABAD

JAI HIND

Kanpur,
The 30th October 1963.

V. S. RAGHAVAN
GENERAL SECRETARY.

SIXTH ANNUAL CONFERENCE OF
ALL INDIA GILLANDERS EMPLOYEES' FEDERATION.

Resolutions adopted unanimously at the Open Session of the Conference held at Arya Samaj Hall on 30th October, 1963 at 5.30 P.M.

1. This Meeting of the All India Gillanders Employees' Federation once more wishes to urge upon the Management to accord recognition to the Federation without any further delay as this Federation commands the confidence of the entire employees of this Organisation, with a view to maintain cordial employer-employee relationship.

2. This Meeting urges upon the Management to grant Special leave to all the Delegates attending the Federation Meetings/Conferences as these are held only to promote the mutual interest of Employer-Employee.

3. This Meeting urges upon the Management for a proper implementation of the agreed terms of service, particularly in respect of the following :-

a) Restoring the increments to the Superior Grade Clerks in Madras as per Agreement, denied to them since 1961.

b) To maintain the minimum percentage mentioned in the Agreement relating to the Superior Grade Clerks in New-Delhi Branch, and to maintain the assurances given by the Management.

c) To substitute the present Consultant in Bombay by a Medical Practioner having dispensing and other facilities.

4. This Meeting urges upon the Management to retain in service all its employees till they attain the age of 58 without discreminations.

5. This Meeting urges upon the Management to grant an Ad Hoc increase by at least 25% of the total wages in view of the spiralling prices, imposition of C.D.S. and additional surcharge etc.

6. This Meeting takes a grave view of the unfair labour practices indulged in by the Kanpur Branch Manager and urges upon the Management for his immediate removal.

Sd/- S. M. Banerjee, M.P.
PRESIDENT.

Kanpur,
30.10.63.

U. P. Metal & Engineering Workers' Federation

President :
RAM ASREY
Gen. Secretary :
NIZAMUDDIN

Kanpur.....नवम्बर ७.........1963

श्रीमान् श्रम सचिव,
उत्तर प्रदेश सरकार,
लखनऊ ।

4005 9/11/63

महोदय,

निवेदन है कि हम ने एक मेमोरेन्डम श्रीमती सुचिता जी कृपलानी, श्रम मन्त्राणी (जो उस समय थीं) को दिनांक १७-५-६३ को भेजा, जिस में हमने "उत्तर प्रदेश में आयरन-स्टील तथा इंजीनियरिंग उद्योग में लगे हुये श्रमिकों के वास्ते वेतन मण्डल" की मांग की थी ।

यह कि उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ के पत्र नं० १०२(पीएम) ६३ दिनांक २१-५-६३ के अनुसार हमें लिखा गया कि उपरोक्त मामला आपके सुपुर्द कर दिया गया है और भविष्य में आप ही उसे देखें ।

यह कि पत्र नं० १०२(पीएम०) ६३ दिनांक २१-५-६३ के बाद हमें किसी प्रकार की सूचना नहीं मिली कि उक्त मामले में आप की ओर से क्या हो रहा है । हमने, अपने पत्र दिनांक १७-५-६३ द्वारा आग्रह किया था कि हम आप(श्रम मन्त्राणी) के सामने उपरोक्त मामले में और विस्तार से अपनी बात रखना चाहते हैं, पर हमें आप की ओर से अब तक कोई समय नहीं दिया गया ।

यह कि यू० पी० आयरन, स्टील तथा इंजीनियरिंग उद्योग में लगे हुये श्रमिकों की काम की हालत व आर्थिक दशा अति खराब है, जरूरी है कि इस ओर आप के द्वारा अविलम्ब कोई कदम उठाया जाय ।

क्रमशः पेज नं०-- दो

U. P. Metal & Engineering Workers' Federation

President :
RAM ASREY
Gen. Secretary :
NIZAMUDDIN

-: दो :- Kanpur.....196

अतः इस आप से निवेदन करते हैं कि, आप, अपना बहुमूल्य समय दे कर सारी बात विस्तार में सुन कर उक्त मामले में जल्द से जल्द आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट अवश्य करें ।

आशा है कि आप इस से मिलने के लिये तारीख व समय की सूचना, हमें शीघ्र भेज देंगे ।

कष्ट के लिये अग्रिम धन्यवाद ।

भवदीय,

(निज़ाम उदीन)
प्रधान मन्त्री,
आयरन एण्ड इंजीनियरिंग वर्कर्स यूनियन,
१३१।३५८, बेगम पुरवा, कानपुर ।

प्रतिलिपियां प्रेषित की:-

१-श्रीमान् लेबर मिनिस्टर,
केन्द्रीय सरकार, नई दिल्ली ।
२-श्रीमान् मन्त्री जी,
आल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस,
रानी झांसी रोड, नई दिल्ली ।
३- श्रीमान् प्रधान मन्त्री,
यू०पी० ट्रेड यूनियन कांग्रेस,
२२, कैसरबाग, लखनऊ ।
४- श्री एस०एम० बनर्जी, एम०पी०,
सिविल लाइन्स, कानपुर ।
५- श्री एस०एस० यूसुफ एम०एल०ए०,
बम्बा रोड, दक्षिन पुरवा, कानपुर ।

भवदीय,
(निज़ाम उदीन) प्र० मन्त्री

OFFICE OF THE KANPUR MAZDOOR UNION, 12/1, GWALTOLI,
KANPUR.

November 8, 1963.

4053 12/11/63

The District Magistrate,
Kanpur.

Dear Sir,

I have to invite your kind attention to my notice dated October 7, 1963 for self-purification fast which I was going to undertake because of the adamant attitude on the part of the management of M/s. Maheshwari Devi Jute Mills Ltd., on the one hand and the attitude of the labour authorities on the other, who xx were persistently not taking any action against the said concern for the breaches of law, settlements as well as Government orders. I was going to undertake the fast w.e.f., 7th November, 1963. During this period, I have met several authorities of the Labour department and from the talks I had with them during this period, I feel that the authorities are now moving in the matter and suitable action is also envisaged. Under these circumstances, I feel that I should wait for some time more for the above action and hence I have decided not to undertake fast as proposed in the said notice w.e.f., the date in that notice.

Thanking you,

Yours faithfully,

(RAM SWAROOP MISRA)
Gen. Secretary

cc's. forwarded to:-

1. The Dy. Labour Commissioner, Kanpur Region, Kanpur.
2. The Labour Commissioner, U.P., Kanpur.
3. The Secretary to the Government, Labour (A) Deptt. Lucknow.
4. The Secretary to the Government, Ministry of Labour, Govt., of India, New Delhi.
5. The Gen. Secretary, All India Trade Union, Congress, 5, Rani Jhansi Marg, Jhandewalan, New Delhi.
6. The Gen. Secretary, U.P. Trade Union Congress, 12/1, Gwaltoli,, Kanpur.

for inform ation.

A.I.T.U.C.
Received 4186 26/11/63
Replied

मंत्री टेलर मास्टर एसोसियेशन • ४४६६ - मई थान आगरा
लेबर कमिश्नर उत्तर प्रदेश - आगरा

श्री मान् जी

कार्यकारिणी समिति सिलाई मजदूर सभा के फैसला अनुसार जो ८/११/६३ को हुई थी। दिनांक ११/११/६३ शाम के ७ बजे बिजलीघर वर्क्स कैन्टीन मे सभी मैम्बरों को सूचना देने के बाद हड़ताल का मत (सीक्रेट बैलट लिया गया जिसमे १२५ मैम्बरों ने भाग लिया व १२२ ने हड़ताल करने के पक्ष मै वोट दिया - और दो ने खिलाफ एक पर्ची रद्द कर दी गई क्योंकि इस पर कोई निशान पक्ष या विपक्ष मे नही लगाया गया था।

अतः सिलाई मजदूर सभा के विधान की धारा ५४ के अन्तर्गत आपको इस नोटिस द्वारा १५ दिन का नोटिस दिया जाता है। जो २५/११/६३ को समाप्त होगा। ऐसी स्थिति मे सिलाई मजदूर सभा इस नोटिस के बाद यानी २५/११/६३ के बाद किसी दिन भी हड़ताल कर सकती है - अगर मजदूरों की माँगे जो पहले मालिकान को दी जा चुकी हैं वह पूरी नही हुई तो

सिलाई मजदूर सभा का द्वारा किसी भी उचित समझौते के लिए हड़ताल पर जाने के दिन तक खुला रहेगा। सिलाई मजदूर सभा अब भी आशा करती है कि कर्मचारियों की उचित माँगे मन्जूर की जावेगी और मजदूर सभा को हड़ताल करने के लिए विवश न किया जायगा।

उपरोक्त नोटिस आपको मुनासिब कार्यवाही व सूचनार्थ भेजा जा रहा है।

प्रतिलिपि :-
१ श्री असिस्टेंट लेबर कमिश्नर - आगरा -
२ श्री जिलाधीश - आगरा
३ श्री डी० वाई० एस० पी० आगरा
४ मंत्री यू० पी० टी० यू० सी० आगरा
५ सेठ अचल सिंह एम० पी० आगरा
६ लेबर मनिस्टर उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ
७ श्री गुलजारी लाल नन्दा गृह व श्रम मंत्री भारत सरकार नई दिल्ली
८ श्री महामंत्री आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस नई दिल्ली

सभी लोक पत्रों के संपादकों को प्रकाशनार्थ हेतु भेजी गई है

दि :- १२-११-६३

सतीश चन्द्र शर्मा
सतीश चन्द्र शर्मा
मंत्री
सिलाई मजदूर सभा
एन्ड भवन धूलिया गंज
(आगरा)

F

[illegible] 2/12/64

U. P. Metal & Engineering Workers' Federation

President :
RAM ASREY
Gen. Secretary :
NIZAMUDDIN

13 1963

Kanpur......नवम्बर..१३,......196 ३

श्री मान् मन्त्री जी,   2219   16/4/63

~~आल इन्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस~~
~~रानीझांसी रोड~~
~~नई दिल्ली।~~

साथी,

जैसा कि आपको मालूम है कि हमारी ओर से, यू०पी० में आयरन-स्टील तथा इंजीनियरिंग उद्योग में लगे हुये श्रमिकों का वेतन बढ़वाने के लिये आन्दोलन चल रहा है और इस सम्बन्ध में हम सरकार से भी बराबर लिखा पढ़ी कर रहे हैं! हमने यू० पी० सरकार से मांग की है कि यू० पी० में आयरन-स्टील तथा इंजीनियरिंग उद्योग में लगे हुये श्रमिकों के वेतन का मामला केन्द्रीय आयरन-स्टील वेतन मण्डल को नहीं दिया गया और इस बात की अधिक सम्भावना है कि भविष्य में केन्द्रीय इंजीनियरिंग वेतन मण्डल को भी यू०पी०. का मामला न दिया जायगा। इसलिये हमने यू०पी० सरकार के पास तारीख १७-५-६३ को एक मेमोरन्डम भेज कर (कापी आपको भी भेजी है) यह मांग की है कि यू० पी० में आयरन-स्टील तथा इंजीनियरिंग उद्योग में लगे हुये श्रमिकों के लिये एक विशेष वेतन मण्डल नियुक्त किया जाय। मेमोरन्डम के सिलसिले में एक रिमाइन्डर श्रम सचिव, यू०पी० सरकार, लखनऊ को हमने तारीख ७-११-६३ को भेजा है।

आपके वहां आयरन-स्टील तथा इंजीनियरिंग उद्योग में लगे हुये श्रमिकों के काम की हालत, उनको कितना बेसिक वेतन (हर कैटेगरी का) मिलता है और कितना मंहगाई का भत्ता व किस दर से मिलता है जल्द से जल्द भेज दें, ताकि सरकार के सामने पूरा मामला विस्तार से रक्खा जा सके।

कानपुर में सभी ट्रेड यूनियन्स मंहगाई के सवाल पर आन्दोलन करने की तैयारी

कृपया पृष्ठ पलटिये

-: दो :-

कर रही है और तारीख १४ व १५ दिसम्बर, १९६३ को इसी सवाल पर एक कान्फ्रेन्स भी होने जा रही है।

मंहगाई व बोनस आदि के सवाल पर ए० आई० टी० यू० सी० की तरफ से बम्बई में जो कान्फ्रेन्स तारीख ६ से ८ दिसम्बर, १९६३ तक होने जा रही है, उसमें आप की यूनियन्स से एक डेलीगेट अवश्य पहुंचना चाहिये।

आपका साथी,

(निज़ाम उद्दीन)

प्रधान मन्त्री,

यू०पी० मेटल एण्ड इंजीनियरिंग वर्कर्स फेडरेशन,

१३१।३५८, (ब्लाकजी) बेगम पुरवा,

कानपुर।

PREPARATORY COMMITTEE

AGRA REGIONAL INDUSTRIAL WORKERS CONFERENCE.

A.I.T.U.C.
Received 4352 21/11/63
Replied

102 Shivaji Market,
AGRA.
15th Nov. 63.

Shri/~~Shrimati~~...K.G. Srivastava Secretary
...A.I.T.U.C. New Delhi...

Dear Sir,

Your kind attention is drawn to our previous letter dated 1st Nov. 63.

In this connection, we beg to inform you that a litthe alteration has been down in the dates of t he Conference. Now the delegates session will be held on 30th November 63, and open session will be held on 1st December '63.

It is once again requested to grace our Conference on the above dates, to guide us and evolve a platform of struggle to achieve common demands of the working class.

In case, and due to certain other engagements on these dates, if your honour can not attend our Conference, your message will be awaited.

Yours Faithfully,

Abdul Hafiz

For Preparatory Committee.

ram : Care "GILLANDERS"

GILLANDERS EMPLOYEES' UNION

(Regd. No. 1602)
RECOGNISED

Union Offices :
CALCUTTA, MADRAS,
BOMBAY, KANPUR, DELHI.

36/B, HATA RAM MOHAN,

Ref. No. GEU/K/172.

KANPUR 19th November, 1963.

The Secretary,
All India Trade Union Congress,
Rani Jhansi Road,
DELHI.

A. I. T. U. C.
Received 4321 20/11/63
Replied ....

Dear Sir,

6th Annual Conference of the All India Gillanders Employees' Federation.

As you are already aware, a meeting of the All India Gillanders Employees' Federation was held at Kanpur during the last week of October, -1963. In this meeting, after taking into consideration the various factors prevailing in this Institution all over India, members adopted unanimously the 6th Annual Report and the Seven Resolutions, copies of which are enclosed together with a copy of the welcome address presented in the open session by the Chairman of the Reception Committee for your perusal.

We would now urge upon you to support our cause with a view to maintain a cordial employer-employee relations.

We are also pleased to announce that the following members have been elected office-bearer and to form the Executive Committee for 1963/64-65.

PRESIDENT	- MR.M.K.THIAGRAJAN	- BOMBAY
VICE-PRESIDENT	- MR.R. NATRAJAN	- MADRAS
GENERAL SECRETARY	- MR.J.BASU	- CALCUTTA
ASSTT.SECRETARY	- MR.A.R.SRIVASTAVA	- KANPUR
	- MR.S.P.BHATTACHARJEE	- CALCUTTA
	- MR.DWARKA ADHISH	- NEW-DELHI.
TREASURER	- MR.K.M.MITRA	- CALCUTTA

The delay in notifying you earlier of the proceedings is regretted which was unavoidable due to occurance of sickness of the undersigned just after the aforesaid Conference.

Yours faithfully,

(A.R.SRIVASTAVA).
GENERAL SECRETARY.

cc. The General Secretary,
U.P.Trade Union Congress,
Kanpur.

Welcome Address

BY

THE CHAIRMAN RECEPTION COMMITTEE

6th Conference of the

All India Gillanders Employees' Federation

Dear President, Delegates and Friends,

It gives me a great pleasure to welcome you here. This city is well known for its heroic battles against British Imperialism in 1857. None in India can forget the determination of Pujya Ganesh Shanker Vidyarathi and Chandra Shekhar Azad in throwing the British Imperialism out of Indian soil. The history of Indian working class will be incomplete if in its pages the services rendered by. comrades Ajoy Ghosh, R. D. Bharadwaj and Harihar Nath Shastri, is ignored. This historical city of glorious traditions in the National and working class movements I am sure will herald a new era for the employee's of Gillanders Arbuthnot co., also.

For us all it is of great pleasure that. Shri Prabhat Kar is present here as our chief guest and is inagurating the conference. We are deeply indebted to Shri Prabhat Kar for inagurating this session. Bank Employee's of India in particular might be proud of his day to day able guidance in their movement but his contributions in the Parliament and elsewhere in the country have inspired the working class to take steps for estabilishing socialism in the country and for International peace.

His able guidance at this critical juncture, when the Industrial Truce Resolution is violated by the Employers, when the prices are rising every day there by adversly affecting the real earnings, when in the name of emergency the employers are allowed to earn fabulous profits, working class movement is suppressed and its leaders are either externed or put behind the bars, when the Govt. is not willing to nationalize Banking, Oil Companies and Foreign trade, when in the name of socialism the wealth is concentrating in fewer hands and when a vast majority of the Indian population is living on 4 as. a day. when the continuance of the Emergency and Industrial Truce Resoluation have been questioned, when in city like Kanpur the people find it impossible to get even sugar and other necessities of life and when all the employers of Kanpur have refused to Implement Resoluation of Tripartite Body in respect of opening cheap grain shops and other consumption goods, will enlighten us in deciding our future tasks.

Friends and Comrades,

Emergency has been misused by the employers and Govt. It has been used for breaking the T. U. movement and supressing it, it has been used for bringing additional burden on the people by reactionary Taxation, artifical crisis and price rise. It has been and is being used to create and maintain war hysteria so that the prices may not come down in the near future. Reactionaries in India during this Emergency wish alignment with the west, wish to forego their sovereignty in Kashmir, wish to forego the present economic planning. Realising the love of the people for the socialism, in the garb of socialism they wish abolition of state sector Industries which have little chances of competing the private sector and want every concession for private sector.

P. T O.

Friends,

Recently realising all this the working class of India has taken a turn. Number of protests, strikes, demonstrations, Great petition, a crore signature and a two lac demonstration has opened the eyes of the Govt. and brought relief to the people but same is not substantial. Abolition of Compulsory Deposit Scheme and modification in Gold control order removal of sarvsri Morarji and S. K. Patil have created confidence in the working class to take further steps for new and additional vicotries which go to bring direct relief in the working class. For curbing the monopolies the working class continues demanding nationalisation of Banks, Oil Compenies and Import Export trade and this demands if fulfilled are expected to curb the monopoly on the one hand and will lighten the burden of taxation on the people.

The working class should immediately demand and fight for.

(1) Immediate linking of D. A. with Cost of Living Index.

(2) Increase in D. A. being paid to day.

(3) One month bonus on a National scale.

(4) Immediate establishment of cheap grain stores, stores for consumer goods for holding the price line.

To achieve all these a more united and a more broad based front is a necessity and to evolve a joint programme, Unions of all affiliations should be consulted.

This is the time when unity of the working class within its ranks and with the progressive and patriotic people was needed more than ever before to save the policies of non-alignment, peace and socialism, to fight the rising right recation and to save the common people from the burden of reactionery taxation.

I am sorry for having taken much of your time. Before concluding I once again welcome you all on behalf of the Reception Committee.

Jai Hind

Kanpur
Oct. 30, 1963.

Ghanshyam Saran Sinha
CHAIRMAN

Mukta Printers, Kanpur.

6035, Chippitola
Agra
Dated 28th Nov. 1963

A. I. T. U. C.
Received 6/12/63

My dear Srivastava,

The Hon'ble High Court of Allahabad declared our detention illegal on 6th Nov 1963, and therefore Sri B. P. Shukla, Kailash Chandra and myself were released.

On our arrival at Agra after our release I was informed that services of Sardar Mahendra Singh have been terminated on 24 hours notice without any reason. Sirdarjee told me that he had been to you and Sri S. M. Bannerjee in connection with his case. Sri Bannerjee promised that he would get an appeal written by some competent lawyer at Delhi and will represent his case to the President as his dismissal is on the order of the President of the Union Govt.

I did not write to you earlier as I came to know from the papers that you had been to Moscow along with Comrade Dange. Now please let me know what you have done in Sirdarjee's case. Whether his appeal has been prepared or not. If necessary I may come to you along with Sirdarjee. Please inform us when we should come to you in Delhi. It is very urgent to represent his case. He is wholly and solely depending on you and Sri S. M. Bannerjee.

If you are going to Bombay to participate in the A. I. T. U

Conference to be held at Bombay on 13, 14 - 15th Dec., when will you return from there, so that we may see you after your arrival at Delhi, and if possible before going to Bombay.

Please let me know immediately. With comradely greeting to you and other comrades.

Yours comradely

Keshavachandra Gupta

Reply
VKG 6/xii

पहला मोड़ First fold

IRON AND ENGINEERING WORKERS' UNION KANPUR

(Registered No. 1893)

Affiliated To :-
THE A. I. T. U. C.

131/358 (Hasanganj)
BEGAMPURWA

Ref. ....

KANPUR नवम्बर २, 1963

श्री मान् मैनेजर साहब,
दि इण्डियन रौलिंग मिल्स,
७६, फजल गंज, कानपुर ।

A. I. T. U. C.
Received 3953 5-11-63
Replied ....

महोदय,

हमें अफसोस के साथ लिखना पड़ रहा है कि आप की मिल के प्रबन्धकों का रवैया श्रमिकों तथा श्रम सम्बन्धी कानूनों के प्रति आम तौर से अनुचित व उलंघनीय रहता है। आप की मिल के प्रबन्धकों के उपरोक्त रवैये के कारण न सिर्फ श्रमिकों का अहित व उन्हें कष्ट होता है, वल्कि जाने माने कानूनों व उनकी धाराओं का भी उलंघन होता है। प्रबन्धकों के गलत रवैये की वजह से श्रमिकों में दिनों दिन असन्तोष बढ़ता जा रहा है। हम ने अपनी ओर से बार-बार आप की मिल के प्रबन्धकों को जवानी व लिखित रुप से समझाने की कोशिश की और हम ने यह भी कोशिश की कि आप की मिल के प्रबन्धक गलत रवैया छोड़ दें और कायदे तथा कानून के अनुसार कार्य किया करें तथा श्रमिकों के जायज अधिकार उन्हें दें, मगर आपकी मिल के प्रबन्धकों ने हमारी एक भी मुनासिव बात नहीं मानी और वे आम तौर से श्रमिकों के जायज अधिकार देने से इन्कार करते रहे रहे तथा श्रम कानूनों का उलंघन भी अब तक वन्द नहीं किया है। जान ऐसा पड़ता है कि आप की मिल के प्रबन्धक मुनासिव बातेंनमानने व गलत तौर से काम करने के आदी हो गये हैं।

हम ने यह भी देखा है कि जब कभी श्रमिक अपनी जायज मांगों के लिये आवाज उठाते हैं, तो आप की मिल के प्रबन्धक उनके खिलाफ मिल की कार्यवाही के अलावा पुलिस के जरिये भी विभिन्न प्रकार से केस चलवाने की भी कोशिश करते हैं। इस सिलसिले में हमें बताया गया है कि पहले भी कुछ केस श्रमिकों के खिलाफ चलवाये जा चुके हैं या चल रहे हैं, मगर हमें यह भी बताया गया कि उन केसों में श्रमिक ही आखीर में विजयी होते हैं।

इसलिए, हमने मजबूरन फैसला किया है कि अगर आपकी मिल के प्रबन्धकों ने हमारी (श्रमिकों की) निम्नलिखित मांगे न मानीं, तो हमारी ओर से एक श्रमिक तारीख ११-११-६३ से मिल गेट पर भूख हड़ताल आरम्भ कर देगा, जिसमें समय व हालत के अनुसार लोग बढ़ते रहेंगे तथा मांगे न पूरी होने तक भूख हड़ताल बराबर जारी रहेगी।

क्रमशः पेज नं०--- दो

7
8/
11.11.

RON AND ENGINEERING WORKERS' UNION KANPUR
(Registered No. 1893)

ffiliated To :-
E A. I. T. U. C.

131/358 (Hasanganj)
BEGAMPURWA

-: दो :-

KANPUR 196

मां गें

१:- एडजूडिकेशन केस नम्बर २०।६३ में हुए समझौते के अनुसार बोनस तारीख ७-१०-६३ तक श्रमिकों को मिल जाना चाहिए था, जो अब तक उन्हे नहीं दिया गया, वह तुरन्त दे दिया जाय।

२: गत दो वर्षों में मिल से निकाले गए सभी श्रमिक तुरन्त वापस पुरानी सर्विस से काम पर ले लिए जाएं और उन्हें बैठकी का पूरा पैसा भी दिया जाए।

३: दि इण्डियन रोलिंग मिल्स में काम करने वाले सभी श्रमिक, दि इण्डियन रोलिंग मिल्स के ही डायरेक्ट कर्मचारी पुरानी सर्विस से माने जाएं और इन्हें भी उनके कार्य के अनुसार वेतन तथा अन्य सहूलियतें दी जायें व हर प्रकार की ठेकेदारी प्रथा मिल से समाप्त की जाय।

४: मिल में अक्सर एक्सीडेन्ट होते रहते हैं इसलिए काम की हालत ठीक की जाय और मिल में दवा आदि का प्रयाप्त (फर्स्ट एड के लिए) प्रबन्ध किया जाय।

५: कोई भी श्रमिक एक जगह से दूसरी जगह व एक काम से दूसरे काम में बिना लिखित आज्ञा के ट्रान्सफर न किया जाय और जो आदमी जिस जगह पर काम कर रहा है उसी जगह पर उसका नाम लिखा जाय तथा वेतन वाउचर से न दे कर कुल पे-शीट से ही दिया जाय।

६: हर श्रमिक को साल में कम से कम पांच प्रतिशत वेतन में तरक्की अवश्य दी जाय।

७: रोलिंग सेक्सन व उससे सम्बन्धित गरम काम में लगे हुए हर श्रमिक को प्राडक्शन बोनस अवश्य दिया जाय और वर्तमान प्रोडक्शन बोनस में २५ प्रतिशत का इजाफा किया जाय तथा प्रोडक्शन बोनस वेतन के साथ ही दिया जाय।

८: बिना उचित कारण प्ले आफ न किया जाय, प्ले आफ में पहले पुराने आदमी वापस न किए जायें और प्ले आफ का मुआवजा वेतन के साथ ही दिया जाय।

९: जिन श्रमिकों को बीमा कार्ड अब तक नहीं दिया गया है, उन्हें तुरन्त दिया जाय।

१०: रोलिंग सेक्सन में घटाए गए श्रमिक तुरन्त पूरे किए जायें, क्यों कि इससे श्रमिकों पर काम का बोझ अधिक बढ़ गया है, अगर ऐसा न हो तो घटे हुए श्रमिकों के हिस्से का वेतन बकाया श्रमिकों में हिसाब से तकसीम कर दिया जाय।

११: टम्प्रेरी भर्ती के नाम से श्रमिकों के अधिकार न मारे जायें। खाली जगह पर काम करने वाले श्रमिकों को तुरन्त उसी जगह पर मुस्तकिल किया जाय और जिसका जो काम है वही उससे लिया जाय।

क्रमश: पेज नं०-- तीन

IRON AND ENGINEERING WORKERS' UNION KANPUR

(Registered No. 1893)

Affiliated To :-
THE A. I. T. U. C.

131/358 (Hasanganj)
BEGAMPURWA

Ref. ....

KANPUR 196

१२: सवेतन छुट्टी के पैसे में से जो प्रावीडेण्ट फण्ड काटा जाता है, उसका प्रमाण उसी सम्मय लिखित किया जाय।

१३: मिल में श्रमिकों के लिए रेस्ट हाऊस का प्रबन्ध तुरन्त किया जाय।

१४: पीने का पानी, मुंह हाथ धोने व नहाने धोने आदि के लिए पानी तथा जगह का प्रबन्ध किया जाय।

१५: रौलिंग सेक्सन में व गरम काम करने वाले हर श्रमिक को जूता खरीदने के लिए तीन रुपये की बजाय ६) रुपया दिया जाय, क्यों कि इस मंहगाई के जमाने में हर चीज के दाम बढ़ते चले जा रहे हैं और उस पुरानी रकम में काम करने योग्य अब जूता नहीं मिलता।

१६: रौलिंग सेक्सन में हवा के लिए पंखों का प्रबन्ध तुरन्त किया जाय।

१७: मिल में आम मजदूरों की राय से कम से कम सात आदमी की वर्क्स कमेटी चुनी जाय, जो श्रमिकों के हितों की रक्षा करे व उनके सवालों को प्रबन्धकों के समक्ष रक्खे। प्रबन्धक भी मिल के अन्दर उस कमेटी की सलाह से कार्य को चलायें और अगर किसी मामले में मत मतभेद पैदा हो जाय तो श्रमिकों द्वारा प्रस्तावित यूनियन का एक प्रतिनिधि, प्रबन्धकों का एक प्रतिनिधि और डिप्टी लेबर कमिश्नर, कानपुर रीजन, कानपुर के समक्ष मामला रक्ख दिया जाय, वे जो फैसला कर दें वह दोनों पक्षों के लिये मान्य होना चाहिये।

श्री मान् जी,

हमारी ओर से उपरोक्त कुछ मांगे, जो आपकी सेवा में प्रस्तुत की जा रही हैं, आशा है कि आप उन्हें तुरन्त स्वीकार कर हमारे कार्यालय में इसकी लिखित सूचना अविलम्ब भेज देंगें, ताकि भविष्य में कोई ऐसी बात न हो कि जिससे आपसी मतभेद और बढ़े।

हम उम्मीद करते हैं कि आप हमारी उपरोक्त बातों पर हमदर्दी व संजीदगी से विचार करने का कष्ट अवश्य करेंगें।

कष्ट के लिए अग्रिम धन्यवाद ।।

भवदीय,

(निजाम उद्दीन)
प्र० मन्त्री,
आयरन एण्ड इंजीनियरिंग वर्क्स यूनियन, कानपुर

प्रतिलिपियां प्रेषित कीं:-

१-श्रीमान् लेबर मिनिस्टर साहब,
उत्तर प्रदेश सरकार,
लखनऊ।

क्रमश: पेज नं०--चार

IRON AND ENGINEERING WORKERS' UNION KANPUR

(Registered No. 1893)

Affiliated To :-
THE A. I. T. U. C.

131/358 (Hasanganj)
BEGAMPURWA

Ref. ..... -: चार :- KANPUR 196

२- श्रीमान् जिलाधीश जी,
कानपुर ।

३- श्रीमान् सर्किल आफीसर साहब,(तृतीय) पुलिस,
नीरा वाद, कानपुर ।

४- श्रीमान् लेवर कमिश्नर साहब,
उत्तर प्रदेश, कानपुर ।

५- श्रीमान् डिप्टी लेवर कमिश्नर साहब,
कानपुर रीजन, कानपुर ।

६- श्रीमान् इन्सपेक्टर आफ़ फैक्ट्रीज़,
कानपुर रीजन, कानपुर ।

७- श्रीमान् मन्त्री जी,
आल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस,
रानी झाँसी रोड, नई दिल्ली ।

८- श्री मान् मन्त्री जी,
यू०पी० ट्रेड यूनियन कांग्रेस,
१२।१,ग्वालटोली, कानपुर ।

९- श्री एस० एम० वनर्जी, एम०पी०,
सिविल लाइन्स, कानपुर ।

१०- श्री यस० यस० यूसुफ एम०एल०ए०,
बाम्बा रोड, दर्शनपुरवा,
कानपुर ।

भवदीय,

(निज़ाम उद्दीन)

प्रधान मन्त्री,

आयरन एण्ड इंजीनियरिंग वर्कर्स यूनियन,कान

पूर्वी उत्तर प्रदेश मजदूर सम्मेलन वाराणसी

(३० नवम्बर व १ ली दिसम्बर १९६३)

डी० ३६/३ अगस्तकुंडा, वाराणसी।

फोन नं० ३१०७

दिनांक 20th November १९६3 . 1963

45387 27/11/63

Shri V.K.Krishna Menon M.P.
New Delhi.

Dear Sir,

The trade Unions of the Eastern U.P. have decided to hold a con[illegible]-ence of the workers of this region at Varanasi, on 30th November and 1st [illegible] 1963.

The object of this conference is to voice the difficulties that the working class is facing, due to mounting high prices, and to raise the demand about wage increase, bonus and minimum wages Etc.

You will be glad to know that trade unions belonging to various all India Central Organizations as well as independent unions have come-together to make this conference a success.

The organisers of the conference have decided to request you to kindly inaugrate this conference. We hope that you will accept our invitatio[illegible] and agree to inaugrate the conference and guide the conference in its deli-berations.

An early reply will be very much appreciated.

Thanking You.

Yours Sincerely,

Satya Narain Tiwari

Convenor, Prepatory Committee.

To
Secretary A.I.T.U.C.
5 Jhandewallan
Rani Jhansi Road
New Delhi 1

2

[illegible]

A. I. T. U. C.
Received 4057 12/11/63
Replied ....

Chai Bagan Mazdoor Union
Paltan Bazar,
Dehra Dun,
8/11/63

Dear Com.,

The Trade Union Record of 20 Oct. 63 has featured a newsbit that the Standing Orders Act has been amended in the monsoon sesion of the Lok Sabha, applying the model standing orders on those establishments where Standing Orders have not yet been certified. This, indeed, is an important step. We shall be obliged if you could send us the referencex etc. of the Government notification, which has published this amendment, because most of the Labour authprities as well as the employers, do not yet know of this amendment and refuse to accept our statement unless backed by authority.

With greetings

Fraternally,

[signature]

for General Secretary
CHAI BAGAN MAZDOOR UNION

P.S. Please inform us too as to when this amendment comes into force.

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

The General Sectetayy
All India Trade Union Congress,
Jhandewalan,
Rani Jhansi Road,
NEW DELHI.

22 Nov 63

Dear Com.Brijendra,

Your postcard of 8th Nov. As you know, an enactment becomes enforceable only after the measure gets the assent of the President and is published in the Gazette. But in this case, the particular amendment to the Standing Orders Act follows a tripartite agreement. As the "Statement of Objects and Reasons" for the amending Bill has stated "This proposal has the approval of the tripartite Standing Labour Committee". Therefore, it is morally binding on all employers and State Governments even before the amendment is legally enforceable.

With greetings,

Yours fraternally,

(K.G.Sriwastava)

Com.Brijendra,
Chai Bagan Mazdoor Union,
Paltan Bazar,
DEHRA DUN

पूर्वी उत्तर प्रदेश मजदूर सम्मेलन वाराणसी

(३० नवम्बर व १ ली दिसम्बर १९६३)

डी० ३६।३ अगस्तकुंडा, वाराणसी।

फोन नं० ३१०७

A. I. T. U. C.
Received ... 2nd Dec 63
Replied ...

दिनांक 23. 11. 1963. 23/11/1963

Dear Com K. G.

The preparatory Committee of Conferen had its meetings after I had a talk with you on phone. The Committee decided that it may be left upon you to fix ~~some~~ one for inaguration of the Conference. We may preffer any M. P. who has relation with T. U. ~~M~~ movement. I am trying to contact Com Ram Asare about your programme becaus we want you as we have got so other things to discuss with you. Any how I will request you to do the need ful and intimate us propftly.

Yours Comradly

Satya Narain Tiwari

I reply
Ves/ ...

23/24 Nov 1963

आगरा मजदूर (मँहगाई-बोनस) कान्फ्रेंस

शिवाजी मार्केट, शनिवार-रविवार २३-२४ नवम्बर

* मँहगाई के साथ-साथ मँहगाई भत्ता बढ़ाओ।
* मँहगाई भत्ते या वेतन में २५% की बढ़ोत्तरी करो।
* कम से कम ६५) मासिक या २॥) रोज मजदूरी दो।
* वर्ष में कम से कम १ महीने का बोनस दो।
* सब की नौकरी मुस्तकिल करो।
* ठेकेदारी प्रथा खत्म करो।
* मजदूर हितैषी कानूनों का सख्ती से पालन करो।

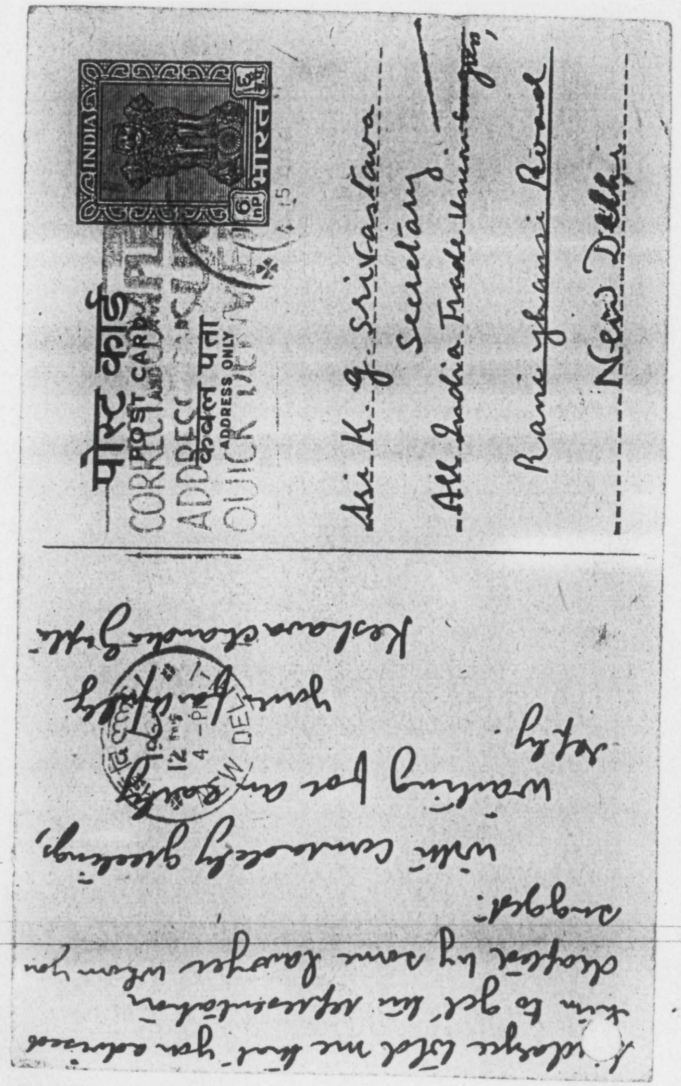

6035, Chiffilde Road
Agra
Dated 11-12-63

My dear Srivastava,

I posted you a letter on the 28th Nov. 1963, Regret to say that I have received no reply as yet.

The representation of Sardar Mahendra Singh is to be submitted to the President. He wants your help in this connection.

It is therefore necessary that you should let us know when you will be available in Delhi, so that Sardarjee may come to you, or I may visit Delhi for the purpose.

P.T.O.

U. P. Metal & Engineering Workers' Federation

President :
RAM ASREY
Gen. Secretary :
NIZAMUDDIN

27

Kanpur दिसम्बर २७, 196३

श्रीमान् श्रम मन्त्री जी,
उत्तर प्रदेश सरकार,
लखनऊ।

A. I. T. U. C.
Received 4807 30/12/63
Replied............

माननीय महोदय,

निवेदन है कि उत्तर प्रदेश में आयरन-स्टील तथा इंजीनियरिंग उद्योगों में लगे हुये श्रमिकों के वेतन का कोई स्केल निश्चित नहीं है। अब से दस वर्षों पहले कानपुर के कुछ श्रमिकों के लिये एक स्केल निश्चित हुआ था, मगर प्रदेश के और शहरों में वह भी नहीं हुआ था। गत दस वर्षों में हालत बहुत बदल गई है, मगर श्रमिकों के वेतन के सम्बन्ध में सरकार की ओर से कोई कदम अब तक नहीं उठाया गया। वेतन के मामले में हमारे प्रदेश में काफी अनारकी है।

यह कि जिन्दगी की जरूरियात की चीजों के दाम दिन दूने व रात चौगुने बढ़ते चले जा रहे हैं। श्रमिकों व आम जनता में त्राहि-त्राहि मची हुई है। सरकार चीजों के दाम बढ़ने से रोकने व शक्कर और अन्य जरूरी चीजों की चोर बाजारी रोकने तथा मुनाफा खोरों की मनमानी मुनाफा खोरी को रोकने में असफल रही है।

यह कि आल इण्डिया आयरन-स्टील का वेतन मण्डल भारत सरकार की ओर से नियुक्त किया गया, पर हमारे प्रदेश का एक भी शहर व कारखाना उसके कार्य क्षेत्र में नहीं आया, यह बड़े दुःख की बात है।

यह कि हमने एक मेमोरेन्डम आपको (श्रीमती सुचिता जी कृपलानी जो उस समय श्रम मन्त्री थीं को) ता० १७ मई, ६३ को भेजा, जिसमें हमने उ० प्र० में

U. P. Metal & Engineering Workers' Federation

President :
RAM ASREY

Gen. Secretary :
NIZAMUDDIN

Kanpur..................................196

आयरन-स्टील तथा इंजीनियरिंग उद्योग में लगे हुये श्रमिकों के वास्ते वेतन मण्डल के सवाल पर आपका ध्यान आकर्षित किया और यह भी प्रार्थना की थी कि हमें आप अपना कुछ बहुमूल्य समय देकर हमारी बात सुनने का कष्ट अवश्य करें। परन्तु हमें अभी तक आपके सामने अपनी बात तफसील में रखने का सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ।

यह कि उपरोक्त मेमोरन्डम को श्रम सचिव के हवाले कर दिया गया। काफी समय तक प्रतीक्षा करने के बाद हमने एक पत्र श्री मान् श्रम सचिव को भी ७-११-६३ को भेजा और उस पत्र द्वारा फिर हमने श्रम सचिव से भी प्रार्थना की थी कि हमें आप अपना बहुमूल्य समय देकर हमारी पूरी बात उक्त मामले पर सुन लें, पर अब तक कोई नतीजा नहीं निकला, उपरोक्त पत्र की कापी हमने श्री एस० एम० बनर्जी, एम०पी०,कानपुर को भी भेजी और उन्होंने पत्र की कापी को अपने एक पत्र के साथ ८-११-६३ को आपको भेजा, लेकिन दुःख के का विषय है कि इस पर भी आपने अब तक कोई ध्यान नहीं दिया।

यह कि हालत दिन पर दिन बिगड़ती ही चली जा रही है, क्यों कि उ०प्र० में आयरन,स्टील तथा इंजीनियरिंग उद्योगों में लगे हुये श्रमिकों को अन्य प्रदेश के मुकाबले में बहुत ही कम वेतन मिलता है, इनके वेतन का कोई स्केल निर्धारित नहीं है। हमारे प्रदेश में लोहे के कारखानों में यह आम तौर से हो रहा है कि ठेकेदारों के नाम से लोग मुलाजिम रक्खे जाते हैं और उन्हें सिर्फ १।) रुपया से लेकर १॥) रुपया तक ही रोजाना कुल मजदूरी दी जाती है और कारीगरों का काम लेना व कुली का वेतन देना यह बीमारी तो आम तौर से फैली हुई है। उ०प्र० में आयरन, स्टील तथा इंजीनियरिंग उद्योगों में या तो मंहगाई मिलती ही नहीं और जहां कहीं दी जाती है वह भी बराय नाम।

U. P. Metal & Engineering Workers' Federation

President :
RAM ASREY
Gen. Secretary :
NIZAMUDDIN

-: तीन :-

Kanpur..................................196

यह कि मुनाफा खोरों द्वारा अथाह लूट व कारखाना मालिकों द्वारा श्रमिकों का जबरदस्त शोषण तथा सरकार की श्रमिकों के प्रति लापरवाही की नीति के कारण आम श्रमिकों में बेचैनी बढ़ती ही जा रही है।

इसलिये, हम एक बार फिर आपसे अनुरोध करते हैं कि आप कृपा कर उ०प्र० में आयरन, स्टील तथा इंजीनियरिंग उद्योगों में लगे हुये श्रमिकों की आर्थिक, सामाजिक तथा उनके जीवन स्तर की ओर ध्यान अवश्य देकर वेतन सम्बन्धी समस्याओं को हल करने के लिये जरूरी कार्यवाही कीजिये और इस सम्बन्ध में आप, अपना बहुमूल्य समय हमें अधिकतम देकर, हमारी पूरी बात सुनने का कष्ट अवश्य करें।

कष्ट के लिये अग्रिम अनेक धन्यवाद।

भवदीय,

(निज़ाम उद्दीन) प्र० मन्त्री,
यू०पी० मेटल एण्ड इंजीनियरिंग वर्कर्स फेडरेशन,
१२१।४५८, (ऊपर) बेगमपुरवा, कानपुर।

प्रतिलिपियाँ प्रेषित कीं:-

१-श्रीमान् लेबर मिनिस्टर,
भारत सरकार, नई दिल्ली।
२-श्रीमान् श्रमायुक्त साहब, यू०पी०, कानपुर।
३-श्रीमान् मन्त्री जी, आल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस, नई दिल्ली।
४-श्रीमान् प्रधान मन्त्री, यू०पी०टी०यू०सी०, कानपुर।
५-श्री एस० एम० बनर्जी, एम० पी०, कानपुर।
६-श्री एस० एम० यूसुफ, एम०एल०ए०, कानपुर।

भवदीय,
Nizamuddin
(निज़ाम उद्दीन) प्र०मन्त्री

कैन्टूनमेन्ट लेबर यूनियन (रजिस्टर्ड नं० ~~१११६~~)

CANTONMENT LABOUR UNION
BAREILLY.

From!-
SATISH GOPAL GURHA
President
Cantt. Labour Union (formerly Cantt. Mehtar Union) Bareilly

Residence:-
121, Kanoongoyan
Bareilly.

सदर बाजार
बरेली 5/12/63

The Secretary.
A. I. T. U. C.
New Delhi

Dear Comrade,

I was in receipt of your letter no 4/51 of 4th July 63 requiring me to clear your dues.

I was surprised to find the name of my union in your records. The union had never applied for affiliation with AITUC and had no link with it organisationally. As a matter of fact we had no affiliation with U.P.T.U.C. even. Our representatives once in 1953 had participated in a U.P.T.U.C. conference at Kanpur and paid a delegate fee also [I do not know how it could happen] although our union never filled any application form of U.P.T.U.C. But those were old days; U.P.T.U.C. was no ~~better~~ more than a cell of Kanpur (CPI) D.C. The persons who paid delegate fee to U.P.T.U.C. in 1953 were Party secretary and a DCM. [none belonged to our union] and one member of our union. I had never a good opinion of U.P.TUC It was a paper organisation then and even now it is no better than that.

We used to call INTUC a bogus organisation and ~~in~~ in our efforts to beat it down we too became equally bogus

and paper organisation. Since we knew all this we always told the Govt. Inspector of T.U.'s (Central) to include our union in the A.I.T.U.C although we could show no affiliation certificate or receipt of AITUC when he demanded. Whenever there was cases of T.U. membership we managed to get 150 or so members added to the camp of AITUC. because politically we supported AITUC. So this has been the state of things all these years. Probably you will find that the only letter written by A.I.T.U.C office to our union during the period you claim your dues (1960–63) is yours of 4th July. As for the U.P.T.U.C. the less said the better. They have specialised in issuing statements and holding their annual conference. We too have a Dist. T.U. Federation which has neither any constitution, membership or executive or office or anything worth the name. Yet if any thing happens its President & Secy come out with a statement and even bring out leaflets. Thanks to the newspapers and publicity media it has become very easy to become a leader than a real mass worker.

So to return to my business I may tell you that I owe nothing

कैन्टूनमेन्ट लेबर यूनियन (रजिस्टर्ड नं० ११९६)

CANTONMENT LABOUR UNION
BAREILLY.

सदर बाजार
बरेली 5/11/63

to the A.I.T.U.C. Even in the movement for the demands of Cantt. Board employees with which I have been connected for the last 11 or 12 years the A.I.T.U.C. has done nothing. Strangely enough other organisations such as All India Cantt. Employees Association have been of greater help than A.I.T.U.C. You might have read in the "Patriot" that its leader Sri O.P. Bakshi of Ambala Cantt has recently been victimised and dismissed from service. I have written all this not just to criticise A.I.T.U.C but to tell you that great majority of workers have still remained outside the influence of A.I.T.U.C and unless you help build active mass T.U.s Com. Dange's prestige & name will not take A.I.T.U.C very far.

We have changed the name of our union from Mehtar Union to Labour Union to enable all type of employees to become its members. Employees of Cantt. Boards and especially its sweepers have a lot of grievances. Their pay (Rs 22/- → 32/- p.m.) is too low. Even the Govt. is practising casteism

by denying the sweepers a basic pay of Rs 30/- which is allowed in every dept. and industry. They have to work for full 8 hours under the rules of Defence ministry. They get 14 half-days as holidays according to U.P. State Govt. rules and in some ways they are guided by local municipal boards also. ~~They~~ Their service conditions are not guided by one authority to whom they can make representations. This is a big anomoly against which they want to fight.

The sweepers are the most exploited class among Cantt. Board employees. They do not get all the holidays that are allowed to other employees of Cantt. Boards. Even on all holidays they have to work for half day in the morning. In lieu of this they do not get any extra payment or leave. This great discrimination is practised against the sweepers while the Govt. professes to remove the untouchability.

We have been looking for some one who could take up these grievances ~~of~~ with State or Union authorities (Defence ministry). I wrote a letter to Com. Ram Asrey about it. He got my letter but did not even acknowledge it. We can have formal affiliation with A.I.T.U.C. & pay its fees etc. provided it can be of some help to us.

We are going to hold a public meeting in support of our union's demands. It will be held in Cantt area. Can Com. S.M. Banerji M.P. or anybody of the A.I.T.U.C. come here to address our meeting? We can bear his expenses also (railways & Bareilly Cantt.) and found I have recently met some of them.

May I expect an early reply.

Fraternally
Greetings. Yours
Satish Gupta
Bareilly

I had fixed the meeting but I shall postpone it for 15th Dec.

S.S.

J. K. RAYON WORKERS' UNION,

Registration No. 2229
(*Affiliated to* A. I. T. U. C.)

G. P. 187/180 Ram Rai Ki Sarai
JAJMAU, KANPUR.

Ref. No. ________ *Dated* 31.12.63

21/12/1963

A. I. T. U. C.
Received 4837 2/1/64

श्रीमान् केन्द्रीय गृह एवं श्रम मंत्री जी
भारत सरकार, न्यू दिल्ली।

सेवा में,

आज दि० २८-१२-६३ को आपका एक भाषण समाचार पत्रों में पढ़ा जिसमें समस्त विवादों को शान्ति मय ढंग से तय कराने का आदेश दिया है, उसका हम लोग हृदय से स्वागत करते हैं। आशा है कि आप हमारी मदद करेंगे। आज लगभग दो वर्षों से हम शान्तिमय ढंग से अपनी मांगों को मांगते आ रहे हैं परन्तु दुर्भाग्य है कि हमारे प्रबन्धक चुप्पी साधे हुए हैं। तथा गैर कानुनी ढंग से मजदूरों को परेशान करते हैं, जिससे मजदूरों मे असन्तोष बढ़ता चला आ रहा है। अपनी मांगों के विषय में हमने तीन नोटिसें जारी की हैं। प्रथम दो नोटिसों में केवल मांगों को मांगा है। तीसरी नोटिस में सीधी कार्यवाही करने का भी जिक्र है। जिसकी प्रतिलिपियां निम्न लोगों के पास भेजी हैं।

१- प्रधान मंत्री:भारत: २- मुख्य मंत्री :उत्तर प्रदेश: ३- श्रम मंत्री :उत्तर प्रदेश:
४- श्रम कमिश्नर :युपी० कानपुर: ५- डायरेक्टर :जे० के० रेयान:

परन्तु फिर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप हमारी मांगों को जो कि न्यायोचित हैं। पूरा कराने की कृपा करें। ताकि हम मजदूरों का बढ़ता हुआ असन्तोष कम हो। हमें भी अपने देश पर आये संकट का पूरा ध्यान है। जिसके लिये हम आपको जे० के० रेयान वर्क्स युनियन की तरफ से विश्वास दिलाते हैं कि हमें जो भी कार्य सौंपा जायेगा करेंगे - चाहे ● जो भी कुर्बानी

--- २

J. K. RAYON WORKERS' UNION,

Registration No. 2229
(*Affiliated to* A. I. T. U. C.)

G. P. 187/180 Ram Rai Ki Sarai
JAJMAU, KANPUR.

Ref. No. .... ::२:: *Dated* ....

क्यों न करना पड़े ।

<u>हमारी निम्नलिखित मांगे हैं</u>

१- बोनस १९६१ व १९६२
२- प्रोडक्शन बोनस
३- कोनर एलाउन्स
४- मंहगाई भत्ता
५- स्थायत्व

हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इसकी जांच करा कर हमारी न्यायोचित मांगें । को दिलाने की कृपा करेंगे ।

।।जयहिन्द।।

<u>प्रतिलिपि प्रेषित :-</u>

१- गृह एवं श्रम मंत्री
२- प्रधान मंत्री
३- राष्ट्रपति
४- प्रतिरक्षा मंत्री
५- मुख्य मंत्री यू०पी०
६- श्रम मंत्री यू० पी०
७- राज्यपाल यू०पी०
८- जिलाधीश, कानपुर
९- लेबर कमिश्नर - यू०पी० कानपुर
१०- डायरेक्टर जे०के० रेयान
११- मंत्री आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस

भवदीय-
[signature] 30.XII.63
सेक्रेटरी
जे० के० रेयन वर्कर्स यूनियन, कानपुर

ENGRAVERS UNION.

MORADABAD, (U. P.)

انگریورس یونین مراد آباد

*Ref. No.*________ *Dated*

A. I. T. U. C.
Received 5348 16/1/64
Replied.........................

सेवा मे,

श्रीमान बेनी प्रसाद साहब,

प्रेसीडेन्ट ब्रासवेयर मैनुफैक्चररस् एसोसियेशन, मुरादाबाद ।

श्रीमान जी,

आप जानते ही है कि आज जरूरियात जिंदगी की इस्तेमाल मे आने वालि अशियाये मे पिछले आठ दस साल से लगातार इजाफा हो रहा है और इसी लिये सरकार ही नहीं बल्कि सब ही सनतो मे मंहगाई एलाउन्स और तनख्वाहो मे इजाफा हुआ है, लेकिन बदकिस्मती से स्याह कलम एन्ग्रेवरस् का काम करने वाले मजदूरो की मजदूरियो मे न सिर्फ कोई इजाफा ही नहीं हुआ बल्कि कोई मंहगाई एलाउन्स भी नहीं मिला । इसके बरखिलाफ स्याह कलम एन्ग्रेवरस् के मजदूरो, एन्ग्रेवरस् यूनियन की छपी हुई फहरिस्त के मुताबिक मजदूरियां हासिल करने के लिये जद्दोजहद करते रहे । जब कि आपकी एसोसियेशन ने और उसके मेम्बरान ने बहुत सी मर्तबा इस फहरिस्त को तसलीम किया है और उसके मुताबिक मजदूरियां दी भी गई है लेकिन यह सिलसि हमेशा कायम नहीं रह सका । बहरहाल पिछले कुछ अरसे से यकीनन हमे फहरिस्त के मुताबिक ही मजदूरियां मिल रही है लेकिन आप गौर फरमाइये कि यह बात कहां तक इंसाफ के काबिल है कि आज जब कि १९४७ के मुकाबिले मे कई गुना कीमते बढ़ गई है । किस तरह १९४७ ई० की मजदूरियां लेकर हम अपना और अपने बच्चो का पे भर सकते है और जब कि खास तौर पर यह बात भी काबिले जिक्र है कि हमारी सन दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की ही नहीं कर रही है बल्कि काफी मुनाफा भी दे रह है । ऐसी हालत मे हम आपके सामने अपनी साबिका फहरिस्त मजदूरी पर २५ फीसदी इजाफे के साथ नई फहरिस्त मजदूरी पेश कर रहे है, हमे उम्मीद है कि जनाबवाला व एसोसियेशन इंसाफ के तकाजो को पूरा करते हुये हमारी इस जायज मांग को मंजूर फरमा कर हमे फौरन मुत्तला फरमायेगे । आपके गौर करने और जवाबात के लिये हम काफी तौर पर एक माह का वक्त यानी १५ फरवरी, १९६४ ई० मुकर्रिर कर रहे है हम यह भी वाजे कर देना जरूरी समझते है कि अगर एक माह मे हमारी इस जायज मांग को तसलीम नहीं किया गया तो हम मजबूरन बाद गुजरने १५ फरवरी, १९६४ ई

किसी भी दिन एक हफ्ते के अन्दर अन्दर हड़ताल कर देंगे । इस तरह हड़ताल के दौरान में होने वाले जुम्ला नुकसानात की जिम्मेदारी आपकी होगी ।

प्रार्थी

ता० १५.१.६४ ई०

एम्ब्रोवर्स यूनियन, मुरादाबाद ।

प्रतिलिपि:

१) श्री गुलजारीलाल नंदा लेबर मिनिस्टर सेन्ट्रल गर्व० नई देहली ।

२) श्री मन्नुभाई शाह मिनिस्टर आफ एक्सपोर्ट इम्पोर्ट सेन्ट्रल गर्व० नईदेहली ।

३) डायरेक्टर आफ सेन्ट्रल हेन्डीक्राफ्ट बोर्ड नई देहली ।

४) श्री बनारसी दास लेबर मिनिस्टर उ० प्र० लखनऊ ।

५) श्री सुचेता कृपलानी चीफ मिनिस्टर उ० प्र० लखनऊ ।

६) इन्डस्ट्रीज मिनिस्टर उ० प्र० लखनऊ ।

७) डायरेक्टर आफ इन्डस्ट्रीज उ० प्र० कानपुर ।

८) श्रीमान लेबर कमिश्नर उ० प्र० कानपुर ।

९) असि० लेबर कमिश्नर बरेली ।

१०) असि० रीजनल कन्सीलिएशन आफिसर कमर मंजिल मुरादाबाद ~~स्टेट~~ रोड रामपुर

११) डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट मुरादाबाद ।

१२) लेबर इंस्पेक्टर मुरादाबाद

१३) यू० पी० ट्रेड यूनियन कांग्रेस ग्वालटोली कानपुर ।

१४) आल इंडिया ट्रेड यूनियन्स कांग्रेस झंडेवाला नई देहली ।

جنرل سکریٹری
انگریورس یونین مرادآباد

१० / 92 / २८/१/६४

28/1/1964

बोनस की देरी क्यूँ

— ४ —

श्री मंत्री जी

[illegible] ट्रेड यूनियन [illegible]

गंज बासोदा,

१-८-६३ [illegible] मिल गंज बासोदा सन् १९६०, ६१, दोनों ही वर्षों के बोनस की वाजिब मांग पर अभी तक ध्यान न दिया जाकर फैसला प्रकाशित नहीं किया है, मालिक मील ने १९६२ में यह मानते हुवे, आश्वासन दिया था, कि दोनों ही वर्षों का बोनस १९६२ माह अक्टूबर में पेमेन्ट कर दिया जावेगा, किन्तु ऐसा न करते हुवे, उसके विपरीत में उल्टा किया कि पार्टनरों को ६०, ६१ का मुनाफा पेमेन्ट कर दिया, तथा मालिक मील हर समय ही यह चर्चा करते हैं, कि मील को घाटा रहा है किन्तु ऐसा गलत है, इन पिछले वर्षों में मालों में ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ था, और ना मील का पेशा आता रहा, ऐसा आदी है, उसके विपरीत मालिक मील ने सन् १९६१ में लगभग बंदी करके चार मजदूरों का काम एक ही मजदूर से लिया जो कि मालिक की मनमानी रही है। तथा गरीब कार्मिक जिन्होंने अपने गाढे पसीने की मेहनत से मील का मुनाफा कराया, उन्हें बोनस अभी तक नहीं दिया गया है।

२ बोनस का फैसला शीघ्र हो। — मजदूर तथा कार्मिकों ने बोनस की मांग तथा अन्य और भी ११ मांगों इस तरह १२ मांगों कन्सिलेशन ऑफिसर भोपाल के रिकार्ड में हैं। जो कि हाल में ही उस कार्यालय द्वारा मंजूर जा चुकी हैं। किन्तु मील मालिक एवं मैनेजर की अन्य शरारतों के कारण बोनस में हेर-फेर किया जा रहा है, अतएव शासन एवं मील मालिक शीघ्र ही कुल मांगों पर अपना निर्णय प्रकाशित करा कर बोनस पेमेन्ट करावें, मैं उस कार्यालय की ओर से आशा रखते हुवे निवेदन करता हूँ, कि दिनांक ४ २/६४ तक अन्दर म्याद ही होने तक बोनस पेमेन्ट कर दिया जावे, यदि अन्दर म्याद बोनस पेमेन्ट न किया गया, तो बाद गुजरने म्याद सभा के प्रेसीडेन्ट अथवा उनकी पत्नी को मील गेट पर अनशन ~~[illegible]~~ करना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी व जवाबदारी शासन एवं मील मालिक पर होगी, मुताबिक नियम २४, ५ [illegible] शान्त भूख हड़ताल भी रखी जावे।

धन्यवाद!

१ श्री ऑफिसर [illegible]
कन्सिलेशन भोपाल

२ " [illegible]
भोपाल P. T.

[illegible]
२८-१-६४

[illegible] मिल्स [illegible]
[illegible] बासोदा

3 श्री जिलाधीश महो०
इन्दौर,

4 " सुपरिटेंडेंट ऑफ
पुलिस इन्दौर

5 " रजिस्ट्रार ऑफ ट्रेड यूनियन्स
इन्दौर

6 " मं० म०प्र० [illegible] कांग्रेस
इन्दौर

7 " [illegible]
आर्गनाइजेशन ऑफ ट्रेड यूनियन्स
रानी झांसी रोड नई दिल्ली – 1

8 " डिप्टी लेबर कमिश्नर
[illegible] इन्दौर,

9 " श्री प्रधानमंत्री ट्रेड यूनियन
[illegible] मध्यप्रदेश भोपाल

नं. 6ख सुचेतापुरी, मोदीनगर।
ता. 28.1.64.

5615 — 31/1/64.

आदर्णीय का० K.G. नमस्ते।

उम्मीद है आप की सेहत सलामत होगी। वैसे आप मुझे नहीं जानते पर आदर्णीय का सतीश लुम्बा और ~~का.~~ सम्माननीय का. डाँगे से मेरे इस पत्र पर विचार करेंगे तो वह आप को बतलावेंगे। निवेदन है कि मैंने मे० पार्टी के गढ़ मुक्तेश्वर, त० हापुड़ के क्षेत्र में काम किया था। मैं T.B. से पीड़ित था चुनांनचह रीलैप्स हो गई। फिर मैंने सेनेटोरियम में चिकित्सा कराई। मैं ठीक हो गया। इस बीच में स्वस्थ था गाजियाबाद के का० जगत प्रकाश जी का. रामआसरे के साथ सम्माननीय का. डांगे के पास उत्तर० गेट मार्च के सिलसिले में रिपोर्टिंग देने गये। ~~का. डांगे~~ सम्माननीय का. डाँगे ने कहा मोदीनगर के सिलसिले में क्या हो रहा है। का. जगत प्रकाश जी ने मुझ से कहा कि तुम मोदीनगर में काम जमावो। इस से पहिले ~~का. डाँगे~~ सम्माननीय का. डांगे जब भी मोदीनगर हो कर गुजरे, उन्होंने कहा मोदी नगर में A.I.T.U.C का काम न होने ~~के~~ कारण, मोदी की चिमनियों से मेरा दम घुटने लगता है और कहा कि यहाँ के होलटाइमर के लिए हम व्यवस्था करेंगे। ऐसे का. जगत प्रकाश जी के कहने पर काम प्रारम्भ यहाँ के छोटे छोटे कारखानों में गाजियाबाद आयरन एण्ड स्टीलवर्क्स एसोसियेशन के नाम से प्रारम्भ किया गया जो कि काम अभी प्रारम्भिक दिनों में है। मोदीनगर में काम प्रारम्भ होने से पूर्व मैं का. बी. डी. जोशी से मिला था जो कि मोदीनगर के टैक्सटाइल मजदूरों में बड़े ही लोकप्रिय हैं और आदर्णीय सतीश लुम्बा जी से भी मिला था।

फिर एक मीटिंग ~~का~~ नैनीताल जिले में सम्माननीय
का. डांगे जी के निवासस्थान पर, उन्हीं की आज्ञा से बुलवाई
गई थी जिसमें का. आसरे का. शुक्ला का. बी.डी. जोशी
व मोदीनगर के मज़दूर तथा मैं थे। अन्त में मीटिंग
किसी परिणाम पर नहीं पहुँची क्यूँ कि सम्माननीय का.
डांगे बहुत बिज़ी थे का. शुक्ला क्यूँ कि उन दिनों
महामान्य का. A.K.G का कमेटी सम्बन्धी प्रश्नों
पर National council की बैठक हो रही थी।
का. बी.डी. जोशी ने कहा था, गर A.I.T.U.C. मेरी
ड्यूटी मोदीनगर लगावे तो मैं मोदीनगर का काम
सम्भाल लूँगा और हफ्ते में दो दिन तथा ज़रूरत पर
मोदीनगर में रहूँगा। ~~यही~~ ~~U.P. Party~~ मुझ से कहे
तो भी मैं मोदीनगर का सुपरविज़न अपने हाथ में
ले लूँगा। चुनांचह, मैंने का. शुक्ला से का. बी.डी.
को एक पत्र लिखवा दिया और का. बी.डी. ने काम
जोड़ने के लिए कहा। का. बी.डी. की इच्छा पर एक
मीटिंग रखी वह नहीं आये लोग बड़े निराश हुए। मैंने
का. बी.डी. जोशी से कहा क्या साहिब बिसमिल्ला ही
ग़लत हो गयी। इस पर फरमाया का. राम आसरे ने आने
और साथ चलने का वायदा कर लिया था, इस कारण मैं न
आ सका। मैंने यहाँ पर छोटे छोटे कारखानों में काम
प्रारम्भ कर दिया है। मैं फिर का. बी.डी. जोशी के
पास गया, उन्होंने कहा मैं 12.1.64 को आऊँगा

और उस दिन जलसा रखा । फिर मैं A.I.T.U.C. के
दफ्तर गया और आदरणीय का. सतीश लूम्बा जी से मिला
और 12.1.64 को आने का वचन दिया । इश्तिहार
छपे लाउडस्पीकर पर प्रचार किया गया । मीटिंग
में हजारों लोग आये फिर शाम को कोई नहीं आये
लोग बड़े निराश हुए । मैंने भाषण दिया और लोगों
से कहा दिल्ली में बहुत जरूरी काम होने के कारण
नहीं आये टैलीफून पर अभी अभी इत्तला आई है ।
दूसरे दिन मोदी के प्रचार विभाग ने मजदूरों में
अफवाह फैलाई कि आदरणीय का. सतीश लूम्बा
और का. पी.सी. जोशी को मोदी ने पचास पचास
हजार रुपये भेज कर आना रोक दिया । बड़ा
धर्म संकट का सामना । कल 26.1.64 व 27.1.64
को का. पी.सी. से मिला उन्होंने कहा मैं का. राम आसरे
के इन्तजार में था, वह नहीं आये तो मैं नहीं आया ।
उन्होंने कहा कि मोदीनगर के सिलसिले में का. आसरे
को लिखूँगा और मिलेंगे तो बातचीत करूँगा । का.
जोशी कहते हैं मुझे पूरी जिम्मेदारी पर मोदीनगर का काम
दिया जाय फिर मैं Trade union की तरह तैयार
करूँगा । पर काम तो प्रारम्भ हो चुका है और
मोदीनग[illegible] में पता चल गया है अब कम्युनिस्ट
आगये हैं । कम्युनिस्ट और A.I.T.U.C. में मजदूरों

भी बड़ा मुद्दा है और मजदूर कहते हैं कि मोदी के जेल जाने से यहाँ पार्टियाँ आजाद हो जावेंगी।

का. जोशी का विचार है कि का. बन्तासिंह जी को मोदीनगर में रख दिया जावे। का. बन्तासिंह जी मोदीनगर में ~~बड़े मशहूर हैं~~ टैक्सटाइल मजदूरों में ~~यानि~~ ~~बड़े~~ लोकप्रिय हैं। उम्मीद है का. बन्तासिंह जी यहाँ के लिए राजी भी होंगे। मोदीनगर की हालत बड़ी ही खराब है, यहाँ मोदी का पूरा राज है - कोई जिम्मेदार और ~~मश~~ मशहूर नेता को काम चलाना बड़ा कठिन काम ~~ही नहीं~~ है। ~~चुनांच~~ मोदी हर हथकंडे इस्तैमाल करेगा। और योजना बनाने में अभी से लग गया है कि यहाँ पर कम्युनिस्टों का काम न हो। चुनांचह आप जो प्रार्थना है कि जल्दी से जल्दी यू.पी. के नेतागण आप व का. पी.सी. जोशी व का. बन्तासिंह जी के साथ मिल बैठ कर मोदीनगर पर विचार कर एक पालिसी तय करें और पालिसी के तहत प्रोग्राम पर अमल किया जाय। ~~और~~ उम्मीद है का. सतीश लूम्बा पंजाब से आगये होंगे, उन्हें मेरा नमस्ते कहियेगा।

पर मुझे पूरा विश्वास है श्री का. बी.डी. जोशी और का. बन्नागिरि की मोदीनगर के ट्रेड यूनियन तहरीक में इनका नेतृत्व सफल होगा। यह यहाँ के मजदूरों में बहुत ही लोकप्रिय हैं। आप (AITUC) से प्रार्थना है कि इन दोनों के जिम्मे मोदीनगर को यू.पी. के नेता गणों की तरफ से सुपुर्द कर दें। ~~[illegible]~~ यही मेरी अन्त में प्रार्थना है।

आप का सेवक

हरिशंकर शर्मा

नोट — पत्र का उत्तर का शीघ्र दीजे।

Address

Harishanker Sharma
c/o Comrade Gopal
60Kh (६०ख) Suchitrapuri
Modinagar
U.P.

अन्डर पोस्टल सार्टीफिकेट

16/1/1964

कानपुर। जनवरी १६,१९६४ ई०।

श्री मान् मन्त्री जी,

~~आल इन्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस,~~
~~रानी झांसी रोड, नई दिल्ली।~~

A. I. T. U. C.
Received 5423 18/1/64
Replied

प्रिय साथी,

जैसा कि पिछले सरकुलर द्वारा आपको सलाह दी गई थी कि हैदराबाद में होने वाली आल इण्डिया मेटल एण्ड इंजीनियरिंग कान्फ्रेन्स में आपकी यूनियन से प्रतिनिधि अवश्य जाना चाहिये। हैदराबाद में कान्फ्रेन्स तारीख १ व २ फरवरी, १९६४ को हो रही है, जिसमें १०० सदस्य तक वाली यूनियन का एक डैलीगेट ~~जिसका रु० न दर्शक~~ हो सकेगा और एक दर्शक भी हो सकेगा। डैलीगेट की २)रु० व दर्शक की १)रु० फीस होगी। बम्बई कान्फ्रेन्स के बाद यह कान्फ्रेन्स बहुत ही महत्व रखती है और उसमें महत्व पूर्ण फैसले भी होगें।

आशा है कि आपकी यूनियन की ओर से बम्बई कान्फ्रेन्स के फैसलों के आधार पर काम हो रहा होगा और आपकी यूनियन से हैदराबाद की कान्फ्रेन्स में प्रतिनिधि अवश्य पहुंचेगें।

फैडरेशन की ओर ~~कम~~ से ता० ७-१-६४ को एक प्रतिनिधि मण्डल श्री बी०पी० जोशी, श्रमि सचिव, यू०पी०सरकार से लखनऊ में मिला और उन्हें एक मेमोरन्डम दिया, जिसमें इस बात की मांग की गई कि यू०पी०में आयरन स्टील तथा इंजीनियरिंग उद्योग में लगे हुये श्रमिकों के वास्ते वेजु वोर्ड तुरन्त किया जाय। श्रम सचिव ने जवाब दिया कि अगर केन्द्रीय सरकार यू०पी० को वेजु वोर्ड में नहीं शामिल करेगी तो हम यू०पी० के लिये अलग ~~स~~ वेजु वोर्ड दे देगें।

साथियों, जरुरत और जोर लगाने की है।

आपका साथी,
Nizamuddin
(निज़ाम उद्दीन)प्र० मन्त्री,
यू०पी०मेटल एण्ड इंजीनियरिंग वर्कर्स फैडरेशन,
१३१।३५८, रसनगंज-बेगमपुरवा, कानपुर -११

Com. K.G.S.,

we received the circular Nos. 1, 2 & 3, but you have written in the circular No. 2, In U.P., A Textile conference is being held in Kanpur on 18-19 Jan. 64. This is incorrect, because that is not the conference of Textile only. The conference is for all Trade, which was being held on said date, but it is postponed for 8-9 Feb. 64.

Please tell me one thing that is there any announcement or decision by the central Govt. that the states Govts. are free to set up wage board or committee for Iron-steel or Engg. workers, those are not covered by the Iron-steel wage board of India. If so, what is the announcement or decision and when it has taken place? If not, then how the other states are fixing the wages for Iron-steel & Engg. workers?

yours
[illegible]uddin

U.C.P.

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

POSTAGE 10 nP INDIA

Com. K.G. Srivastava,
Secretary,
All India Trade Union Congress,
Rani Jhansi Road,
New Delhi

First fold

पहला मोड़

तीसरा मोड़ Third fold

दूसरा मोड़ Second fold

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

NIZAMUDDIN.
131/358, Hasanganj,
Kanpur - 11

इस पत्र के अन्दर कुछ [illegible] NO ENCLOSURES ALLOWED

TEXTILE MAZDOOR UNION,
84, Paltan Bazar,
Dehra Dun,
25/1/64.

5608 31/1/64

Com. Secretary,
AITUC, New Delhi.

Subject : Verification of Union's membership.

Dear Com.,

Mr. N.C. Nautiyal, Conciliation Officer (CENTRAL), completed the verification of the membership of our Union yesterday. He was very appreciative of the records of our Union. We believe the enquiry went well.

However, Mr. Nautiyal has cancelled 50 of the members shown by us. We asked from him the reason therefor and he informed us that he had done so in accordance with the rules of verification laid down by the Labour Conference. The rule in this respect, he says is that only those members shall be taken into account who have paid at least three months subscription during the second half of the year in question. And so all members enrolled by us in February and March 63 have been cancelled by him, because they have been members only for one or two months.

We are sending you this information, because we think that this cancellation is not justified. The Constitution of our Union provides for a monthly subsription and any one who pays the required admission fee and the membership subsc. for the month in which he becomes a member is a bona fide member. So it is not understandable why all the 50 members who became members in February or March 63 should not be taken into account.

If it is possible, please get these 50 members also included in the membership verification and let us know of the same.

With greetings,

Yours fraternally

(Mela Ram),
Secretary.

3 Feb 64

Secretary,
Textile Mazdoor Union,
Dehra Dun

Dear Comrade,

Thank you for your letter of 25th Jan.

The verification of membership is being carried on as per the 'stupulated principle' that membership is to be counted on the basis of three-months' subscription during the concluding six months of the year. This had been explained to the State TUCs and unions in connection with the previous verification itself.

With greetings,

Yours fraternally,

(K.G.Sriwastava)
Secretary

मंहगाई-विरोधी संघर्ष-समिति
लखनऊ

३ फरवरी, १९६४

3/2/1964

उत्तर प्रदेश में स्थित
ट्रेड यूनियनों के नाम पत्र
मंगाई-विरोधी राज्य सम्मेलन के सम्बन्ध में

श्री .....

प्रिय मित्र,

मंहगाई-विरोधी संघर्ष-समिति ने २२, २३ फरवरी को लखनऊ में मंहगाई-विरोधी राज्य-सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया है। आप से अनुरोध है कि अपनी यूनियन के प्रतिनिधि भेज कर सम्मेलन में सम्मिलित हों और मूल्य-वृद्धि तथा उसके फलस्वरूप वास्तविक वेतन में कटौती के खिलाफ़ मज़दूर वर्ग का व्यापक एका क़ायम करने में योगदान करें।

लखनऊ की स्थानीय ट्रेड यूनियनों ने मूल्य-वृद्धि और वास्तविक वेतन में कटौती के खिलाफ़ आन्दोलन संगठित करने के लिये मंहगाई-विरोधी संघर्ष-समिति का निर्माण किया। इसमें यू० पी० बैंक एम्प्लाइज़ यूनियन लखनऊ, लखनऊ डिवीज़न इन्श्योरेन्स एम्प्लाइज़ ऐसोशिएशन, इंजीनियरिंग वर्कर्स यूनियन, यू. पी. वाटर वर्क्स एम्प्लाइज़ यूनियन, यू. पी. बिजली कर्मचारी संघ, टेक्स्टाइल वर्कर्स यूनियन, लखनऊ मज़दूर सभा, यू. पी. केमिकल एम्प्लाइज़ यूनियन, आरा मशीन दूर यूनियन, यू. पी. प्रेस वर्कर्स यूनियन, रिज़र्व बैंक आफ़ इंडिया 'डी' क्लास एम्प्लाइज़ यूनियन, हास्पिटल एम्प्लाइज़ यूनियन, बाटा एम्प्लाइज़ यूनियन, मोटर मज़दूर यूनियन, महात्मा गांधी ऐण्ड ऐसोशिएटेड हास्पिटल कर्मचारी संघ और रिज़र्व बैंक आफ़ इण्डिया एम्प्लाइज़ ऐसोशिएशन सम्मिलित हैं और हमारा प्रयास है कि अन्य स्थानीय ट्रेड यूनियनों का भी सहयोग शीघ्रातिशीघ्र हासिल किया जाये।

संघर्ष-समिति ने गत १३ जनवरी को लखनऊ डिवीज़न के कमिश्नर के निवास स्थान पर ट्रेड यूनियनों का संयुक्त प्रदर्शन किया और मांग-पत्र दिया।

गत ~~फ़रवरी~~ में मूल्य-वृद्धि तथा वास्तविक वेतन में कटौती के खिलाफ़ राज्य में अनेकों प्रदर्शन हुये हैं जिनमें मांग की गई है कि अनाज तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की क़ीमतें कम की जायें, मंहगाई-भत्ता उपभोक्ता मूल्य निर्देशांक से जोड़ा जाये, बनावटी और ग़लत निर्देशांक सुधारे जायें, फ़ौरी सहायता के रूपमें निजी तथा राजकीय क्षेत्रके कर्मचारियों

P. T. O.

के वेतन में २५ प्रतिशत वृद्धि की जाये, एक माह का वेतन निम्नतम बोनस के रूप में दिया जाये, जिन प्रतिष्ठानों में १०० आदमी काम करते हैं, वहां सस्ती दूकानें खोली जायें, बैंकों, जनरल इन्श्योरेन्स, विदेशी व्यापार तथा तेल और चीनी उद्योगों का राष्ट्रीकरण किया जाये।

प्रदर्शनों के अतिरिक्त वाराणसी, आगरा और मेरठ में ट्रेड यूनियनों के सफल क्षेत्रीय सम्मेलन हुये हैं। कानपुर में फरवरी के प्रथम सप्ताह में एक सम्मेलन होने जा रहा है।

मंहगाई के भार से मेहनतकश जनता परेशान है। फसल के मौके पर १३-१४ रुपये मन खरीदा हुआ गेहूं इस समय २७-२८ रुपये मन बेचा जा रहा है। गल्ले के इजारेदार व्यापारी, जिन्हें बैंकों का समर्थन हासिल है, इस प्रकार किसान और उपभोक्ता दोनों को लूट रहे हैं। इस दोहरी लूट के खिलाफ मेहनतकश जनता ने मोर्चा जमाया है और अपने हितों की रक्षा के साथ ही किसानों के हितों की रक्षा के लिए मांग की है कि उसकी उपज का निम्नतम मूल्य निश्चित किया जाये और किसानों की आवश्यकता की वस्तुएँ सस्ते दाम पर उपलब्ध की जायें।

मूल्य-वृद्धि के खिलाफ़ मज़दूर वर्ग के आन्दोलन का विस्तार देख कर, मंहगाई-विरोधी संघर्ष समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यदि राज्य में स्थित सभी ट्रेड यूनियनों को राजधानी में एकत्र किया जाये तो हम मूल्य-वृद्धि तथा वास्तविक वेतन में कटौती से सम्बन्धित मांगों को प्रभावशाली ढंग से पेश कर सकेंगे और ट्रेड यूनियनों तथा मज़दूर वर्ग का मंहगाई-विरोधी व्यापक एका क़ायम कर सकेंगे। इसी लक्ष्य को सामने रख कर हम यह सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं और राज्य में स्थित सभी ट्रेड यूनियनों को आमन्त्रित कर रहे हैं। सम्मेलन के कार्यक्रम के सम्बन्ध में विस्तृत सूचना हम अगले पत्र में भेजेंगे।

हम आशा और विश्वास करते हैं कि आपकी यूनियन का समर्थन और सहयोग हमें मिलेगा और आपकी यूनियन के प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग लेंगे।

साभिवादन

आपका

हरीश तिवारी

संयोजक

पता :

C/o यू० पी० बैंक एम्प्लाइज़ यूनियन

रेडगेट, गोलागंज

लखनऊ

मुद्रक : अधिकार प्रेस, २२ कैसरबाग, लखनऊ

Copy

श्रीमान मैनेजर साहब!
आई० एम० एस० कं० प्रा० लिमिटेड,
गिरिडीह

2/5/1964

महाशय!

एतवारी पैसा और २६ जनवरी के पैसा के विषय में मैनेजमेन्ट और हम मजदूरों के बीच पैदा हुए विवाद के विषय में हम मजदूरों का निवेदन है कि:—

(१) हफ्ते में ६ दिन काम करने से ७ वें दिन का यानी एतवार का पैसा हम मजदूरों को मिलता है। इसलिये जो मजदूर विवादग्रस्त हफ्ते में ६ दिन काम किये हैं उनको ७ वें दिन का यानी एतवार का पैसा पाने का हक है और वह हम मजदूरों को मिलना चाहिये।

(२) उसी हफ्ते में २६ जनवरी पड़ा और सरकारी घोषणा के अनुसार हम मजदूरों को उस दिन का पैसा पाने का भी हक है। अतएव यह भी हमें मिलना चाहिये।

(३) चूंकि २६ जनवरी एतवार को पड़ा इसलिये मैनेजमेंट २६ जनवरी और एतवारी छुट्टी के लिये सिर्फ एक ही दिन का पैसा देना चाहते हैं। यह सरकारी घोषणा के बिल्कुल खिलाफ है। बिहार सरकार, श्रम एवं नियोजन विभाग की प्रेस विज्ञप्ति दिनांक ११ जनवरी १९६४ में यह स्पष्ट लिखा हुआ है कि — "सरकार यह आशा करती है कि सदा की तरह नियोजक इस दिन को अतिरिक्त सवेतन छुट्टी मान लेंगे और इसे किसी दूसरी छुट्टी के बदले की छुट्टी नहीं समझेंगे"। यह विज्ञप्ति आपको सरकार के ज्ञापांक २/एफ १-१०१/६४ श्र० नि० - ४४३ दिनांक ११ जनवरी ६४ के जरिये मिली होगी। इसलिये हम मजदूरों को २६ जनवरी और एतवारी छुट्टी के लिये अलग-अलग और दो दिन का पैसा मिलना चाहिये।

(४) दूसरी बात है कि मैनेजमेंट २६ जनवरी का पैसा केवल उन मजदूरों को देने को राजी है जो उसके आगे-पीछे यानी २५ और २७ जनवरी को भी काम पर हाजिर हों। यह भी नाजायज है चूंकि त्रिदलीय सम्मेलन, दिल्ली में यह बात तय हो चुकी है कि जिस हफ्ते में कोई छुट्टी पड़ती हो उस हफ्ते में जो मजदूर एक दिन भी काम पर हाजिर होगा उसे छुट्टी का पैसा पाने का हक होगा। इसलिये २६ जनवरी का पैसा सभी मजदूरों को दिया जाय।

(५) चूंकि हम मजदूरों की ओर से चार दिनों तक माँग करते रहने पर भी मैनेजमेन्ट उपरोक्त जायज बातों को मानने के लिये तैयार नहीं है इसलिये हम मजदूर इस विवाद को फैसले के लिये सरकार को सुपुर्द करते हैं और फैसला होने तक उपरोक्त विरोध के साथ हमलोग हमा का पैसा लेते हैं।

ता० ५-२-१९६४ ई०

निवेदक —

दशरथराम J-6

मोतीराय J-नाइ

म० समी

उचित कार्रवाई के लिये प्रतिलिपि भेजी जाती है:—

(१) लेबर ऑफिसर, गिरिडीह।
(२) मंत्री, बिहार माइका मजदूर संगठन, गिरिडीह।
(३) लेबर कमिश्नर, पटना।
(४) फैक्ट्री इन्सपेक्टर, गिरिडीह।
(५) ए० आई० टी० यू० सी०, दिल्ली।

2
52
152

Kanpur.
29-2-64

Dear Comrade Satish,

Thanks for Circular No. 1/64 and I Congratulate you and your colleagues for bringing out Federation News (bulletin). I hope it will continue successfully and will be developed from cyclostyled to into printed one.

According to our Federation's decission I am sending the sum of Rs. 10-00 for fighting fund as first instalement by M.O.

I and 20 workers of Kanpur Engineering industry went on hunger strike in factory area of Kanpur and we successfully completed first phase and further we preparing for 7th. March 64, Second Phase, and also enrolling volunteers for Satyagrah on 6th. April 64 before Parliament, Third Phase, according the decission of All India Campaign Committee.

At Kanpur a Convention, organised by 28 trade Unions of Kanpur, was held on 22nd of Feb. 1964 against rising prices, reduction in prices and taxes, for increase wages and earnings, linking of D.A. with cost of living index and cent per cent nutralisation, bonus and nationalisation of Banks, oil Companies and import-export business etc. The Convention was inaugrated by Com. S. A. Dange.

At Lucknow an anti dearness Provincial Conference was held on 22nd and 23rd of Feb. 64 on the Same issues, in which the L.I.C., Bank and other Unions and federations also took part. our Engineering delegation was the single biggest delegation in the Provincial Conference.

Further, we are preparing for our Provincial U.P. Metal and Engineering Conference.

Yours Comradely
[signature] Gen. Sec.

Iron & Engineering Workers Union
131/358 BEGAM PURWA
KANPUR.

K.
Bl. Spn on Separate list for Fed. of Eng. + metal
Sp. 1/3

20 February 1964

Dear Comrade Harish,

Your letter of 12th February. Com. Asrey wrang me day before. These dates seem to be very busy dates. Specially because of National Campaign programme comrades want to be at their own centre on 22nd which is the last day of hunger strike.

I have contacted a lot of people viz. Indrajit Gupta, Ranen Sen, Indulal Yagnik, P. Rama Murthy, Prabhatkar, Dr. Mishra and M. Elias and found them all busy. I am still trying and if can get some one will inform you telegraphically.

Com. S.M.Banerjee is not here since the last one week and is neither expected till at least 24th. You have to contact him at Kanpur.

Messeges have already been sent to Com. Parwana. But I am still awaiting his confirmation. No sooner I get it I will inform you.

With greetings,

Yours fraternally,

(K.C.Sriwastava)

24191

RAMNIVAS

Motinagar, lucknow.
12. 2. 64

14/2/64

My dear K. G.

We have finally decided to hold the conference on February 22 and 23. The demonstration planned by the party has been postponed to March 9. Kanpur comrades will hold a rally on February 23 in the evening but they will send delegates for the conference.

There are difficulties. Sec. 144 has been clamped down in LKO and in most of the districts of U.P.. However, to postpone the conference may mean abandoning it. We will try to mobilise delegates from AITUC affiliated unions throughout the state and representatives of UPBEU, IEA and UPWJU will attend.

The preparatory committee decided to invite Com. Dange to inaugurate the conference. I have sent the invitation but I realise that it will be very difficult for him to spare time. You are already booked for Bhilai. Now who can come ? Can Com. Indra Jeet come for the conference ? Please try if he can. We should have atleast one from the AITUC. I am sending an invitation to him.

Second thing is that you should ensure that Com. Parwana comes for the conference. He will be helpful for the conference as a whole but particularly for the bank and insurance employees and the Newspaper Printing Press workers and the Working Journalists inview of the 2nd. Pay Commission.

Thirdly please secure for our conference some messages.

Fourthly pusuade Com. Bannerji to come for the conference.He may go to Kanpur on Sunday afternoon.

And please send your suggestions for the conference.

With greetings,

yours,

Hamid Tumani

18 February 64

Dear Comrade Harbans Singh,

Thanks for yours of 15th February to Com. Dange. I hope you have already been informed that he is visiting Kanpur for a day on 22nd to attend the local conference.

With greetings,

Yours fraternally,

for(K.G.Sriwastava)

15.2.64

7 Narayani Dharamsala
CPI Office
Parade, Kanpur

Dear com Dange,

I issued leaflets, posters, and press handouts about your coming to Kanpur only after getting the OK from com KSS. Now I learn from com KSS that you may not come. It is difficult to describe the tragedy and how heart broken I feel. I repeatedly announced your name and postponed the conference to suit your convenience, and each time after consulting you. After all what did I do to deserve this punishment?

I know that our dates clash with the UP convention. I argued with com RA and Harish that the State convention should be postponed and UP TUC should see that in each district the 3 day hunger strike is observed and marchers to LKO for the 24th Feb be prepared. Although LKO march has now been postponed but the hunger strike decision remains.

We are observing hunger strike from 20th Feb before each gate. The hunger strike decision was pooh-poohed but we shall see that it is implemented. Kanpur convention was never taken seriously, I also agreed for postponement only to suit your convenience. We first fixed the dates as 28, 29 Dec, then 5-6 Jan, later 17-18 Jan then 8-9 Feb, and finally 22-23 Feb which we announced after getting the OK from com KSS. Can we postpone it any further? We tried our best to explain our situation that in view of the

hunger strike and repeated postponement it was impossible to postpone any further. ~~B~~ But unfortunately our convention is being opposed in the name of State Convention. I am convinced that in view of the hunger strike, and the difficult situation of Kanpur (after all Kanpur is worth a special attention) the State convention should have been postponed. But no! we have to be proved to be the saboteurs of State convention. And therefore Com Dange has to be influenced not to come to Kanpur.

Com Dange I may be wrong in my reasoning, ~~but~~ for I am really depressed. The whole thing while ~~being~~ becoming a tragedy for Kanpur, to a certain extent has become ~~per~~ personal tragedy as well. After all I got the conference repeatedly postponed only to suit your presence here. And now the convention will have to be held, as it seems, without you. Is it really just?

Greetings

Comradely yours

Harbans Singh

मोतीलाल आचार्य, कन्ट्रेक्टर,
प्रतापगढ़ (राजस्थान) जिला चित्तौड़गढ़

A. I. T. U. C.
Received 6613 ..... 25/3/64
...ited ....

दिनांक मार्च ७, १९६४

सेवा मे,

श्रीमान् जनरल सेक्रेटरी, आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस

विषय :- आपके साथ मे अनेक संगठनों को सम्मिलित करने हेतु ।

प्रिय बंधु ,

उक्त विषय मे विदित हो कि मेरे पास अनेक स्थाई व अखिल भारतीय स्तर के संघ अच्छे विचार वाली संस्था व उचित प्रतिनिधित्व करने वाले साथी से मिलकर अपना गौरव बढ़ाना चाहते हैं, इसलिये इसके संदर्भ मे आपसे निवेदन है कि आप अपने संघ के विधान एवं कार्य प्रणाली मय अपने विचारों के जितना भी साहित्य उपलब्ध हो शीघ्र भेजकर मार्ग दर्शक बनने की कृपा करें क्योंकि विभागीय आधार पर केन्द्रीय सरकार पुनः मान्यता के प्रश्न पर विचार कर रही है जैसा कि सर्व विदित है। ताकि वार्षिक अधिवेशन आपके विचारों के साथ व आपकी अध्यक्षता मे करने को घोषित किया जाने की प्रारम्भिक कार्यवाही को मेरे विचारों का प्रकाश दे सकूँ कि भविष्य मे हमारे संघ आपके विचारों के साथ रहें । क्योंकि अभी तक येह संगठन किसी से भी सम्बन्धित नहीं हैं ।

आशा है कि आप मुझे सही निर्णय करने मे सहायक होंगे जिससे येह सब संगठन जो जिनके अन्तर्गत हजारों व्यक्ति हैं आपके साथी बनकर अपनी कार्यक्षमता आपके सहयोग से प्रकट कर सकें । और मै उनके लिए सही निर्णायक सिद्ध हो सकूँ ।

आपके विचारों से सहमत होने की आशा के साथ ,

आपका ही
मोतीलाल आचार्य
(मोतीलाल आचार्य)

प्रतिलिपि सूचनार्थ :-

-गांधी- संबंधित संगठनों को ।

A.I.T.U.C.
6478 18/3/64

PRESS COMMUNIQUE.

Dehra Dun 14.3.64.- The Central & State Govt. employees of Dehra Dun observed the DEMANDS DAY to-day by taking out a mile long procession which paraded through the main streets of the City raising slogans.

The procession converged into a meeting of about 5,000 at the Clock Tower Park which was presided over by Shri NITAI GHOSH-.

The meeting demanded effective steps to check prices, revision of cost of living index, relief from tax burden, upgrading of Dehra Dun city to'B' class increased Dearness Allowance, 30% increase in the pay of State Govt. employees, minimum pay of Rs.65/- p.m. to the Provincial P.W.D.Staff, abolition of Muster Roll system, Union representation, without any restriction on outsider, in the Joint Consultative Councils and Recognition of all Unions according to the Code of Discipline.

The Demands were supported in the meeting by Sarba Shri Brijendra Kumar(AITUC), Aamar Nath Anand(UTUC), Saradhu Ram(U.P.BANK Employees' Association), S.D.Mehta (L.I.C.Employees' Union) and S.N.Bacheti(P & T Employees' Union).

Sarba Shri Kalota, B.P.Sharma, R.S.Singh, K.L.Dutt, C.M.Lakhera, Hans Raj, Beni Prasad of the United Demands Day Committee addressed the meeting.

Sarba Shri Tejendra Singh, G.B.R.Dhiman, Durga Prasad, Kotwal Singh,Kripal Singh,Beant Lal read poems fitting to the Day.

Shri Nitai Ghosh in his presidential address said that to-day every person is to pay 10 nP in every rupee as taxes. He pleaded for relief in Indirect Taxes on commodities of daily necessities, effective check on tax evasion, linking of D.A. with cost of living Index which reached 138 points in November, 1963. The present increase in D.A. of Rs.2/- and Rs.5/- neutralises dearness only upto 125 points which reached in November, 1961. He also pleaded for revision in the rate of D.A. after every six months in respect of rise of 5 points for a period of 3 months. He also urged on the Govt. to pay Hill allowance to the Govt. employees stationed at Dehra Dun since it is a hill city in all respect.

On account of imposition of Sec.144 in the City and over time in order to step up the defence production, the Demands Day could not be oserved on 12th March, 1964. The Defence employees of ordnance factory, Defence Instrument employees and others have, however, observed the Day by wearing badges on 12th, and a mass meeting was held in the evening at Raipur which was addressed by other leaders of the Central Govt. employees unions.

Nitai Ghosh 16/3.

(NITAI GHOSH), SECRETARY,
UNITED DEMANDS DAY COMMITTEE OF THE
STATE & CENTRAL GOVT. EMPLOYEES.

Shri K. G. Sriwastava
Editor, Trade Union Record
5-E Jhandewalan,
Rani Jhansi Road,
New Delhi

श्री गोपाल पेपर मिल्स लि०
[बनकर विभाग कर्मचारी यूनियन]
बुलसापुर.

6398 14/3/64.

The Secretary,
All India Trade Union Congress,
5 E Jhandewalan, Rani Jhansi Road,
New Delhi - 1.

Sir,

We are in receipt of your letter/circular dated 25 th February 1964, regarding 15 minutes demonstration on 7 March. But we are sorry the circular was late received here on 7th instant in the evening. Therefore we could not call on our comrades for the said demonstrations.

Regarding badges, please send us few sample badges, so that we may get the required quantity of the same prepared accordingly.

Thanking you for your early favour.

Yours fraternally,

P.S.
We are trying to bring some of our comrades for attending the Satyagrahis party at Delhi on 6th April 1964, which please note.

O. Mehta
President.

O. Mehta
President,

14/3

17

A.I.T.U.C.
Received 6/4/64
Replied

FOR FAVOUR OF PUBLICATION:

The Internation Textile & Clothing & Leather week celebrations concluded here Thursday the 12th March, 1964 at a meeting of the Kanpur Tannery & Leather Workers' Union with the presidentship of Mr. Shiv Sharma. The meeting adopted resolutions stressing the need of the solidarity and sharpening their struggle for unity and the world peace national defence and the achievements of the orking class and working class demands.

The celebrations included wearing badges by 2,900 workers of Cooper Allen & North West Tannery, demonstration by tanneries and lether workers; a meeting of the textile clothing and leather trade union representatives held with Mr. Nizam-ud-din, President of the Tailoring Union in chair which decided to organise themselves under the banner of Trade union International.

The meeting workers were warned the orkers against reactionaries, corrupt and anti-national and sectarian elements in general and the profiteers monopolists in particular who were misleading the workers against the militant trade unions and Communist Movement and were being made to serve the interest of the capitalists and imperialists.

By another resolution the meeting appealed the workers to join the unions strengthered the movement and achieve their just demands. It was also ecided to celebrate Sri Ganesh Shankar Vidyarthi's Martyrs Day at Mazdoor Sabha Bhavan on March 24, 1964 at 5.00 p.m.

Among others Sarvshri Mahesh Chandra Nigam, Badri Prasad and Sri Ram addressed the meeting.

S. Sharma

SHIV SHARMA
President
KANPUR TANNERY & LEATHER WORKERS UNION, KANPUR.

16.3.1964.

—मांग दिवस—

१—बुनियादी तनख्वाह ४०) रु० माहवार हो।

२—मंहगाई के बराबर मंहगाई भत्ता मिले और बोनस का एलान हो।

३—एक माह की तनख्वाह हर साल के हिसाब से सर्विस मिले।

४—जिन मजदूरों ने २४० दिन काम किया है उनको मुस्तकिल किया जाये।

५—३ नवम्बर १९६२ की औद्योगिक संधी के बाद जिन मजदूरों को निकाला गया है व जिन मजदूरों की तनख्वाह व रेट गिरे हैं। मजदूरों को वापस रखा जाये और तनख्वाह व रेट की पूर्ति की जाये।

६—वेलफेयर कमेटी और वर्क्स कमेटी आम मजदूरों के चुनाव द्वारा अविलम्ब बनाई जायें।

७—क्रेडिट सोसाइटी को जल्दी से जल्दी चालू किया जावे।

८—सस्ते गल्ले व जिन्दगी की जरूरत की चीजों के लिये दुकान खोली जाये।

९—बैंक, तैल, आयात निर्यात और बी० आई० सी० में उद्योगों का राष्ट्रीकरण किया जाये।

१०—खाद्यान्न पर सरकारी नियन्त्रण हो।

११—एक्साइज ड्यूटी हटाई जाय।

कूपर एलेन कमेटी
कानपुर टेनरी एण्ड लेदर वर्कर्स यूनियन

27/4/64 26/3/64

विज्ञप्ति नं० ३ दि. २९-३-६४

दुनियां के मजदूरों एक हो

श्री सुदर्शन मिनरल प्रा० लि० (सेठ पूसालाल मानसिंहका) के मजदूरों के मसलों को लेकर साथी शिरालीजी ने पूसा निवास के सामने जो दि. ९-३-६४ से भूखहड़ताल शुरू की थी दि. १४-३-६४ को रात के ११ बजे उसके कामयाबी समाप्ती के बाद अभ्रक उद्योग के खानों और फैक्टरियों में जैसे नवजाग्रति की एक लहर उठी. जगह जगह मजदूर संगठित होकर संघर्ष करने की तैयारी में लगे।

दि. २१-३-६४ को मेसर्स बंशीलाल चौधरी के बालेरिया और अन्नपूर्णा खानों और फैक्टरीयों के मजदूरों ने वेतन अदायगी के मसले को लेकर हड़ताल कर दी. दि. २३-३-६४ को बालेरिया के मजदूर मांडल के तरफ कूंच कर गये उसी दिन रा. ब. सेठ मूलचंद नेमीचंद प्रा. लि. के बादलीखेड़ा रावली खान और फेक्टरी के मजदूरों ने भी हड़ताल की, ये तमाम हड़तालें मुकम्मिल रहीं।

दि० २४-३-६४ को बालेरिया के मजदूर साथी श्री शिरालीजी को मांडल बुला लेगये. फैसला नहीं होने के हालत में दि० २५-३-६४ को मे० बं० चौधरी के मांडल फेक्ट्री को मजदूरों ने बंद कर दिया इस तरह मे० बं० चौधरी का तमाम कारोबार दि० २५-३-६४ के दिन ठप रहा, रात को श्री नाथानी सा० और श्री बाघेला सा० मजदूर सभा के दफ्तर पर पधारे और समझौता किया कि बालेरिया के मजदूरों को तीन दिन की बैठी हाजरी मिलेगी उन्हें इन ३ दिन के लिये प्रति दिन प्रति मजदूर दो रुपये के हिसाब से खाना खुराकी मिलेगी प्रति मजदूर को एक माह का वेतन तुरंत मिलेगा और बाकी सारा वेतन दि० ५-४-६४ से १२-४-६४ तक चुक जायगा, बालेरिया खान चालू रहेगी और काम पर लगे हुये मजदूरों को बराबर काम मिलता रहेगा तथा मांडल फेक्ट्री के मजदूरों को भी बंध दिन की हाजरी मिलेगी. तब जाकर दोनों जगहों का झगड़ा खतम हुआ और काम शुरू हुआ।

इन झगड़ों के खतम होते ही दि० २६-३-६४ को अन्नपूर्णा और रावली खान के मजदूर साथी शिरालीजी को अपनी खानों पर ले गये और उन्हें अनुरोध किया कि वे अब उनके नेतृत्व को अपने हाथ में लें. साथी ने उन मजदूरों को बताया कि आज अभ्रक उद्योग में किस तरह भयंकर स्थिति उत्पन्न हुई है और मौजूदा परिस्थिति से बाहर निकालने के लिए अब एक ही मालिक के अलग २ खानों और फेक्ट्रियों के मजदूरों के अलग अलग संघर्ष पर्याप्त नहीं है इससे काम चलने वाला नहीं है, हड़ताली खानों और फेक्ट्रियों तथा चालू खानों और फेक्ट्रियों के मजदूरों को एक होकर अपने अपने यहां पंचायतों को चुन कर नियुक्त करना चाहिये और इन चूने पंचों को तुरन्त हैड आफिस मांडल भेज देना चाहिये. इस तरह मांडल में एकत्रित तमाम खानों और फेक्ट्रियों के पंचों को अपनी एक महा पचायत बना लेनी चाहिये और वह माह पंचायत तमाम खान और फेक्ट्रियों के मजदूरों का नेतृत्व करे तभी जाकर सवाल हल हो सकेगा तबतक जिन जगहों पर हड़ताल चल रहा है वहां उसे जारी रखा जाय और चालु खानों में हड़ताल नहीं कराया जाय।

इन सुझावों को मानते हुए अन्नपूर्णा, रावली, भादू बन्जारी खानों और फेक्ट्रियों के मजदूरों ने अपनी पंचायतों का चुनाव करके पंचों को तुरन्त मांडल भेज दीया. उसी रात को मांडल में सभा के दफ्तर में रात के ८॥ बजे इन तीनों खानों से आए पंचों और मांडल के दोनों फेक्ट्रियों के द्वारा नियुक्त पंचों तथा बालेरिया खान के पंचों की एक बैठक हुई इस बैठक में एक राय से तय किया कि वे अब संयुक्त होकर चलेंगे और अपने आपको एक महा पंचायत समझकर इन दोनों कम्पनियों के तमाम खानों और फेक्ट्रियां के मजदूरों को केन्द्रीय नेतृत्व देंगे महा पंचायत

की पूरी राय रही कि श्रीमान् सेठ सा० बंशीलालजी के आये बिना ऐसा बड़ा सवाल हल नहीं होने वाला है और सवालों को हल कियेबिना कोई भी पंचायत या पंच वापस नहीं जा सकते, श्री नाथानी सा. और श्री बागेला सा. के पूरे विश्वास दिलाने पर कि किसी भी हालत में सेठ सा. दि. ३१-३-६४ को मांडल में उपस्थित रहेंगे और उनके द्वारा बार बार किये अनुरोधों का सनमान करते हुए महापंचायत ने दि. २७-३-६४ के रात एक बजे सर्व सम्मति से तय किया कि हर हगह के तीन पंच मांडल में ही बैठे रहेंगे और बंद किये गये खानों और फैक्टरियों को तुरन्त चालू कर दिया जाय जिन खानों या फैक्टरियों में पंचायतें नहीं कायम की गई हों वहां के मजदूरों से अनुरोध किया जाय कि वे भी अपनी पंचायतें कायम करके पंचों को दि. ३१-३-६४ को मांडल भेज दें, उस दिन उपस्थित पंचों की माह पंचायत स्थाई तौर परस्थापित की जाय और सेठ सा. से फैसला लिये बिना यह महापंचायत या उसके पंच वापिस नहीं लौटें।

इस निर्णय के अनुसार साथी शिरालीजी हर खान के दो दो पंचों को साथ लेकर तमाम खानों और फैक्टरियों पर घूमे और मीटिंगें लेकर लिए गए फैसलों को तमाम मजदूरों को सुनाया सारे मजदूरों ने जोश खरोश के साथ महापंचायत द्वारा लिए निर्णयों का स्वागत किया और तमाम हड़तालों को वापिस उठा लिया। दि. २८-३-६४ को दिन के १० बजे तक इन दोनों कम्पनियों के तमाम हड़ताली मजदूर खुश होकर आत्म विश्वाश के साथ काम पर चढ़ गये और अब उन तमामों की निगाहें दि. ३१-३-६४ को मांडल में होने जा रहे महापंचायत की बैठक की ओर लग रही है उन दोनों कम्पनियों के तमाम मजदूरों ने अपना रास्ता चुन लिया है वह है लाल झंडे का रास्ता, हमारे मजदूर सभा द्वारा बताया हुआ रास्ता, दि. ३१-३-६४ को स्थापित होने वाले स्थाई महापंचायत के द्वारा बताये जाने वाला रास्ता।

अब तक करीब ४०० मजदूर हमारी सभा के सदस्य बन चुके हैं और सदस्यता आवेदन पत्रों की मांग बढ़ती जारही है। आवेदन पत्र छपने को दिये हैं छपते ही तमाम जगहों पर भेज दिये जावेंगे।

इस दरमियान में महापंचायत और हमारी सभा की तरफ से मैं जोरावरपुरा, बोड़ली, गेगास, बेमाली वगैरह खानों और फैक्टरियों के मजदूरों से अनुरोध करता हूँ वे तुरन्त अपने यहां पंचायतों को कायम करके दि. ३१-३-६४ को पंचों को मांडल भेज दें ताकि इन दोनों कम्पनियों की एक स्थाई महा पंचायत स्थापित की जा सके, जिनके हाथ में संबन्धित तमाम मजदूरों का भविष्य सुरक्षित रहें।

★ सोनी और मेसर्स बंशीलाल चौधरी के तमाम खानों और फेक्ट्रियों के मजदूर दोस्तों अपने अपने यहां तुरन्त पंचायतों को कायम करो। ★ तमाम पंचों को दि० ३१-३-६४ को सुबह मांडल भेजो। ★ ३१ मार्च जिन्दाबाद उस दिन मांडल में स्थापित होने वाली स्थाई पंचायत जिन्दाबाद और उसके नतृत्व में बना तमाम मजदूरों का एका जिन्दाबाद ★ राजस्थान खनिज मजदूर सभा जिन्दाबाद ★ ए. आय. टी. यू. सी. जिन्दाबाद ★ मांडल क्षेत्र में अभ्रक मजदूरों में नव स्थापित मजदूर एकता जिन्दाबाद ★ महा पंचायत मांगें हांसिल करके रहेगी ★ लाल झंडा ऊंचा रहेऊंचा रहे आगे बढ़े आगे बढ़े ★ दूनिया के मजदूरों एक हो ★ इनक्लाब जिन्दाबाद।

आपका साथी

गंगाराम

संयुक्त मंत्री

राजस्थान खनिज मजदूर सभा (लाल झंडा)

पीतल का कारखाना भूपालगंज भीलवाड़ा

गोपाल प्रिंटिंग प्रेस, भीलवाड़ा।

स्थापित १०-५-६१

रजिस्टर्ड नं० २२६२

सूती मिल मजदूर सभा।

सादाबाद गेट हाथरस

पत्रांक ९९ 6417 16/3/64 दिनांक 13/3/64

सेवा में

श्री अतिरिक्त प्रादेशिक सराधान,
अधिकारी महोदय
साधना हाउस मैरिस रोड, अलीगढ़

महोदय,

निवेदन है कि दिनांक १२-३-६४ के आप द्वारा लिखित फैसले के मसौदे को एन.के. कौटन मिल्स हाथरस के मालिकों ने मानने से इन्कार कर दिया है। ऐसी हालत में मजदूरों का असंतोष बढ़ रहा है और उसके फलस्वरूप औद्योगिक शांति भंग होने का अंदेशा है यदि इस स्थिति को रोकने के लिये आप द्वारा तुरन्त सक्रिय हस्तक्षेप न किया गया तो अन्य संगठनों पर भी इसका कुप्रभाव पड़ सकता है।

आशा है आप स्थिति को और अधिक बिगड़ने से रोकने की कृपा करेंगे।

प्रतिलिपि प्रेषित :-

१- श्री जिलाधीश अलीगढ़
२- श्री श्रमायुक्त उत्तर प्रदेश, कानपुर
३- श्री सचिव श्रम मंत्रालय लेबर (ए) डिपार्टमेंट, लखनऊ
४- श्री मंत्री ए. आई. टी. यू. सी. ४ अशोका रोड नई दिल्ली।

आपका
शान्तिदेव
अध्यक्ष
सूती मिल मजदूर
सभा - हाथरस

फोन नं० २८४१

उत्तर-प्रदेश, पी. डब्ल्यू. डी. कर्मचारी संघ,

(रजिस्टर्ड नं० १६५०)

(सम्बन्धित ऑल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस)

१८० सुभाष नगर मेरठ ।

आचार्य दीपंकर, प्रधान,
'चन्द्रिका' शिवाजी मार्ग, मेरठ।
ब्रजराज किशोर एडवोकेट, महामन्त्री,
'चन्द्रिका' शिवाजी मार्ग, मेरठ।
ओमप्रकाश शर्मा, उपमन्त्री,
१८० सुभाष नगर, मेरठ।
के० एन० भट्ट मन्त्री (बुलन्दशहर शाखा)
पन्नी जी० शुगर फैक्ट्री यूनियन आफिस, बुलन्दशहर।

क्रम सं०..............

दिनांक 5/3/1964

A. I. T. U. C.
Received 6238 [illegible]
को० एस० ए० [illegible]

महामंत्री - अ. भा. ट्रे. यू. कांग्रेस
रानी झांसी रोड
झण्डेवालान, नई दिल्ली

आदरणीय कामरेड!

१५ मार्च रविवार को दिन के १२ बजे मेरठ के टाउनहाल से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के पी. डब्ल्यू. डी. कर्मचारियों का एक जुलूस निकलेगा जिसमें दूसरे विभागों के मजदूर भी हजारों की संख्या में भाग लेंगे। प्रदर्शन के बाद जलसा होगा। सभी मजदूरों और कार्यकर्ताओं की ओर से मैं आप से प्रार्थना करता हूं कि आप इसमें अवश्य भाग लें। AITUC और CPI के अलावा दूसरे संगठनों की यूनियनें भी इसमें हिस्सा ले रही हैं। परन्तु आह्वान हमारी ही यूनियन की ओर से है। आप केवल [illegible] और [illegible] सूचना है।

आपका भवदीय

[illegible]

दुनियां के मजदूरो ! एक हो १५ मार्च को मेरठ चलो!

पी. डब्ल्यू. डी. के बहादुर मजदूरो !

पन्द्रह मार्च ऐतवार को दिन के ११ बजे

मेरठ टाउनहाल में इकट्ठे हो जाओ

प्यारे साथियो, दिलेर मजदूरो !

जिधर देखो पूरे देश का मजदूर गुलामी और गरीबी के खिलाफ़ बगावत कर रहा है। महंगाई आसमान छूती जा रही है और पुरानी तनखाहों में गुजर होना असम्भव होता जा रहा है। थोड़े से पूंजीपतियों ने देश की दौलत बटोर ली है और करोड़ों मेहनत करने वाले दाने दाने के मोहताज होते जा रहे हैं। अनाज, कपड़ा, मिट्टी का तेल, चीनी और जरूरत के सभी सामानों के दाम पूंजीपतियों ने बहुत तेज कर दिए हैं और मजदूरों को न तो सरकार मुनासिब महंगाई भत्ता एवं तनखा देती है और न पूंजीपति ही टस से मस होते हैं। आप जरा सोचिए तो सही कि जब सामानों के दाम इतने ऊंचे पहुंच गये हैं तो पी० डब्ल्यू डी० के मजदूर तथा उनके बाल बच्चे ३७ रु० तथा ४२ और ५० रुपये में कैसे गुजारा कर सकते हैं ? इतने रुपयों से तो साहबों के अलशेशन कुत्तों तक का पेट नहीं भरता ?

कितनी खराब हालत है हमारी— एक ओर तो भुखमरी की तनखाहों पर सरकार काम लेती है ऊपर से अत्याचारी इंजीनियर और ओवरसियर मनमाना व्यवहार करते हैं, झूठे आरोप लगाकर सजाएं देते हैं और जुरमाने करते हैं। बहाना मिलते ही नौकरी से अलग कर देते हैं और यह जानते हुए भी कि इतनी कम तनखाहों से गुजारा करना गैर मुमकिन है, वे सरकार से तनखा बढ़ाने की सिफारिश करने के बजाय उल्टे मुखालफत करते हैं। मस्टरोल प्रथा का चालू रखना गरीब मजदूरों की किस्मत भी अफसरों की मुट्ठी में सौंप कर रखना है, और यदि कर्मचारी इनके भ्रष्टाचार का भण्डाफोड़ करें तो तुरन्त नौकरी से अलग फेंक दिए जाते हैं। दस-दस साल पुराने वर्क चार्ज कर्मचारियों की तनखा कम और "बड़े साहबों" के चहेते नये वर्क चार्ज कर्मचारियों की तनखा ज्यादा ? वाह क्या इन्साफ है ? मजदूरों का चाहे जैसा काम अटका रहे, उन्हें न तो कैजुअल या सिकलीव मिलती है और न कभी ओवर टाईम का भत्ता मिलता है। यह मुसीबत कब तक और कैसे सहें ? यदि न सहें तो कैसे इनसे छुट्टी मिले ? इन सवालों पर विचार करने और अगला कदम उठाने के लिए १५ मार्च ऐतवार को दिन के ११ बजे मेरठ टाउन हाल में सब काम छोड़कर आजाइये।

साथियो ?

यह सम्मेलन और प्रदर्शन प्रथम सर्किल के सभी जिलों के पी० डब्ल्यू० डी० कर्मचारियों की ओर से संगठित रूप में किया जा रहा है। इसलिए, देहरादून, सहारनपुर, मुजफ्फर नगर, मेरठ और बुलन्द शहर के सभी डिवीजनों के कर्मचारियों से अपील है कि वे अधिक से अधिक तादाद में इसमें हिस्सा लें।

अब नीचे लिखी मांगें पूरी करा कर ही दम लेना है :—

१. कम से कम तनखा २॥ रू० रोज या ६५ रू० माहवार दी जाय।
२. मस्टरोल प्रथा खत्म की जाय और कर्मचारी मुस्तकिल किए जाय।

कु० प० उ०

३. वर्क चार्ज के कर्मचारी स्थायी किये जांय ।

४. जैसे-जैसे मंहगाई बढ़े उसी मात्रा में पूरी मंहगाई भत्ता बढ़ाया जाय ताकि मंहगाई का पूरा मुवावजा मिल सके । जब तक ऐसा नहीं होता तब तक कम से २५ फीसदी मंहगाई भत्ता बढ़ाया जाए ।

५. निर्दोष कर्मचारियों के साथ किया गया भद्दा व्यवहार और ज्यादती वापिस ली जाए तथा भविष्य में ऐसा न करने का आश्वासन दिया जाय ।

६. ठेकेदारी प्रथा खत्म की जाए ।

७ विवादों का निवारण करने के लिए मजदूर अदालतें कायम की जांए ।

८. हर जिले के सदर मुकाम पर कर्मचारियों के लिए सस्ती सरकारी दुकानें खोली जांए ।

९. विभाग में फैले भ्रष्टाचार की जांच और रोक थाम के लिए तत्काल कमेटी नियुक्त की जाए जिसमें मजदूरों को प्रतिनिधित्व दिया जाए ।

१०. दिनांक १८-११-६१ के समझौते की तमाम शर्तें उसी तारीख से और पूरी तरह लागू की जाए ।

११. सरकार जल्दी से जल्दी एक कमिशन बैठाये जो दूसरे महकमों की तरह इस महकमे के कर्मचारियों के लिए सेवा नियम तय करे ।

१२. प्रत्येक सर्किल में मान्यता प्राप्त यूनियन को पी० डब्ल्यू डी० के कम्पाउण्ड में मीटिंग करने का अधिकार और दफ्तर की सुविधा दी जांए ।

१३. पेटिंग के दिनों में बेलदारों को दैनिक वेतन ३ रु० तथा मेटों को ४ रु० दिया जाए ।

१४. जो कर्मचारी मुस्तकिल कर दिये गये हैं, उन्हें तुरन्त महंगाई भत्ता देना शुरू किया जाए ।

१५. टेम्परेरी मजदूरों की तनख्वा में कम से कम २५ फीसदी बढ़ोतरी तुरन्त की जाए ।

दोस्तो !

हम ऊपर लिखी मांगों पर केवल विचार ही नहीं करेंगे बल्कि अपनी मांगों के पक्ष में इस दिन मेरठ में जुलूस भी निकलेगा और अधीक्षण अभियन्ता के कार्यालय पर प्रदर्शन भी करेंगे । मजदूरों का प्रतिनिधि मण्डल उनसे मिल कर अपना मांग पत्र सौंपेगा और बात करेगा ।

पी० डब्ल्यू डी० के शूरमाओ ।

पूरे देश का मजदूर सिंहनाद करके खडा हो गया है । उसकी ललकार से पूंजीपतियों लुटेरों और अत्याचारियों की नींद हराम हो गयी है । जहाँ देखो, जुल्म के खिलाफ मजदूरों के मोर्चे बन्धे खडे हैं । फिर तुम किस से कमजोर हो और कैसे पीछे रह सकते हो ? १५ मार्च को एतवार के दिन ११ बजे से पहिले मेरठ के टाउनहाल में अपने जोशीले जयकारों से आसमान गुञ्जा दो । तभी तो पता चलेगा कि तुम किसी से पीछे नहीं हो ? सब काम छोड़कर आइये ?

मजदूर एकता जिन्दाबाद !

निवेदक :—

आचार्य दीपंकर (प्रधान)
सुरेन्द्र कुमार मंत्री)
मुजफ्फर नगर शाखा

ब्रजराज किशोर ऐडवोकेट, (प्रधान मन्त्री)
ओम प्रकाश (संगठन मंत्री)
के० एन० भट्ट (मंत्री)
बुलन्दशहर शाखा

राजीव प्रिन्टिंग प्रेस, मेरठ ।

जे० के० रेयान वर्कर्स यूनियन, ६५।६ बाजमऊ जे०के० पुरी

श्रीमान् ,

डायरेक्टर महोदय ,
जे० के० रेयान मिल
कानपुर ।

6224 S73/64.

सेवा में,

विदित हो कि दिनांक ३ - ३ - ६४ को प्रात: काल श्री एस० पी० सिंह :सेक्यूरिटी आफिसर: ने एक स्वीपर दौलतराम वल्द से रेवती टिकट नम्बर १०६२ को विस्कोस डिपार्ट के ऊपर डन्डे से मारा तथा गाली गलौज़ दी । स्मरण रहे कि इसी प्रकार इन्द्रबहादुर जमादार हीरा बन्यानी नामक एक हेल्पर :केमिकल डिवीजन: को मार चुका है ।

अत: यूनियन इन अमानवीय अत्याचारों पर रोष प्रकट करती है तथा मांग करती है कि आप तुरन्त हस्तक्षेप कर स्थिति को बिगड़ने से बचायें एस० पी० सिंह :सेक्यूरिटी अफसर : पर कार्यवाही करें । अन्यथा हम मजबूर होगें कि अपनी इज्जत को बचाने के लिये संघर्ष रत हो ।

आशा है कि आप अवश्य १५ दिन के अन्दर उचित कार्यवाही करेगें। अन्यथा दिनांक २० - ३ - ६४ से जे० के० रेयान वर्कर्स यूनियन आन्दोलन चलायेगी । तथा इस प्रकार की स्थिति की जिम्मेदारी मिल प्रबन्धकों की होगी ।

दिनांक, ४-३-६४

निवेदक -
4.3.64
ओ० पी० दीक्षित
प्रधान मंत्री

J.K. RAYON WORKERS UNION
KANPUR

प्रतिलिपि प्रेषित :-

१- श्रीमान् लेबर कमिश्नर, उ०प्र० कानपुर ।
२- ,, श्रम मंत्री , उ० प्र० लखनऊ ।
३- ,, जिलाधीश , कानपुर
४- ,, एस० पी० सिटी, कानपुर ।
५- ,, गृह मंत्री भारत सरकार, नई दिल्ली ।
६- ,, प्रधान मंत्री,
एआईटीयूसी, नई दिल्ली ।

IRON AND ENGINEERING WORKERS' UNION KANPUR

(Registered No. 1893)

Affiliated To :-
THE A. I. T. U. C.

131/358 (Hasanganj)
BEGAMPURWA

Ref. ....

KANPUR ११।४।६४ 196

श्री मान् श्रम मन्त्री महोदय,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।

362 25/4/64

द्वारा : श्री एस० एम० बनर्जी, एम०पी०, कानपुर।

माननीय महोदय,

निवेदन है कि हम निम्नलिखित मांगों की ओर आप का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं :-

यह कि जुलाई सन् १९५७ में इण्डियन लेबर कान्फ्रेन्स में हुए फैसले के अनुसार इन्जीनियरिंग उद्योगों के लिए आप के द्वारा वेज बोर्ड आज तक नियुक्त नहीं किया गया। इन्जीनियरिंग उद्योग जैसा उत्पत्ति शील और महत्व पूर्ण के लिए वेतन मण्डल न किया जाना समझ में नहीं आता। उपरोक्त उद्योग में कार्य करने वाले श्रमिकों के काम की दशा व आर्थिक दशा अति खराब है। आवश्यकता है कि इस उद्योग के लिए अविलम्ब वेजबोर्ड नियुक्त किया जाय।

यह कि कानपुर के कुछ कारखानों के श्रमिकों ने १०३२ हस्ताक्षर कर के एक मांग पत्र तैयार किया है जो कि उपरोक्त समस्या के सम्बन्ध में है और वह आप की सेवा में प्रस्तुत किया जा रहा है।

आशा है कि आप उपर्युक्त मांगों पर सहानुभूति तथा गम्भीरतापूर्वक विचार कर कोई कदम अविलम्ब उठाने का कष्ट अवश्य करेंगे।

भवदीय
[signature]
: निजामुद्दीन :
प्रधान मन्त्री
आयरन एण्ड इन्जीनियरिंग वर्कर्स यूनियन
कानपुर

प्रतियाँ प्रेषित की :-
१. श्री मान् लेबर मिनिस्टर साहब, यू०पी०, लखनऊ।
२. श्री मान् श्रम कमिश्नर साहब, यू०पी०, कानपुर।
३. श्री मान् मन्त्री जी ए० आई०टी०यू०सी०, नई दिल्ली।
४. श्री मान् मन्त्री जी फैडरेशन आफ मैटल एण्ड इन्जीनियरिंग वर्कर्स आफ इण्डिया, नई दिल्ली।
५. श्री मान् मन्त्री जी, यू०पी०टी०यू०सी० कानपुर।
६. एस० एम० बनर्जी, एम० पी०, कानपुर।

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA भारत 6 nP

Sri S. A. Dange
Gen. Secy. AITUC
4, Ashok Marg
or Rani Jhansi Road
New Delhi - 1

P.S.
Kindly see that you do not send any more TUR to me. I am no longer the secretary of the LRCM Sabha. I have handed it over to other friends. Also see that your circulars to ~~Com~~ Sri S.S. Yusuf are not sent to my address. That only means delay. Send them to him at 119/482, Darshanpurwa Kanpur

12.4.64

Ram Dhani

Dear Sri Dange,

Both you & the left faction of the CPI hurl at each other the accusation of being neo-Trotskyist. Will you kindly explain which of you is a neo-Trotskyist & why?

In ~~the~~ connection with "Dange-letters", a Trotskyist of Bombay has written in The Tide weekly of Bombay that a single letter even if genuine, cannot wipe out the entire revolutionary record of a revolutionary fighter that you have been with 14 years of jail record during British rule. He has condemned the ~~campt~~ campaign as Stalinist and has compared it with the smear campaign launched against Trotsky.

I would only like to express my personal sympathy to you & support on the Dange-letters issue

Yours ~~faithfully~~ sincerely

Raj Narain Arya

12.4.64

1st 8/212, Ram Bagh
Kanpur

A.I.T.U.C.
Received 24W 16/4/64.

विज्ञप्ति नं ४ दि. ७-४-६४

A. I. T. U. C.
27/4/64.
Replied

सेठो को समझ से काम लेना पड़ेगा
मजदूरों से तमीज से पेस आना पड़ेगा।

'दुनियां के मजदूरों एक हो'

मांडल के रा० ब० सेठ मूलचंद नेमीचंद प्रा० लि०, मैसर्स बंशीलाल चौधरी, मैसर्स अभयकुमार जैन इन तीनों कम्पनियों के तमाम अभ्रक के खानों और फैक्टरियों के हजार से भी ज्यादा मजदूरों को १-३-६४ से वेतन में प्रति माह ५ रु० की बढ़ोतरी मंजूर हुई इस कामयाबी के लिये सम्बन्धित मजदूरों और उनके द्वारा चुनी "महापंचायत" को हमारी सभा की तरफ से बधाई।

संयुक्त ट्रेड यूनियन संघर्ष समिति द्वारा प्रा-तव्यापी पैमाने पर उठाये इस बढ़ोतरी की मांग को भीलवाड़ा जिले के अभ्रक उद्योग में सबसे पहले मंजूर करवाने का श्रेय हमारे लाल झंडा मजदूर सभा को ही मिला है। इस जिले के मुख्य बड़े उद्योग हैं अभ्रक और कपड़ा उत्पादन लेकिन अब तक अभ्रक के कम्पनियों में और कपड़ा मिलों में इस बढ़ोतरी को लागू नहीं करवाया गया था। उपरोक्त तीनों कम्पनियों में इस बढ़ोतरी को सबसे पहले लागू करवा कर अभ्रक की दूसरी कम्पनियों और कपड़ा मिलों में इस बढ़ोतरी को लागू करवाने के लिये अब रास्ता खोल दिया है।

सम्बन्धित उद्योगों के मजदूर दोस्तो, एक होकर आगे बढ़ो इस बढ़ोतरी के मांग को पूरी ताकत के साथ उठाओ जिस तरह उपरोक्त तीनों कम्पनियों के मजदूरों ने उठाया था। आपकी जीत होकर रहेगी, आप इस मांग को मंजूर करवा के रहोगे, लाल झंडा आपकी हर तरह मदद करेगा।

तिरंगे झंडे की बातों को और कारनामों को आप काफी वर्षों से सुनते और देखते आरहे हैं। सोचो तो आपने अब तक क्या हासिल किया है? आपको मिली है गुलामी, कमजोरी, आपस की फूट और आपके दिलों में बसाया गया डर।

तिरंगे झंडे के बाद आपने सुन ली बातें दुरंगे झंडे की। देख लिया उनके नेताओं के कारनामों को। जहां २ मजदूरों ने दुरंगे झंडे के नेतृत्व को स्वीकारा वहां मजदूरों को तबाही के अलावा और कुछ भी नहीं मिला। कहां हैं वे अभ्रक के फेक्टरियां जहां एक दिन दुरंगे झंडे के नेता बड़े शाने शौकत के साथ कहते थे कि ये उनके गढ़ हैं, उन गढ़ों का कहीं पता ही नहीं। मिसाल के लिये रा. ब. सेठ रामप्रसाद राजगढ़िया प्रा. लि. और उनसे सम्बन्धित आधा दर्जन से भी ज्यादा कम्पनियां और उनकी फैक्टरियां। उनका नामोनिसान तक नहीं रहा। हाल ही में दुरंगे झंडे के छत्रछाया में और उनके नेताओं के आसीरवाद से विजय माइका माइनिंग प्रा. लि. छी भीलवाड़ा फैक्टरी १-४-६४ से बंद करादी गई। १ अप्रेल दुनियां में मूर्ख दिन माना जाता है और वाकइ में विजय माइका के भीलवाड़ा फैक्ट्री के मजदूरों को इस दिन मूर्ख बनाया। उपरोक्त तमाम फैक्टरियों के मजदूर आज दर बदर की ठोकरें खा रहे हैं। अब बचेकुचे दुरंगे झंडे के मजदूरों को भी इन बातों से सीख लेनी चाहिये। वक्त रहते उन्हें चेत जाना चाहिये।

लद चुका अब दुरंगे और तिरंगे झंडों का जमाना। मजदूर समझ चुके अब उनकी तिरंगी और दुरंगी चालों को। आगया है अब जमाना मजदूरों और किसानों के लहू से रंगे और उनके दोस्ती के प्रतीक हांसिया और हथौड़े वाले लाल झंडे का। "दुनियां के मजदूरों एक हो" के क्रान्तिकारी नारे को बुलन्द करने वाले लाल झंडे का।

दूदूवाला कम्पनी के मजदूर दोस्तों फेंकदो अब तिरंगे और दुरंगे झंडों को उठाओ अपने लाल झंडे को और आपके कम्पनी के हर खान और फेक्ट्रियों में मजदूर पंचायतों को चुनकर स्थापित करो। उन तमाम पंचायतों को मिला कर एक "महा पंचायत" कायम करो, जिस तरह मांडल के उपरोक्त तीनो कम्पनियों के मजदूरों ने किया है इस तरह स्थापित आपकी "महापंचायत" हमारा लाल झंडे की मजदूर सभा के नेतृत्व में आपके कम्पनी के खानों और फेक्ट्रियों के २००० मजदूरों को भी ५) रु० माहवारी बढोतरी को "महा पंचायत" के बने दस दिन के अन्दर हासिल करा के बतायेंगी, हिम्मत के साथ आगे बढो, जीत की मंजील आपका इन्तजार कर रही है, आपकी जीत बचे कुचे अभ्रक उद्योग के मजदूरों को इस बढ़ोतरी को हांसील करने के लिये रास्ता खोल देंगे आपका संघर्ष कामछाब हो

नये और जूने कपड़ा मिलों के मजदूर दोस्तों जब लाल झंडे वाले राजस्थान के तमाम कपड़ा मिलों में उपरोक्त ५) की बढ़ोतरी मिल चुकी है तब आपके यहां इस बढ़ोतरी को अबतक क्यों नहीं लागू किया गया। क्या आपने इस बात पर गौर किया है ? आप देख तो रहे हो कि एम्प्लाइज स्टेट इन्सोरेन्स की दवाखानों में काम करने वाले डाक्टर लोग आपके साथ किस तरह बुरा व्यवहार करते हैं और दवाएं आपके बजाय नेताओं के घर जाती हैं। अब वक्त आगया है कि आप सब मिलकर इन डाक्टरों का इलाज करें। इस विषय में क्या आपने कभी सोचा है ?

मांडल के उपरोक्त तीनों कम्पनियों के मजदूर दोस्तों आपके द्वारा स्थापित पंचायतों और महापंचायत को और मजबूत करो ताकि वेतन अदायगी और दूसरी मांगों को हांसिल करने और आपके भविष्य को उज्वल बनाने में आपको कामयाबी मिले।

★ मांडल क्षेत्र से अभ्रक पजदूरों में नवस्थापित मजदूर एकता जिन्दाबाद।
★ मांडल की महापंचायत बाकी की मांगें हांसिल करके रहेंगी।
★ दूदूवाला के मजदूर दोस्तो हर खान और फेक्टरी में पंचायतों को चुनो और उन पंचायतों की एक "महापंचायत" स्थापित करो। आपको ५ रु० बढ़ोतरी मिल के रहेगी।
★ राजस्थान खनिज मजदूर जिन्दाबाद।
★ ए. आय. टी. यू. सी. जिन्दाबाद।
★ लाल झंडा ऊंचा रहे, ऊंचा रहे आगे बढ़े और आगे बढ़े।
★ इन्क्लाव जिन्दाबाद ★ दुनियां के मजदूरों एक हो।

दुर्गादास शिराली,
मन्त्री
राजस्थान खनिज मजदूर सभा (लाल झंढा)
पीतल का कारखाना, भूपालगंज
भीलवाड़ा

मजदूर दोस्तो ! आगे बढ़ो !!

अया है तूफान कदम से कदम मिलाना है।
आगे बढ़ कर जुल्मों का इतिहास जलाना है॥
पेट एकसा और पेट की आग एकसी है।
धरती पर जीने वालों की मांग एकसी है॥
जन–जीवन पर गिरने वाली गाज एकसी है।
घर घर से आने वाली आवाज एकसी है॥
शोषण की इस सत्ता का अब तख्त हिलाना है।
आया है तूफान कदम से कदम मिलाना है॥
जीवन के चौराहे पर फरियाद एकसी है।
अरमानों की नई फसल बर्बाद एकसी है॥
पिसी हुई मानवता की तसवीर एकसी है।
दुनियां के इन्सानों की तकदीर एकसी है॥
इसी लिये उजड़ा उपवन सरसब्ज बनाना है।
आया है तूफान कदम से कदम मिलाना है॥

—पथिक

गोपाल प्रेस, भीलवाड़ा।

27/4/64.

"दुनियां के मजदूरों एक हो"

"पूसानिवास" के सामने श्री सुदर्शन मिनरल के निकाले गये मजदूरों के धरने का आज ७वां दिन.

आज शाम के ६ बजे तक समझौता नहीं हुआ तो "पूसा निवास" के सामने भूखहड़ताल की शुरुआत होगी.

दोस्तो,

दि. ६-३-६४ के सुबह स्टेशन चौराहे के बोर्ड पर लिखकर मुझे घोषित करना पड़ा कि अगर दि. ९-३-६४ के शाम के ६ बजे तक संतोषजनक समझौता नहीं हुआ तो मुझे "पूसानिवास" के सामने भूखहड़ताल करना पड़ेगा, ऐसा मुझे क्यों करना पड़ा ?

दि. २९-२-६४ को हमारी सभा द्वारा निकाले परचे और दि. २ और ३ मार्च को हुए आम सभाओं द्वारा तमाम स्थितियों से सभी को विदित कराया गया है।

दि. २९-२-६४ को हमारी सभा के तरफ से अभ्रक उद्योगपतियों के राजस्थान इन्डस्ट्रिअल एण्ड माइनिंग एसोसिएशन और राजस्थान माइनिंग एसोसिएशन दोनों संस्थाओं को एक पत्र भेजा था और उसकी प्रतिलिपियां यहां के तमाम बड़े माइका कम्पनियों को भेजी गई, उसमें उन्हें साफ तौर पर चेतित किया गया था कि दि. १-२-६३ से हर मजदूर को ५) रु० प्रति माह बढ़ोतरी देनी ही पड़ेगी। विजय माइका कम्पनी के भीलवाड़ा फेक्टरी को दि. ८-३-६४ से बंद होने से रोकना पड़ेगा। श्री सुदर्शन मिनरल के निकाले गये मजदूरों का संतोषजनक फैसला करना ही पड़ेगा। छटनी को मजदूर बर्दास्त नहीं करेंगे, इन बातों के बातचीत और समझोतों के शान्तिमय तरीकों से लागू नहीं किया गया तो अभ्रक उद्योग में मजदूर संघर्षों का एक तूफान आयेगा, हमारी सभा ने शान्ति का रास्ता अपनाया है लेकिन अगर मजबूर किये गये तो एक ऐसी लड़ाई छिड़ जाएगी जो उद्योग के लिये हानिकारक सिद्ध हो सकती है। लेकिन मांगे तो मंजूर होकर रहेंगी। बातचीत के द्वारा जो किया जा सकता है उसे संघर्ष के द्वारा क्यों किया जाय ? हम समझदारी से काम लेना चाहते हैं और उम्मेद करते हैं कि मालिक वर्ग भी वैसा ही करेंगे।

उसके बाद श्री सु. मि. के निकाले गये मजदूरों को अभ्रक के तमाम फेक्टरियों और नये और पुराने कपड़ा मिलों के मजदूरों से परिचय कराते हुए उनके संघर्ष के महत्व को हमारी सभा ने यहां के तमाम मजदूरों को गेट मीटिंगों द्वारा समझाया। भीलवाड़ा के जनवादी समाजवादी मजदूर वर्ग ने पूरे जोश खरोश के साथ इन मजदूर साथियों को विश्वास दिलाया कि अब यह लड़ाई सारे मजदूरों की है। इसे हम हारने नहीं देंगे। दि. १-२-६४ को दूदूवाला कम्पनी के गेट के सामचे से शाम को एक मजदूरों का जुलूस निकला और वह सारे शहर में होकर गुजरा बाजार से गुजरते वक्त जुलूस ३००-३५० तक पहुँचा। दि. २-३-६४ को स्टेशन चौराहे पर हमारी सभा की तरफ से एक आम सभा हुई। लेबर आफीसर के अनुरोध पर धरना एक दिन के लिये स्थगित करने का तय हुआ। दि. ३-३-६४ को फिर से आम सभा हुई और सभा खतम होते ही उसी स्थान से श्री शु. मि. के निकाले गये मजदूरों को लेकर एक जुलूस निकला जो पूसा निवास के सामने समाप्त हुआ और धरने की शुरूआत हुई, जब ६-३-६४ तक कोई भी सुनवाई नहीं हुई तब मुझे एलान करना पड़ा कि समझौता न होने के हालत में दि. ९-३-६४ को शाम के ६ बजे से मुझे भूखहड़ताल करना पड़ेगा।

अब आज धरने का ७ वा दिन है लेकिन न लेबर ऑफीसर के तरफ से न कंपनी के तरफ से हमे कोई सूचना मिली फिर भी हम शाम के ६ बजे तक इन्तजार करेंगे उसके बाद में "पूसा निवास" के सामने भूक हड़ताल शुरु करूंगा। यह भूक हड़ताल तबतक चलेगा जबतक निकाले गये मजदूरों को इज्जत के साथ संतोषजनक फैसला नहीं होता।

श्री सु० मि० के निकाले गये मजदूरों ने दृढ़ता के साथ तय किया है कि वे पीछे नहीं हटेंगे। इनके बहादूराना संघर्ष ने तमाम धंधों में काम करने वाले मजदूरों का ध्यान अपने ओर आकर्षित कर लिया है। लाल झंडे ने अपनी आन और शान को बाजी में लगाया है। मैंने भी उसी के एक सिपाही की हैसियत से अपने जान की बाजी लगाना अपना फर्ज समझा है। श्री सु० मि० के मजदूर पीछे नहीं डटेंगे। लाल झंडा पीछे नहीं हटेगा। अब इसे भीलवाड़ा के बहादूर इन्कलाबी मजदूर वर्ग ने थामा है। वहीं इस आंदोलन को कामयाबी के मंजील तक पहुँचायेंगे। नवजागृत मजदूर एकता की भावना जिन्दाबाद। तमाम धंधों में काम करने वाले मजदूर दोस्तों आगे बढ़ो। मजदूरों और किसानों के लहू से रंगे इस लाल झंडे की रक्षा करने का भार अब आप लोगों के कंधों पर है। इस जिम्मेदारी को एक जूट होकर निभावे। आपकी शक्तिया जीत होगी। भीलवाड़ा के तमाम धंधों में काम करने वाले मजदूरों एक हों। "पूसा निवास" के सामने से लाल झंडा हटने न पाय, मरना लेकिन झुकना नहीं।

मुझे विश्वास है कि कम्युनिस्ट पार्टी के तमाम साथी और भीलवाड़ा के इमानदार प्रगतिशील समाजवादी तबके के नागरिक और मित्र इस मजदूरों के बहादूराना संघर्ष को कामयाब बनाने में पूरजोर कोशिश करेंगे और मददगार होंगे। मेरे भूक हड़ताल पर बैठने के बाद इस संघर्ष का संचारन की जिम्मेदारी हमारी सभा के संयुक्त मंत्री साथी गंगारामजी के कंधों पर होगी उनके सुपुर्द किये जिम्नेदारी को वे पूरी तरह कामयाबी के साथ निभायेंगे इस बात का मुझे पूर्ण विश्वास है।

★ इन्कलाब जिन्दाबाद ★ राजस्थान खनिज मजदूर सभा जिन्दाबाद ★ ए. आई. टी. यू. सी. जिन्दाबाद ★ कम्युनिस्ट पार्टी जिन्दाबाद ★ श्री सु. मि. के बहादूर मजदूर जिन्दाबाद ★ दुनिया के मजदूरों एक हो ★ लाल झंडा झुकने न पाय पीछे हटने न पाय।

आपका साथी
दुर्गादांस शिराली
मन्त्री
राजस्थान खनिज मजदूर सभा (लाल झंडा)
पीतल का कारखाना भीलवाड़ा

६-३-६४

आगे बढ़ो

रात के राही थक मत जाना सुबह कि मंजील दूर नहीं
धरती के फैले आंगन में पल दो पल है रात का डेरा
जुल्म का सीना चीरके देखो झांक रहा है लाल सवेरा
ढलता सूरज मजबूर सही उगता सूरज मजबूर नहीं
थक मत जाना ओ राही सुबह कि मंजील दूर नहीं
सदियों तक चुप रहने वाले अब अपना हक लेके रहेंगे
जो कहना है साफ कहेंगे जो करना है खुलके करेंगे
जीतेजी घुट घुट कर मरना इस युग का दस्तूर नहीं
थक मत जाना ओ राही सुबह कि मंजील दूर नहीं
टूटेगी बोझल जंजीरे जागेगी सोइ तकदीरें
लूटपे कबतक पेहरा देंगी जंग लगी खूनी शमशीरें
रह नही सकता इस दुनिया में जो सबको मंजूर नहीं
थक मत जाना राही सुबह की मंजील दूर नहीं

गोपाल प्रिंटिंग प्रेस, भीलवाड़ा

27/4/64.

२६ मार्च को जयपुर चलो

राजस्थान विधान सभा के सामने

विराट जन प्रदर्शन

भाइयों,

राजस्थान के करोड़ों गरीब व सामान्य लोगों का जीवन आज भयंकर रूप से त्रस्त है। मंहगाई लगातार बढ़ रही है और सरकार कीमतों पर रोक लगाने में एकदम नाकामयाब रही है। उल्टा आम लोगों पर लगातार टेक्सों का बोझा लाद रखा है।

वैसे तो यह सरकार जन विरोधी नीतियों और टेक्सों के लिये मशहूर है। पर जबसे देश में आपतकालीन स्थिति पैदा हुई है खुले आम भ्रष्टाचार और गर्दन तोड़ टैक्सों से जनता त्राहि त्राहि कर रही है। रोजमर्रा की चीजें तेल, गुड़, शक्कर, चीनी, टीनें मिलती ही नहीं। हजारों बोरे चीनी, टीनें किसान मजदूर और आम जनता के लिये आती है लेकिन अधिकारी लोग खा जाते हैं। गरीबों को जापे और बीमारी में भी चीनी नहीं मिलती है, आम जनता टीनों और चीनी और गुड़ के लिये जिला कलक्टर के दफ्तर के आगे सुबह से शाम तक खड़े रहते हैं। मगर उनको खाली हाथ ही लौटना पड़ता है। अनाज के भाव आसमान को चढ़ने लगे हैं और सस्ते अनाज के नाम पर सड़ा हुआ गेहूँ दिया जा रहा है। जनता का जान माल असुरक्षित है। पुलिस चोरों से साझा करती है, और राजनैतिक कार्यकर्त्ताओं को झूंठे षणयन्त्रों में फंसाती है।

किसान पर बढ़े हुए लगान व सरचार्ज की मार है। पुरुषार्थी किसान से वायदा खिलाफी की जाकर उसे लूटा जा रहा है। मजदूर को वाजिब तनख्वाह नहीं और बढ़ी हुई मंहगाई के बराबर भत्ता नहीं मिलता। बेरोजगरी लगातार बढ़ रही है। मध्यम वर्ग का मुलाजिम, व्यापारी सब मंहगाई व टेक्सों की मार से परेशान है।

इन हालतों के पैदा होने का कारण है सरकार की जन विरोधी नीतियां जो निहित स्वार्थों को तो रियायतें देती है और दूसरी ओर आम लोगों पर बोझ डालती है। समाजवाद का नाम लेकर वास्तव में इजारेदार पूंजिपतियों, राजाओं और नवाबों व जागीरदारों को रियायतें देने की नीति अपना रही है।

सरकार की इन जन विरोधी नीतियों से टक्कर लेने, उन्हें परास्त कर, निहित स्वार्थों पर चोट करने की नीति लागू कराने की मांगों के समर्थन में राजस्थान कम्युनिस्ट पार्टी, किसान सभा व ट्रेड यूनियन कांग्रेस ने विधान सभा के सामने एक विराट प्रदर्शन का आह्वान किया है।

साथियों उपरोक्त जुल्मों के खिलाफ ता० २६ मार्च को विधान सभा के सामने विराट प्रदर्शन करने को हजारों की तादाद में जयपुर चलो। सभी साथी रेल से व मोटरों से व पैदल २६ मार्च को ८ बजे तक जयपुर पहुंच जायें।

मांगें

१. मंहगाई पर रोक लगाई जावे और आवश्यक वस्तुओं के भाव जौलाई १९६२ के स्तर पर लाए जाएं इसके लिये-
   (अ) अनाज का थोक व्यापार सरकार अपने हाथ में ले।
   (आ) किसान को उसकी पैदावार की वाजबी कीमत की गारण्टी की जाय।
   (इ) सस्ते और अच्छे अनाज की दुकानें जगह जगह खोली जावें।
२. मंहगाई के मुताबिक पूरा मंहगाई भत्ता दिया जाय। तत्कालीन राहत के रूप में मंहगाई भत्ते में १०) बढ़ाये जायें।
३. मंहगाई सूचक अंक सही आधारों पर तैयार किया जाय।
४. न्यूनतम वेतन ८०) रु. तुरन्त में लागू किया जाय। तीन वर्ष में इसे १०५) रु. कर दिया जाय।
५. आवश्यक चीजों पर सेल्स टेक्स में कमी की जाय।
६. किसानों के लगान में कमी की जाय। लगान को वैज्ञानिक आधार पर तय किया जाय तथा अलाभदायक जोत को लगान से मुक्त किया जाय।
७. किसानों पर लगाया गया सरचार्ज वापस लिया जाय।
८. जमीन के बारे में सरकार की नीति में आमूल परिवर्तन हो।
   (क) सरकारी जमीन भूमिहीन किसानों को बांट दी जाय।
   (ख) प्रोजेक्ट इलाकों में जमीन की नीलामी बन्द हो और भूमि भूमिहीन किसानों में बांट दी जाय।
   (ग) अलवर, भरतपुर के पुरुषार्थी किसानों का समझौता ठीक से लागू किया जाय। इसी आधार पर गंगानगर व राजस्थान के अन्य पुरुषार्थी किसानों से मसला तय किया जाय। अलवर भरतपुर के पड़ोदार किसानों को इसी आधार पर भूमि दी जाय।
९. प्रीवीपर्स बन्द की जाय। इसके लिये आवश्यक वैधानिक कदम उठाये जायें। मुफ्त दी जाने वाली राजाओं को बिजली पानी व अन्य सुविधाएं बन्द की जांय।
१०. बड़े जागीरदारों को मुआवजे का भुगतान १० वर्ष के लिये स्थगित किया जाय।
११. मोटर यातायात का राष्ट्रीयकरण तेजी से लागू किया जाय।
१२. राजस्थान के ऊन व भोड़ल का विदेशी व्यापार सरकार हाथ में ले।
१३. बैंक के राष्ट्रीयकरण के लिए कदम उठाये जाय।
१४. प्रशासन के खर्चे में कमी की जाय।
१५. भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जाय। यह काम सार्वजनिक कमेटियों की देखरेख में दिया जाय।
१६. नागरिक अधिकारों पर हमले बन्द किये जाय खास कर पुलिस का अत्याचार बन्द किया जाय।

मोहम्मद	नन्दलाल वर्मा	नन्दलाल भंडारी	राजेन्द्रकुमार शर्मा
जिला बीड़ी मजदूर यूनियन भीलवाड़ा	राजस्थान खनिज मजदूर सभा भीलवाड़ा	जिला किसान सभा भीलवाड़ा	रोड ट्रांसपोर्ट मजदूर यूनियन भीलवाड़ा
दुर्गादास शराली	**भंवरलाल**	**कमरूद्दीन**	**रामस्वरूप भंडारी**
जिला कम्युनिस्ट पार्टी भीलवाड़ा	प्रतापनगर ब्रांच कमेटी कम्युनिस्ट पार्टी, भीलवाड़ा	रोड बिल्डिंग एण्ड ऐरीगेशन लेबर यूनियन, भीलवाड़ा	शहर कम्युनिस्ट पार्टी भीलवाड़ा

गोपाल प्रिंटिंग प्रेस, भीलवाड़ा

۶ مارچ سے ۱۲ مارچ تک بین الاقوامی ہفتہ
۷ مارچ کو ۵ امنٹ کا مظاہرہ کریئے

یہ ہفتہ دنیا بھر کے سوتی، سلائی، چمڑہ صنعت کے مزدوروں کی بین القوامی ٹریڈ یونین کمیٹی کے ذریعہ منایا جاتا ہے۔ اور اپنی مانگوں کیلئے طبقاتی اتحاد، جدوجہد اور کامیابی حاصل کرنے کے لئے بین القوامی مزدور اتحاد اور برادرانہ دوستی کا مظاہرہ کرتے ہیں۔

۳ مارچ کو مزدور سبھا میں ہونیوالی میٹنگ میں فیصلہ ہوا ہے کہ کوپرالین ونار تھ ولیسٹ ٹینری کے مزدوروں نے اپنی مانگیں کے لئے نوٹس دیا تھا اس پر مالک اور سرکار نے جو بے اختیار کر رکھی ہے اور مزدور مخالف پالیسی زوروں پر ہے۔ مالکان اپنی منافع خوری کیلئے بھرشٹاچار بڑھ رہا ہے۔ مزدور پر زبردستی اور تنخواہ کٹوتی جا تو ہے۔ بھرشٹاچاری افسران پھوٹ ڈال رہے ہیں۔ سرکار کے ۲۹ فروری تک سستے غلہ کی دکان کے فیصلہ کو ٹھکرا دیا ہے اسلئے کمیٹی نے مندرجہ ذیل کارروائی کرنے کا فیصلہ کیا ہے۔ اور مندرجہ بالا ہفتہ منانے کا طے کیا ہے۔

۶ مارچ کو ہر مزدور اپنی مانگوں کا بلّا لگائے گا۔

۷ مارچ چھٹی کے بعد ۲ بجے سے ۲ ۵ تک اپنے کارخانے کے دفتر کے سامنے ۵ امنٹ مظاہرہ کرینگے۔

۸ مارچ بروز اتوار ۲ بجے شام کو مزدور سبھا ہال میں سوتی۔ سلائی، چمڑہ صنعت کے مزدوروں مل کمیٹیوں اور یونین کے نمائندوں کی ایک میٹنگ ہوگی۔ جسمیں دنیا کے سوتی، سلائی، چمڑہ مزدوروں سے برادرانہ دوستی اور بڑھتے ہوئے ٹیکس، مہنگائی کے خلاف متحدہ جدوجہد کا فیصلہ کریں گے۔

۹ مارچ کو لکھنؤ میں اسمبلی ہاؤس کے سامنے مندرجہ بالا مانگوں کیلئے مظاہرہ میں شامل ہونگے۔

۱۰ مارچ کو شہر کی تمام دوسری یونینوں کے ذریعہ مہنگائی ٹیکس کے خلاف ہونیوالے مظاہرہ میں شامل ہونگے۔ ۶ مارچ سے ۲۱ مارچ تک ممبر بھرتی کرنے کی تیاریاں ہوگی۔

۲۲ مارچ کو چمڑہ مزدوروں کا ایک ڈیپوٹیشن شری ایس۔ ایم بنرجی کے رہنمائی میں پنڈت نہرو وزیراعظم کو درخواست پیش کرے گا۔

۲۵، ۲۶ اپریل سنہ ۱۹۶۴ء کو کانپور میں ایک چمڑہ مزدوروں کی کانفرنس ہوگی۔

دنیا کے مزدورو ایک ہو۔ انقلاب زندہ باد

(آواز وطن پریس پریڈ کانپور)

کوپرالین کمیٹی

کانپور ٹینری اینڈ لیدر ورکرس یونین

६ मार्च से १२ मार्च तक मज़दूर अन्तर्राष्ट्रीय सप्ताह
७ मार्च को १५ मिनट का प्रदर्शन करिये।

यह सप्ताह दुनियां भर के सूती, सिलाई, चमड़ा उद्योगों के मज़दूरों की वि-श्व ट्रेड यूनियन कमेटी द्वारा मनाया जाता है तथा अपनी मांगों के लिये वर्गी एकता, संघर्ष और कामयाबी प्राप्त करने के लिये अन्तर्राष्ट्रीय मज़दूर एकता तथा भाई चारा का प्रदर्शन करते हैं।

३ मार्च को मजदूर सभा में होने वाली मीटिंग में फैसले हुए हैं कि कूपर एलन, नार्थवेस्ट टेनरी के मज़दूरों ने अपनी मांगों के लिये नोटिस दिया था इस पर सरकार व मिल मालिक ने चुप्पी साध रखी है और मजदूर विरोधी नीति आज भी चालू है, मालिक अपनी मुनाफा खोरी के लिये भृष्टाचार बढ़ा रहे हैं, मज़दूरों का शोषन बढ़ रहा है, मज़दूरी काटी जा रही है, भृष्ट अधिकारी फूट डाल रहे हैं, सरकार के २६ फरवरी तक गल्ले की दुकान खोलने के फैसले को ठुकरा दिया है, इस लिये कमेटी ने निम्न कार्य क्रम निर्धारित किया है और उपरोक्त सप्ताह मनाना तय किया है।

६ मार्च को हर मज़दूर अपनी मांगों का बिल्ला लगावे।
७ मार्च को छुट्टी के बाद ४ से ४ ¼ बजे तक अपने कारखाने के दफ्तर के सामने १५ मिनट बिल्ला लगा कर प्रदर्शन करें।
८ मार्च दिन इतवार ६ बजे शाम को मजदूर सभा भवन में सूती, सिलाई (टेन्ट) चमड़ा उद्योगों के मजदूरों, मिल कमेटियों और यूनियनों के प्रतिनिधियों की एक बैठक होगी जिस में दुनिया के सूती, सिलाई, चमड़ा मजदूरों में भाई चारा का प्रदर्शन किया जायगा तथा इस बढ़ते हुये टेक्स व मंहगाई के विरुद्ध संयुक्त संघर्ष का फैसला करेंगे।
९ मार्च को लखनऊ विधान सभा के सामने उपरोक्त मांगों के लिये परदर्शन करेंगे।
१० मार्च को नगर की तमाम यूनियनों द्वारा आयोजित मंहगाई, टेक्स विरोधी प्रदर्शन में सम्मलित होंगे।
६ मार्च से २२ मार्च तक सदस्यता पखवारा मनाया जायगा।
२२ मार्च को चमड़ा मज़दूरों का एक प्रतिनिधि मण्डल श्री एस. एस. बनर्जी एम. पी. के नेतृत्व में तमाम हस्ताक्षरों की याचिका पण्डित नेहरू प्रधान मंत्री को पेश करेगा।
२५-२६ अप्रैल को एक चमड़ा मज़दूरों का सम्मेलन करना तय हुआ है।

धन्यवाद

दुनिया के मजदूरो एक हो। ———— इनक़ेलाब जिन्दा बाद॥

कूपर एलन कमेटी
कानपुर टेनरी एन्ड लेदर वर्क्स यूनियन कानपुर (यू.पी.)

स्थापित १०-५-६१ रजिस्टर्ड नं० २२६२

सूती मिल मजदूर सभा।

सादाबाद गेट हाथरस

A. I. T. [illegible]
Received 908
Replied 6/6/64

पत्रांक [illegible] दिनांक [illegible]

(१)

सेवा में,

श्री मैनेजर साहब,

[illegible] मिल्स [illegible]

महोदय,

जैसा कि आपको विदित है कि आपने अपने मिल को अनुचित व अवैधानिक ढंग से ता० १-६-६४ से बन्द करके भी श्रमिकों को उनका वेतन व मुआवजा आदि नहीं दिया और मिल मालिक [illegible] मिल के अन्दर से [illegible] हटा रहे हैं।

इस बीच [illegible] विवाद सं० २६ सन ६४ [illegible] औद्योगिक न्यायाधिकरण [illegible] के समक्ष विचाराधीन है इस कारण आप कानूनन तुरन्त भी मजदूरों का पूरा वेतन देने के अधिकारी हैं। किन्तु आपने इस वर्ष के [illegible] [illegible] [illegible] एजेन्ट [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] तथा [illegible] आदि के प्रयत्न करने से भी आप श्रमिकों को [illegible] देने को तैयार नहीं हैं और न उन [illegible] वेतन, मुआवजा, बोनस तथा छुट्टियों का पैसा ही दे रहे हैं।

(आगे)

स्थापित १०-५-६१ रजिस्टर्ड नं० २२६२

सूती मिल मजदूर सभा।

सादावाद गेट हाथरस

पत्रांक.................. (२) दिनांक [illegible]

अतः आप से अनुरोध है कि आप तुरन्त ही [illegible] को पूरा [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] करें।

प्रतिलिपि [illegible] प्रेषित

1- लेबर कमिश्नर कानपुर

2- रीजनल [illegible] अलीगढ़

3- श्रम [illegible] (उ०) [illegible] उत्तर प्रदेश

4- [illegible] (सेन्ट्रल) नई दिल्ली

भवदीय

[signature]

मंत्री

सूती मिल मजदूर सभा
हाथरस।

9/6/64.

[illegible]

:- ओ३म् :-

कार्यालय बुन्देलखण्ड मोटर कर्मचारी संघ

झांसी (यू० पी०)

पत्र संख्या ३६४/६४ रजिस्टर्ड नं० २५०२ दिनांक १३-७-१९६४ 13-7-1964

प्रेषक :-
प्रधान मन्त्री
बु० मोटर कर्मचारी संघ, झांसी

A. I. T. U. C.
Received 1224 16/7/64
Replied ....

सेवा में :- श्री मान जनरल सैक्ट्री अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन उत्तर प्रदेश ग्वाल टोली कानपुर।

आपका ध्यान आकृषित करते हुये लिखा जाता है कि झांसी जिले में कम से कम २०० मोटर ~~बसें हैं~~ बसें चलती हैं और जिनपर ६०० मोटर कर्मचारी काम करते हैं यहां के मोटर ओपरेटर के नाम एक एक बस का एक परमिट एक व्यक्ति के नाम दिया जाता है मगर सुपरवीजन एक व्यक्ति के पास दस दस मोटर बसों का है हमारे कर्मचारियों के लिये एक मोटर ट्रान्सपोर्ट एक्ट बना हुआ है मगर एक अर्से से लागू नहीं होता क्योंकि एक बस का एक मालिक है और एक बस पर ३ कर्मचारी ही काम करते हैं। मोटर ट्रान्सपोर्ट एक्ट ५ कर्मचारी होने पर लागू होता है इसकी वजह से यहां के सभी मोटर ओपरेटर मोटर ट्रान्सपोर्ट एक्ट से बच निकलते हैं। ऐसे कानून से हमारे संघ ~~को~~ के साथियों को कोई लाभ नहीं होता। अतः संघ इस बात की भारत सरकार से मांग करता है कि २ कर्मचारी रखने पर भी मोटर ट्रान्सपोर्ट एक्ट लागू होना चाहिये जिससे की आये दिन जो कर्मचारी नौकरी से पृथक कर दिये जाते हैं उसमें परिवर्तन होगा और कर्मचारियों को सहूलियत मिलेगी।

भवदीय [signature]
GENERAL SECRETARY,
Bundelkhand Motor Karmchari Sangh
JHANSI. 14-7-64

प्रतिलिपि प्रेषित

१- अखिल भारतीय ट्रेड्यूनियन ५ झंडा वालान रानी झांसी रोड दिल्ली।
२- लेबर कमिश्नर ए० आगरा।
३- श्री लक्ष्मनराम शर्मा एम० एल० ए० व अध्यक्ष बुन्देल खण्ड मोटर कर्मचारी संघ झांसी :लखनऊ:

at the meeting.
From the reports
in the Press
appears there is
good international
response to the
conference. I hope
some trade union
leaders will also
come.

Yours sincerely

Bijoy Bose

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
भारत
6 nP

16 OCT 64

Sri Satish Loomba,
All India Trade
Union Congress
Jhandewalan
New Delhi

Kanpur
16. 10. 64.

A.I.T.U.C.
Received 17/10/64
Replied

My dear Loomba,

I have your notice for the trade unionists meeting on Oct. 17 to prepare for the World conference on Nov. 14.

I am busy conducting a strike in the Central Workshop of U.P. Govt. Roadways. Today is the 35th day of the strike. I am, therefore, unable to leave Kanpur. Do let me have the information about the decisions taken

मजदूरों की ये आवाज़

A. I. T. U. C.
Received 27/7/64
Sent

सस्ता गल्ला ले के रहेंगे
अब हम भूखे नहीं मरेंगे

Kanpur 1964

पैसा देने पर भी गल्ला व शक्कर नहीं मिलती

कानपुर में हाहाकार

जनता से अपील

"रोटी दो" या गद्दी छोड़ो का नारा बुलन्द कीजिये !

बन्धुओ,

आज कानपुर में गल्ले और शक्कर की हालात किसी से छिपी हुई नहीं है। एक तरफ गेहूँ, चावल और शक्कर पैसा देने पर भी मिल नहीं रहा है और दूसरी तरफ चीजों के दाम दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। सरकार की इस निकम्मी नीति से सारे देश में हाहाकार मचा हुआ है और वह दिन दूर नहीं है जब मां बाप अपने बच्चों को भूख और प्यास से तड़पते हुए देखेगे लेकिन क्या हम और आप एसा होने देंगे ? अभी दिल्ली में मुख्य मंत्रियों के सम्मेलन में जो फैसले लिए गए थे वह केवल जनता को भ्रम में डालने के लिए थे। आज भी खुले आम जखीरे बाजी, चोर बाजारी और भ्रष्टाचारी दिन दहाड़े चल रही है। इस सरकार में हिम्मत नहीं कि इस अन्याय के खिलाफ ठोस कदम उठाये राशन की दुकानों में गल्ला या शक्कर नहीं है आधे से ज्यादा आदमियों को रोज निराश होकर वापिस आना पड़ता है। सरकार के ब्यानों से यह प्रतीत होता है कि इन सब समस्याओं का समाधान हो चुका है लेकिन असलियत कुछ और ही है।

इसका इलाज सिर्फ एक ही है

हम सब भाई बहिन एक होकर स्वर्गीय गनेशशंकर जी विद्यार्थी की परम्पराओं के आधार पर अपने बाल बच्चों को भूख से बचाने के लिए आवाज बुलन्द करें और गर्जती हुई आवाज में कहे कि **रोटी दो या गद्दी छोड़ो** ऐसी निकम्मी सरकार से जनता को कोई फायदा नहीं जो पैसा देने पर भी खाने को गल्ला न दे सके।

अविश्वास का प्रस्ताव

मैंने यह तय किया है कि सितम्बर सन् १९६४ में लोक सभा खुलते ही अविश्वास का प्रस्ताव प्रस्तुत करूँगा लेकिन इस प्रस्ताव का असर तभी होगा जब बाहर से जनता आन्दोलन करे।

अन्त में मैं अपने भाइयों और बहिनों से निवेदन करना चाहता हूँ कि वे राजनैतिक मतभेदों को भूलकर इस मसले को संयुक्त मोर्चा द्वारा उठाए और हर मुहल्ले में दाम रोको कमेटियाँ बनाए मीटिंग करे और मीटिंग के बाद जलूस निकाल कर **'रोटी दो या गद्दी छोड़ो" के नारे को बुलन्द करे** और सरकार को सस्ता अनाज देने पर मजबूर करे।

जयहिन्द

आप का भाई

एस० एम० बनर्जी

सदस्य लोक सभा

कमला टावर होशियार, हम सब फिर से हैं तैयार ॥

२४ जुलाई सन् १९६४ को विशाल जुलूस

24/07/1964

जे० के० रेयन में अशान्ति के बादल

कानपुर की जनता से अपील............

साथियों,

पिछले ५ वर्षों से जे० के० रेयन के श्रमिक अपनी उचित मांगों के लिए संघर्ष कर रहे हैं किन्तु मैनेजमेन्ट उन्हें मानने के बजाय मजदूरों का बराबर दमन और शोषण करती आ रही है।

सन १९६२ में हुई ३ महीने की एतिहासिक हड़ताल के बाद मैनेजमेन्ट ने मजदूरों पर मनमाने जुल्म ढाने शुरू कर दिए, यह दौर अभी तक चल रहा है, गलत चार्जशीटें देना, मुअत्तिल करना, सालाना तरक्की रोकना आदि।

आज जब कि समस्त जन-जीवन बढ़ी हुई मंहगाई के कारण परेशान है, जे० के० रेयन का हेल्पर सिर्फ ६५) माहवार पा रहा है। हम चाहते हैं कि हमारी मांगों पर शीघ्र विचार किया जाय किन्तु मैनेजमेन्ट बराबर टालती जा रही है।

जे० के० आर्गनाईजेशन जैसा बदनाम संगठन जिस की हठधर्मी के कारण जे० के० जूट मिल में चल रही हड़ताल का कोई फैसला नहीं हो पा रहा है (हम सब इस लड़ाई में अपने मजदूर साथियों का पूर्ण समर्थन करते हैं)।

मैनेजमेन्ट के वर्तमान रवैये के कारण जे० के० रेयन में मजदूरों का असन्तोष अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया है। हम लेवर कमिश्नर एवं मैनेजमेन्ट से यह निवेदन करते हैं कि हमारी मांगों पर शीघ्र ही सहानुभूति ढंग से विचार करते हुए समझौता करें अन्यथा उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रकार की अशान्ति का उत्तरदायित्व उन्हीं पर होगा।

कानपुर की बहादुर जनता से हमारी अपींल है कि वह वर्तमान मँहगाई संकट (जिसे सरकार एवं पूँजीपतियों ने मिलकर पैदा किया है) और अपनी माँगों के संघर्ष में हमारी सहायता करें।

हमारी माँगें :—

(१) २५ पैसे प्रतिरुपये के हिसाब से १९६३ का बोनस बांटा जाय।
(२) बढ़ी हुई मंहगाई को देखते हुये कम-से-कम २०) प्रतिव्यक्ति बढ़ाया जाय।
(३) निकाले हुये सभी साथी वापस लिए जाँय।
(४) जे० के० रेयन वर्क्स यूनियन को मान्यता प्रदान कीं जाय।

नया जमाना आयेगा ! कमाने वाला खायेगा ! ! लूटने वाला जायेगा ! ! !

जे० के० रेयन वर्क्स यूनियन — जिन्दाबाद

कमला टावर होशियार, हम सब फिर से हैं तैयार ॥

मजदूर एकता — जिन्दाबाद

एस० एम० बनर्जी (एम० पी०) — अध्यक्ष
मनोहरलाल (सभासद) — उपाध्यक्ष
ओ० पी० दीक्षित — महामंत्री

शिवराम सिंह कुशवाहा — कोषाध्यक्ष
पति राखन सिंह — अध्यक्ष संघर्ष समिति

विजय बहादुर सिंह, अमरनाथ मिश्रा (टेक्स), जे० सी० निगम, रामनाथ पाण्डेय (स्पि०)
ओ. पी. बाजपेई (विस्कोश), किशनलाल चावला (गंगाघाट), जगतनरायण त्रिवेदी (के.डी.)
राम सेवक सिंह (स्पि० बाथ०)

सदस्य संघर्ष समिति

जे० के० रेयन वर्क्स यूनियन कानपुर।

-: ओ३म् :-

कार्यालय बुन्देलखण्ड मोटर कर्मचारी संघ

झांसी (यू० पी०)

पत्र संख्या 323/64 रजिस्टर्ड नं० २५०२ दिनांक 26.7.1964

1427 29/7/64

प्रेषक :-

प्रधान मन्त्री

बु० मोटर कर्मचारी संघ, झांसी

सेवा में :-

आदरणीय कामरेड

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस

५ झण्डेवालान

रानी झांसी रोड नई देहली ।

विषय:- संख्या ५०२०१ट्र-७-३२ दिनांक मई ६४ कार्यालय रजिस्ट्रार ट्रेड यूनियन्स उत्तर प्रदेश कानपुर जो सहायता संबंधी उपलब्ध हुआ है कि पूर्ति हेतु आप की सिफारिश ।

उपरोक्त सर्कुलर हमारे कार्यालय में प्राप्त हो चुका है अतः हमारी यूनियन भी उपरोक्त पत्र द्वारा अंकित कार्य संचालित करना चाहती है जिसकी सूचि तथा डिमान्ड लिस्ट पत्र के साथ संलग्न है । आशा है आप हमारे कार्य को ~~[illegible]~~ सम्पादित कराने हेतु प्रयत्नशील होंगे । तथा अपने कार्यालय द्वारा हमारे पत्र पर जोरदार सिफारिश कर हमें, हमारे साथियों तथा यूनियन को अनुगृहित करेंगे ।

Replied

निवेदक

GENERAL SECRETARY,

Bundelkhand Motor Karmachari Sangh,

JHANSI. 26-7-64

श्री मान Aitue ने इकट्ठा

A. I. T. U. C.
Received 10/8/64
Replied...

जिलाधीश महोदय से अपील

श्रीमान जी,

बुन्देलखण्ड मोटर कर्मचारी संघ झांसी ने कुछ मागों को लेकर २७ जुलाई १९६४ से आन्दोलन चला रक्खा था। इस आन्दोलन के दौरान २८ जुलाई को संघ के २१ सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं को पुलिस ने धारा ५०४, १५१ व ३४२ के अन्तरगत गिरफ्तार कर लिया था।

दिनांक ३१ जुलाई को लगभग ४ बजे शाम स्थानीय सिटी मजिस्ट्रेट के अकथ प्रयास के कारण मोटर कर्मचारियों और मालिकों के मध्य सी० एम० श्री डरवाल की मौजूदगी में एक ऐसा समझौता हुआ जिसके अन्तर्गत मालिकों और कर्मचारियों के हृदय में एक दूसरे के प्रति कटुता के स्थान पर सदभावनायें जागृत हुई। निकाले हुए कर्मचारियों को काम पर वापिस लेने का आश्वासन यूनियन द्वारा क्लेम की गई हरजाने की राशि के देनेका वायदा व आन्दोलन के दौरान कर्मचारियों पर कोई कार्यवाही न करने की मालिकों की नीति ने आम मोटर कर्मचारियों पर कार्यवाही न करने की मालिकों की नीति ने आम मोटर कर्मचारियों के हृदय में उत्साह भर दिया और उन्होंने मोटर मालिक एकता जिन्दावाद के नारे लगाये।

अब हमारी भी आप से अपील है कि आप उक्त मुकद्दमा जो कि पुलिस द्वारा २७ जुलाई को दर्ज किया था उसे वापिस लेने की कृपा करे। क्योंकि सदैव ऐसा देखा गया है आन्दोलन के दौरान अगर पुलिस उक्त कार्यवाही करती है तो समझौता के बाद कतिथ ऐसे कार्य सरकार द्वारा वापिस ले लिये जाते हैं।

ता०.......

प्रार्थी—
मैथलीशरण रावत
बुन्देलखण्ड मोटर कर्मचारी संघ झांसी।

आशा प्रिंटिंग प्रेस झांसी।

सांस्कृतिक :- १. महापुरुषों की जयन्तियां मनाना एवं उनके जीवन चरित्रों पर विद्वानों द्वारा प्रकाश डालना : विद्वानों के बुलाने इत्यादि की व्यवस्था हेतु ४००: अंक में : चार सौ रुपया ।

म्यूजिक इन्स्ट्रूमेन्ट हेतु

सामाजिक :- हन्टर एवं आउट डोर खेलों की प्राप्ति हेतु :- संगीत वाद्य यंत्रों हेतु
:अ: युवक क्रीड़ा दल की स्थापना सामान हेतु :- ६०० रुपया ।

:ब: देश विदेश के बारे में जानकारी प्राप्त करने के हेतु ~~रेडियो तथा~~
रेडियो तथा समाचार पत्र पत्रिकायें ।
एवं पुस्तकालय के लिये । अनुमानित व्यय ४००) चार सौ रुपया

शैक्षिक उत्थान :- अछूत साथियों के लिये प्रौ० पाठशाला जिसमें फर्नीचर प्रकाश व्यवस्था पठन, सामग्री :- ८०० रुपया ।
ब, फीस , पठन सामग्री व्यवस्था आदि पर अनुमानित व्यय ८००)
आठ सौ रुपया होगा।

कर्मचारी ... मोटर स्टैण्ड, झाँसी
दिनांक 26.7.61

A. I. T. U. C.
Received 1361 11/2/64.
Replied........

रजिस्टार सा०

ट्रेडयूनियन्स मध्य प्रदेश इन्दौर

बिषय :- ट्रेड यूनियन एक्ट सन् १९२६ कि धारा २० और ट्रेड यूनियन मध्य प्रदेश सरकार की धारा 32 के अन्तर्गत कार्यवाही हेतु।

महानुभाव जी,

मै सुमेश्वर वल्द हनुमान दीन जाति कहार पो० आ० मनुक पुर. मुकाम पटौरा बस्ती जिला शहडोल मध्य प्रदेश ऐसा जो कि निवेदन पेश करता हूँ। कि मै बुढार - कालरी मजदूर संघ का मेम्बर नही हु परन्तु मेरे - मामले को बुढार कालरी मजदूर संघ ने कनसीलेसन के लिये जबलपुर भेज दिया है। मुझे तारीख आने पर पता चला है। पूर्ण मामला व असल कागजात मजदूर सभा बुढार कालरी के पास है। और मै उन को सदस्य हूं मेरी इस निवेदन द्वारा आप से अनुरोध है। कि उपरोक्त लिखित धारो को मध्य नजर रखते हुए कार्यवाही करेंगे। कार्यवाही की सूचना देगें

दि० १८ ३ ६० निवेदक सुमेश्वर कहार

सेवा में कन्सीलेशन सा०
जबलपुर

महानुभाव जी,

निवेदन है कि मेरा मामला कुदार कालरी मजदूर सभा ने आपके कार्यालय में कन्सीलेशन हेतु भेजा है मैं इस निवेदन द्वारा आपको सूचित करता हूं कि मेरे असली कागजात मजदूर सभा कुदार कालरी के पास है मुझे यह समझ में नहीं आता है कि मैं कुदार कालरी मजदूर सभा का सदस्य भी नहीं हूं और इस मामले को किस तरह उन्होंने आपके पास भेजा है। अतः मेरी आपसे निवेदन है मेरे मामले की पैरवी कुदार कालरी मजदूर सभा करेगी क्योंकि मैं उसका सदस्य हूं।

लिहाजा इसकी सूचना मैं धारा 20 ट्रेड यूनियन एक्ट सन् 1926 के अनुसार और धारा 32 ट्रेड यूनियन मध्य प्रदेश की कार्यवाही धारा के अन्तर्गत कार्यवाही हेतु रजिस्ट्रार सा० ट्रेड यूनियन मध्य प्रदेश सरकार इन्दौर को कार्यवाही के हेतु भेज रहा हूं।

मुझे आपसे आशा है कि आप उचित कानूनी कार्यवाही करेंगे।

दिनांक 26.3.68

आवेदक
ईश्वर प्रसाद

To

1224 41464

The Registrar of Trade Unions,
Uttar Pradesh,
K A N P U R.

Sir,

I have to inform you that the following office bearers of the Hosiery Mazdoor Union, Saharanpur, have been elected unanimously for the year 1964-65 in its General meeting held on dated 25/6/64.

Kindly register the list and oblige.

Designation.	Name.	Age.	Address.	Occupation.
1. President.	Ravindra Nath Angrish.	29 yrs.	Janakpuri, Saharanpur.	T.U.Worker & Medical (Practitioner).
2. Vice President.	Nihal Ahmad.	37 yrs.	Mohalla Khalapar, Saharanpur.	Hosiery Worker.
3. -do-	Mohd.Hasan Peerji.	45 yrs.	-do-	-do-
4. General Secretary.	Abdul Lateef.	29 yrs.	Mohalla Khumran, Saharanpur.	-do-
5. Joint Secy.	Anwar.	22 yrs.	Khanalampura, Saharanpur.	-do-
6. Jt.Secy.	Mumtaz.	23 yrs.	Khalapar, Saharanpur.	-do-
7. Treasurer.	Karimuddin.	36 yrs.	-do-	-do-
8. Member Executive.	Asgar Ali.	34 yrs.	-do-	-do-
9. -do-	Mohamood.	37 yrs.	-do-	-do-
10. -do-	Mohd. Yaqub.	36 yrs.	-do-	-do-
11. -do-	Abdul Majeed.	45 yrs.	-do-	-do-
12. -do-	Zaheer Ahmad.	23 yrs.	Naya Bans, Saharanpur.	-do-
13. -do-	Tahaseen Ahmad.	22 yrs.	Khalapar, Saharanpur.	-do-
14. -do-	Noor Ahmad.	27 yrs.	Naya Bans, Saharanpur.	-do-
15. -do-	Mohd. Hanoof.	33 yrs.	Khalapar, Saharanpur.	-do-

Yours Faithfully,

(Abdul Lateef),
General Secretary,
Hosiery Mazdoor Union Regd.,
Saharanpur.

Dated : 30-6-1964.

Copy to:
1) The Distt. Magistrate, Saharanpur.
2) The Asstt. Labour Commissioner, Meerut.
3) Addl. Regional Conciliation Officer, Saharanpur.
4) The City Magistrate, Saharanpur.
5) The Superintendent of Police, Saharanpur.
6) The Secy. Hosiery & knitting Association, Saharanpur.
7) The Secretary, All India Trade Union Congress, New Delhi.

HOSIERY MAZDOOR UNION Registered.

A. I. T. U. C.
Received 1274 4/7/64
Replied........................

श्रीमान जिलाधीश महोदय , कानपुर ,

महोदय,

मै आपका ध्यान जूही थाना के दरोगा जी श्री वर्मा के दुर्व्यवहार की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं और निष्पक्ष जांच की मांग करता हूं ।

दिनांक १६-५-६४ को जे० के० रेयान वर्कर्स युनियन के आफिस मंत्री श्री पतिराखन सिंह , युनियन के उपमंत्री श्री बृजमोहन जी यादव के घर उदन गढ़ी युनियन के आवश्यकीय कार्यवश गये हुये थे । श्री पतिराखन सिंह के पहुचने के कुछ ही देर के पश्चात पुलिस सब इन्सपेक्टर (जूही पुलिस चौकी) श्री वर्मा ६-७ पुलिस के सिपाहियों को लेकर श्री बृजमोहन के घर पहुच कर दरवाजा खोलने को कहा , श्री बृजमोहन ने साधारणतय दरवाजा खोल दिया , तत्पश्चात पुलिस वाले गाली गलौज करते हुये श्री वर्मा साहब के के नेतृत्व में घर के अन्दर तक घुस गये और घर की औरतों के सामने श्री वर्मा साहब अश्लील गाली गलौज करने लगे । जिसपर युनियन के आफिस मंत्री श्री पतिराखन सिंह ने श्री वर्मा साहब को ऐसा करने से रोका , जिससे नाराज होकर श्री वर्मा साहब श्री पतिराखन सिंह को जबरन पुलिस के जरिये थाने ले गये , जहां पर कि थाना इन्चार्ज श्री आस्तिक , वर्मा साहब अन्य पुलिस के कर्मचारियों ने श्री पतिराखन सिंह को लात घूसों ,, बेतो से मारा और मार पीट कर खद्दर की कमीज जबरन उतरवा कर ता० हि० की धारा १७१ के अन्तर्गत बन्दकर दिया ।

श्री वर्मा साहब ने , श्री आस्तिक साहब बराबर यह कह रहे थे कि साले यहां नेतागीरी नहीं चलेगी और अभी क्या हुआ अभी तो तेरी युनियन के अन्य नेताओं की नेतागीरी भी देखूंगा । स्मरण रहे कि श्री पतिराखन सिंह के पास युनियन के अति आवश्यकीय कागजात , झोला , फाउन्टेनपेन , एक साइकिल एक कपड़े कमीज का कपड़ा , युनियन का चन्दा ५२-३४ नये पैसे तथा युनियन

(कृ०प०उ०)

आफिस की चाबियां आदि सामान मारने पीटने के बाद जबरन ले लिया गया है । इस काण्ड की जांच शहर के संसद सदस्य श्री एस .एम.बनरजी एम.पी. ने स्वंय जाकर की तथा असलियत से एस.पी. सिटी श्री जे.एन. अवस्थी साहब को अवगत करा दिया गया है ।

जब कि श्री पतिराखन सिंह की विचार धाराओं से सभी उच्चाधिकारी जनता जनार्दन भली भांति परिचित है । आपका प्रमुख कार्य सदैव अत्याचारों से लड़ना रहा है ।

अत: मै आप से निवेदन करूंगा कि तत्काल निष्पक्ष जांच की जाये. व अन्यथा हमारी जे० के० रेयान वर्कस यूनियन उपरोक्त श्री वर्मा साहब , आस्तिक के खिलाफ संसद भवन , विधान सभा , तिलक हाल के सामने अनसन करेगी ।

प्रतिलिपि

१- श्री गृहमंत्री भारत सरकार दिल्ली ।
२- श्री गृहमंत्री , यू०पी० सरकार , लखनऊ ।
३- श्री अध्यक्ष लोक सभा दिल्ली
४- श्री एस.एम. बनरजी , एमपी०
५- श्री मंत्री , ए० आई० टी० यू०सी०
६- श्री रजिस्ट्रार ट्रेड यूनियन कानपुर यू०पी
७- श्री लेबर कमिश्नर , यू०पी० कानपुर
८- श्री एस० एस०पी० कानपुर ।

निवेदक

ओ०पी० दीक्षित , मंत्री ,
जे०के० रेयान वर्कस यूनियन जाजमऊ
कानपुर ।

No.153/K/64
6 July 1964

To,

The Collector,
District Kanpur,
Kanpur, (U.P.)

Dear Sir,

It has been brought to our notice that on 16th May 1964 Shri Pati Radhan Singh, Office Secretary, J.K. Rayon Workers' Union, Kanpur, was man handled, abused and taken to police station, Juhi. It is stated that there Shri Singh was beaten by the police officials and papers and the cash Shri Singh had on his person was forcably taken. This is a serious incident and requires immediate and thorough investigation and punishment to the guilty.

The A.I.T.U.C. demands immediate action in the matter and your personal intervention.

Yours faithfully,

(K.G. Sriwastava)
Secretary

Copy to the Secretary, J.K. Rayon Workers Union,
Jajmau, Kanpur.

A.I.T.U.C.
9-7-64

दुनिया के मजदूरो एक हो - सारा संसार हमारा है !

कर्मचारी राज्य बीमा कार्पोरेशन के दफ्तर मोदीनगर द्वारा मजदूरों पर ढाये जा रहे अत्याचार और भ्रष्टाचार को रोकने और उखाड़ फेंकने के लिए

श्रमिक अधिकार रक्षा संघर्ष परिषद की

समस्त गोविन्दपुरी और मोदीनगर के मजदूरों से एक जुट होने की अपील :

हकूमत से जबरदस्त प्रोटेस्ट :

हिन्दोस्तान के होम मिनिस्टर माननीय श्री गुलजारीलाल नन्दा जी साहिब ने हरदिल अजीज वजीर ए आजम पं० जवाहरलाल नेहरु के जमाने में, जिस वक्त वजारत ए दाखिला के ओहदे का हलफ उठाया था तो आपने एलान किया था दो बरस के अर्से के अन्दर भ्रष्टाचारी रुप के राक्षस को खत्म कर दूंगा वरना अपना ओहदा छोड़ हमेशा-हमेशा के लिये सियासत से मुस्तफी हो जाऊंगा ।

दुर्भाग्य से, हमारे मुल्क पर कहर नाजिल हुआ आलमी अमन का देवता, दुनिया की गुलाम इन्सानियत की आजादी का निशान, उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद विरोधी जंग का सिपहसालार, गैर वाबस्तगी की विदेश नीति का जन्म-दाता, गरीबों का प्यारा बेकशों का सहारा समाजवाद का अलम्बरदार पं० जवाहरलाल नेहरु को इत्फाकन हमारे बीच से छीन लिया गया । हमारा मुल्क एक अग्नि परीक्षा के दौर से गुजर रहा है । देश में भ्रष्टाचारी शासन और शासन पर पूंजीवाद का शिकंजा और पूंजीपतियों की दुनिया के सबसे गंदे और क्रूर, हबिश का दिवाना अमरीकी जंग-बाज साम्राज्य से सांठ गांठ और दूसरे निर्लज्ज साम्राज्यवादी देश ब्रिटेन इत्यादि से मेल जोल ने मुल्क की आजादी को गम्भीर संकट में डाल दिया है । सरे आम कश्मीर पर साजिश रची जा रही है और नागालैण्ड में माइकेल स्काट जॉन पादरी की शक्ल में भेड़िये राष्ट्रीय अखंडता को खतरा बन गऐ हैं । देश की आजादी और राष्ट्रीय एकता को बरकरार रखने के लिए एकता प्रगति शान्ति समाजवाद के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अत्याचार भ्रष्टाचार पूंजीवाद साम्राज्य-वाद से हमारी जंग चाहे कितनी लम्बी क्यों न चले और हमें कितनी भी बड़ी कुर्बानी देनी पड़े । हमें स्वर्गीय राष्ट्रीय नेता पन्डित जवाहर लाल नेहरु के स्वप्नों का भारत बनाना है ।

दिगंत राष्ट्रीय नेता पं० नेहरु जी के जाँनशीन माननीय शास्त्री जी ने स्वर्गीय नेता के पदचिन्हों पर चलने का कौम के साथ वायदा किया है कि स्वर्गीय नेता द्वारा निर्धारित देश तथा विदेश नीति पर सरकार चलेगी ।

सुन लीजिये शास्त्री जी और नन्दा जी ! बहुत दिन हो गए हैं भ्रष्टाचार और अत्याचार की चक्की में पिसते । हमारे सब्र का पैमाना लबरेज हो गया है । हम कंगाली और भुखमरी को बर्दाश्त नहीं कर सकते, मेहनतकश जनता शान्ति और समाजवाद की प्राप्ति के लिए हर कुर्बानी को तैयार हैं । हम गोविन्दपुरी और मोदीनगर के मजदूरों को ई. एस. आई. दफ्तर में अत्याचार और भ्रष्टाचार की चक्की में पीसा जा रहा है । इस दफ्तर का निरंकुश मैनेजर जो कि अपने को देहली कांग्रेस का मशहूर नेता चौ० ब्रह्मप्रकाश को अपना रिश्तेदार बतलाता है साक्षात नादिरशाह तैमूरलंग चंगेज खाँ और हलाकू का अवतार है जिसमें अत्याचार ढाने और भ्रष्टाचार करने की सम्पूर्ण कला है ही चरित्रहीन अव्वल दर्जे का है । ई. एस. आई. दफ्तर मजदूरों की खिदमत करने के बजाय कारखानेदारों और मिल ओनर की सेवाएँ कर मेवाएँ खाता है याने बाड़ खेत को खा रही है । जबकि सरकार को करोड़ों रुपये की आमदनी इस महकमे से मजदूरों की लूट खसोट करके प्राप्त करती है और हित लाभ में भ्रष्टाचार और अत्याचार मजदूरों को सरकारी मशीनरी प्रदान करती है

ई. एस. आई. दफ्तर मोदीनगर में पहले जूआ खेला जाता था। इस दफ्तर के मैनेजर दफ्तर में कन्हैया जी की तरह गोपियों से रात्रि को अक्सर रास लीला करते हैं और इनके भक्तगण मैनेजर साहिब को नई दिल्ली में रंगरेलियाँ कराने और सोमरसों का पान कराने का यदा कदा दिल्ली के बड़े-बड़े होटलों में ले जाया करते हैं। यह हजरत मोदी सेठ की कोठी में रहते हैं और इन महानुभाव के यहाँ कुछ महिने पहिले लड़की की शादी थी तो गोविन्दपुरी और मोदीनगर के कारखानेदारों और मिलओनर ने अपने कारखाने व मिल की बनी लाखों रुपयों की चीजें सौगात में भेंट की थी और नकदी दक्षणा कन्यादान में अलग। इसके अलावा कारखानेदारों और मिल ओनर ने अठाईस रेडियों और अठारह सिलाई की मशीनें बाजार से खरीद कर कन्यादान में दी हैं।

क्या गनरेबुल नन्दा साहिब यह भ्रष्टाचार नहीं है ?

(क) ई. एस. आई. दफ्तर में महिनों महिनों मजदूरों को हित लाभ नहीं दिया जाता। जो दक्षिणा दे देते हैं उन्हें तुरन्त हित लाभ प्रदान कर दिया जाता है।

(ख) दक्षिणा लेने के सबब से फाईलों को जान बूझ कर गुम कर दिया जाता है।

(ग) बहुत से मजदूरों को इसलिए परेशान किया जाता है कि रेट फार्म भरकर नहीं आया। जबकि ड्यूटी ई. एस. आई. दफ्तर की है कि रेट फार्म भरके मंगवावे। कारखानेदारों की साँठ गाँठ से मजदूरों को परेशान किया जाता।

(घ) मैनेजर ई. एस. आई. व दूसरे अधिकारीगण मजदूरों को तंग करने के लिए झूठी कानूनी सलाह कारखानेदारों को बतला, मजदूरों को झूठे इलजामों में फसवाने की तरकीबें बतला अनैतिक एवं मुजरिमाना हरकतें करते हैं।

(च) यदि कोई मजदूर गाँव में बीमार पड़ जाता है तो वहाँ अपनी चिकित्सा वैद्य हकीम अथवा डाक्टर से करवाता है। वापिस आकर मैडीकल सर्टिफिकेट मैनेजर को देने पर, मैनेजर धारा ५३ के अर्न्तगत बगैर भेंट पूजा लिए हित लाभ देने से इन्कार करते हैं। चालीस प्रतिशत हित लाभ में से मजदूर प्रदान करदे तो उसे हित लाभ प्रदान कर दिया जाता है।

ई. एस. आई. दफ्तर मोदीनगर द्वारा ढाये जा रहे मजदूरों पर अत्याचार एवं भ्रष्टाचार से मजदूर बदजन है। इस दफ्तर की नाजायज कार्यवाहियों के सिलसिले में गोविन्दपुरी और मोदीनगर में मशहूर मजदूर रहनुमा कोमरेड हरिशंकर शर्मा से गाजियाबाद आयरन एन्ड स्टील वरकर्स एसोसिएशन के दफ्तर ६४ गोविन्दपुरी में बातें की तो कोमरेड हरिशंकर शर्मा ने हमें वचन दिया कि श्रमिक अधिकार रक्षा संघर्ष परिषद मजदूरों के न्यायपूर्ण अधिकारों की प्राप्ती के लिए जो भी कदम उठायेगी यानी जल्से, जूलूस शान्तिपूर्वक प्रदर्शन एवं हड़ताल, भूख हड़ताल, तहे दिल से हर मुमकिन कोशिश इमदाद की जावेगी। हमारा वही रास्ता जो पन्जाब की जनता का रास्ता याने जो हश्र कैरों का हुआ व कैरों के लैफ्टीनैंटों का वही हश्र ई. एस. आई. के मैनेजर का होना चाहिये व इसके लैफ्टीनैंटों का। तभी हम मजदूरों को इस लानत से मुक्ति मिलेगी। अतः समस्त गोविन्दपुरी और मोदीनगर के मजदूरों को श्रमिक अधिकार रक्षा संघर्ष परिषद आवाहन करती है कि हमारे ऊपर जो यह लानत हकूमत ने जो लाद रखी है इस लानत को हटाने और उखाड़ फेंकने के लिए एक हो आगे बढ़ो और अपनी जीत हासिल करो।

अन्त में, श्रमिक अधिकार रक्षा संघर्ष परिषद हकूमत से यह उम्मीद रखती है कि ई. एस. आई. दफ्तर मोदीनगर के करप्ट मैनेजर व इस दफ्तर के पूरे अत्याचार और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्यवाही कर मजदूरों को राहत प्रदान कर दिवंगत राष्ट्रीय नेता की आत्मा को शान्ति प्रदान करेगी।

गोपाल दत्त प्रेजीडेन्ट
श्रमिक अधिकार रक्षा संघर्ष परिषद
गोविन्दपुरी (मोदीनगर)

नेशनल प्रेस, गाजियाबाद, फोन नं० २७२५।

कानपुर टेनरी एण्ड लेदर वर्कर्स यूनियन

کانپور ٹینری اینڈ لیدر ورکرس یونین

KANPUR TANNERY & LEATHER WORKERS' UNION

(AFFILIATED TO AITUC & WFTU)

President : SHIV SHARMA
Gen. Secy. : MAHESH CHANDRA NIGAM

12/1, Gwaltoli,
KANPUR

A.I.T.U.C.
Received 1267 18/7/64
Replied ....

Ref. No. .... DATED 15th July '64

FOR INFORMATION

A meeting of Elgin and Cooper Allen workers under the auspices of Kan pur Tannery and Leather workers Union was held on 15th July at Mazdoor Sabha Bhawan presided by Com. Shri Ram Vice president of S.M.M.S., where inthe following resolution was passed;-

This meeting welcomes the decision of A.I.T.U.C. to celebrate 26th July as Nehru Memorial Day in cooperation with All India Peace Committee. Today the biga traders and monopolists have on the one hand combined to create the price spiraland develop near famine conditions, and on the other they are financing and supporting reactionary parties and individuals to fight against the polices of nonalignment, peace, abolition of colonialism and reacialism, seculariesm, friendship with Soviet Union etc. that is, against all that Pandit Nehru symbolized. And to cover up the anti-Nehruite nefarious deeds the big businessmen are paying handsome donations, out of their ill gotten wealth, to the Nehru Memorial fund. Therefore, it is the duty of working class to defend the policies and ideals of Nehru, which alone can be true memorial to Nehru, and expose the enemies of pease, democracy, and socialism.

The meeting decides to give full cooperation to Kanpur peace committee to celebrate 26th July, 1964 as Nehru Memorial Day in Kanpur in a befitting manner.

S. Sharma
(SHIV SHARMA)
PRESIDENT KANPUR TENNERY & LEATHER WORKERS
KANPUR.

Copy to ;-

1. A.I.P.C.DELHI,
2. A.I.T.U.C.DELHI,
3. KANPUR PEACE COMMITTEE.

No. 101/K/64
20 July 1964

To,

The General Secretary,
Kanpur Mazdoor Sabha,
12/1, Gwaltoli,
Kanpur.

Dear Comrade,

Application for affiliation of your union dated 17th July 1964 was received in this office direct. The papers are incomplete. The copies of Rules and Regulations, ~~the last annual report, the audited Balance Sheet for the year 1963-64~~ and the names of the present office bearers of the union have not enclosed to the application form.

The application also has no remark of the U.P. State Committee of AITUC in the column provided for it. As such it has been sent to the U.P. State Committee for their remarks. Please send the necessary papers to the U.P. State Committee of AITUC so that it can send your complete application with their remarks to us for further steps.

Usually the papers for affiliation of the union are sent through the State Committee and advance affiliation fee is sent directly to AITUC. In this case we have not received any advance affiliation fee.

With greetings,

Yours fraternally,

(K.G. Sriwastava)
Secretary

Copy to U.P. STUC, for information.

बनारस प्रेस मजदूर सभा

Phone :

Banaras Press Mazdoor Sabha

(Regd No. 1008)

प्रमाणित कार्यालय
४२/५४ चाहमहमा, वाराणसी।
42/54 Chahmahama, Varanasi.

A. I. T. U. C.
Received 1623 10/8/64
Replied ....

Ref. No. 302/64

Date 17th July 1964

To
The Secretary
All India Trade union Congress
New-Delhi.

Sub: Wage Board for non journalist.

Dear Sir,

With reference to the above subject as per direction of the A.I.T.U.C and U.P. State Press workers Federation I am forwarding the following information:

1. Name of the union & address of Banaras Press Mazdoor Sabha, 42/54 Chahamema Varanasi

2. Registration No: 1008, date of Registration 1st Dec. 1951

(3) Name of the Newspaper establishments in which functioning: 'Aj' Hindi Daily, Proprietor: M/S Gnanamandal Ltd, Kabir Caurahe, Varanasi, (2) Sanmarg daily, proprietor, Dharma Mandal Trust, Durga Kund, Varansi.

(4) Membership as on March 31, 1963 = 93 (Aj),
" " " " " = 15 (Sanmarg)

(5) Affiliated with All India Trade union Congress; affiliation No: 66/U.P.

I am sending attached herewith other information in a chart.

It is to request you to take necessary action for our Representation in the

(2)

for non journalist and our case may not go by default, Our union is an old one and affiliated with A.I.T.U.C and U.P.T.U.C.

Thanking you.

yours faithfully,
B. Mukherji
(B. Mukherji
Senior Vice President
for President

Ref. 304/64   dated 17.7.64.

Copies forwarded for necessary information & necessary action please to

(1) The Secretary
All India Newspaper Employees Federation
Kamla Market, New-Delhi.

(2) Sri Ramesh Srivastava, Secretary
U.P. ~~State~~ Press Workers Federation, U.P.
Husainganj Bazar, Lucknow.

Senior Vice President
for President.

Chart = Jnanamandal Ltd.
Varanasi

Year	Circulation Receipts Rs	N.P.	Advertisement Receipt Rs	N.P.	Miscellaneous Receipts Rs	N.P.	Total Receipt Rs	N.P.	Total Wages ~~non journalist~~ bill for Journalist & non Journalist Rs	N.P.	Non Journalist employees
Sowra Sambat 2017 (1960-61)	628686	20	535420	67	249915	65	1414022	52	375786	75	148
2018 (Sowra Sambat) 1961-62	717284	86	559999	44	239357	21	1509641	51	307786	94	149
2019 (Sowra Sambat) (1962-63)	8599250	00	553820	30	212373	59	1626118	89	467651	64	152

B. Malviya 9/7
Vice-President

17/8/64

हम अपना अधिकार मांगते है ! हमें जिन्दा रहने के लिये पूरा वेतन दो।

सरकार अपने किये हुए वायदे पूरे करे।

यू. पी. पी. डब्लू. डी. एम्पलाइज यूनियन

(आगरा—ब्रांच)

१०२ शिवाजी मार्केट, आगरा।

(दिनाङ्क ९ अगस्त ६४ रविवार को ११ बजे)

आम सभा एवम् वार्षिक चुनाव

साथियो

दिनांक ९ अगस्त रविवार को प्रातः ११ बजे शिवाजी मार्केट में पी० डब्लू० डी० के कर्मचारियों की आम सभा एवम वार्षिक चुनाव होने जा रहा है इसलिये सभी साथियों से प्रार्थना है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी मांगों के लिये आवाज बुलंद करें।

बढ़ती हुई मंहगाई एवं मंहगाई भत्ता :—आज जबकि मुनाफाखोरों ने खाद्यान्न तथा जीवनोपयोगी वस्तुओं के भाव अपनी सीमाओं को लांघकर आसमान पर पहुँचा दिये हैं उस से जन-जीवन त्राहि, त्राहि कर उठा है, लेकिन कहते हुये दुख होता है कि देश के विकास में संलग्न हम पी० डब्लू० डी० के हजारों मजदूर आज इतना कम वेतन पा रहे हैं जिससे हमारा जीवन दूभर हो गया है। हमको विवश होकर आज 'समाजवाद' के हामियों तथा इस प्रदेश क भाग्य निर्माताओं को एक बार फिर याद दिलाने के लिये विवश होना पड़ रहा है कि हमको सरकार की ओर से जो वायदे किये थे क्यों पूरे नहीं किये गये ? क्या हमको जीवित रहने का अधिकार नहीं जो हमारी उपेक्षा की जा रही है। गत अप्रैल १९६४ में सरकार की ओर से हम कर्म-

चारियों के वेतन में बहुत ही थोड़ी सी वृद्धि की गई थी जोकि कोई अर्थ नहीं रखती लेकिन खेद है वह भी पूर्णरूप से नहीं दी गई । उदाहरण के तौर पर गैंग मेनों के वेतन में ५) रुपये प्रति मास की वृद्धि की गई थी जोकि ३) रु० प्रति मास के हिसाब से दी गई या कुछ लोगों को कुछ भी नहीं दिया गया इसी प्रकार जो कर्मचारी "पे स्केल" में वेतन पाते हैं उनके मंहगाई भत्ते में ५) रुपये की वृद्धि की गई थी लेकिन लालफीताशाही के कारण वर्क चार्ज स्टाफ को ५) रुपये की वृद्धि नहीं दी गई ।

वेतन वृद्धि एवम् सरकार के आश्वासन :—जबकि १७ मार्च १९६४ को लखनऊ में यू०पी०पी०डब्लू०डी० एम्प्लाइज यूनियन का अधिवेशन हुआ था उस अवसर पर अपने प्रदेश के सार्वजनिक निर्माण विभाग के मन्त्री माननीय श्री जगन प्रसाद रावत ने यह घोषणा की थी कि अप्रैल १९६४ से प्रदेश के किसी भी कर्मचारी का वेतन ५०) रु० प्रति मास से कम न होगा तथा ५०) रु० से अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों के वेतन में ५) रु० प्र० मा० की वृद्धि होगी और इसी प्रकार सब गैंग मैनों को प्रति वर्ष १४ दिन की सवेतन छुट्टी एवम् वर्क चार्ज स्टाफ को १४ दिन के अलावा १० दिन की छुट्टी और मिला करेगी । माननीय मंत्री जी ने इसी प्रकार की घोषणा बजट अधिवेशन के समय १९ मार्च १९६४ को विधान-सभा में की थी, लेकिन मंत्री जी महोदय के आश्वासन आज तक पूरे नहीं हुए इसके लिये कौन जिम्मेदार है यह सरकार जाने ? लेकिन खेद है हम गरीब मजदूरों को कोरे आश्वासन नहीं बल्कि पेट भरने के लिये पैसे चाहिये । जब एक तरफ हमारे एम. एल. ए. तथा एम. पी. बढ़ती महगाई को महसूस करते हुए अपने मासिक भत्तों में ड्यौढ़ी वृद्धि करा सकते हैं तो क्या हम देश के निर्माताओं के पेट भरने के लिये वेतनों में वृद्धि होना जरूरी नहीं ?

राष्ट्र पति के आदेश की अवहेलना :—दिसम्बर १९६२ में भारत के राष्ट्र पति ने आदेश G. O. NO 11 (21) E/III—62 दिसम्बर २९, १९६२ के द्वारा यह आज्ञा परित की थी जिसमें यह स्पष्ट किया गया था तमाम वर्क चार्ज स्टाफ को वे समस्त सुविधाएँ तथा वेतन मिलने चाहिये जो अन्य

स्थाई सरकारी कर्मचारियों को मिलते हैं लेकिन राष्ट्रपति जी के इस आदेश का अभी तक पालन नहीं हुआ।

भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा मजदूरों का शोषण:— कहने को तो हमारी सरकार देश को लोकतंत्रीय समाजवाद की स्थापना की ओर ले जाने का दावा करती है लेकिन सरकार की मशीनरी के जो काम हैं वे हमको दक्षिण अफ्रीकी सरकार की काले गोरे के भेदभाव की नीति की याद दिलाते हैं यहां मजदूरों का जीवन उनके लिए एक खिलौने के समान है मन में आये जहां फैंकों और जहां रक्खो उदाहरण के तौर पर श्री हमीद मेट और उनके गैंग के वेगुनाह कर्मचारियों को ४ मास हुए मुअत्तिल कर दिया गया था, आज तक उनके विषय में कोई निर्णय नहीं हुआ और न मुअत्तली के समय का उनको कोई वेतन ही दिया गया यहीं तक नहीं बल्कि मुअत्तली से पहले के भी वेतन रोक लिये गये। आज की महंगाई के समय क्या अधिकारियों की ये हरकतें मानवीय हैं ? कदापि नहीं ! हमारी यूनियन P. W. D. के उच्च समझदार अधिकारियों से मांग करती हैं कि मुअत्तिल किये गये कर्मचारियों को शीघ्र काम पर लिया जावे और इस बीच का वेतन दोषी अधिकारीयों के वेतन से काट कर दिया जावे ! इसी प्रकार इन अधिकारियों ने "आपस में लड़ाओ और शासन करो" वाली अंग्रेजों की नीति अपनाई हुई है हमारी इस मांग के अनुसार कि सभी कर्मचारी स्थाई तथा रैगूलर हों, अधिकारी अपनी मनमानी करने में नहीं चूकते पक्षपात करके उन्होंने कुछ ही कर्मचारियों की स्थाई अथवा रैगूलर बनाया है पुराने तथा अनुभवी चारयिों की उपेक्षा की गई है जो आपस में मनभेद उत्पन्न करने वाली नीति है। हाँ जो कर्मचारी स्थाई या रैगूलर किये गये है उनको उन सब सुविधाओं से वंचित कर दिया है जो पहले मिलती थी जैसे रोड एलाउन्स, ड्यूटी एलाउन्स तथा ओवर टाइम आदि।

एक ही विभाग एक ही काम लकिन वेतन अलग २ :— यह कैसा अंधेर है जबकि एक ही डिपार्टमेंट में एक ही काम करने वाले मजदूरों के वेतनों में असामानता है। उदाहरण के तौर पर सरकिल नम्बर एक के गैंग बेलदारों को ५०) रु० वेतन तथा मेटों को ६०) रु० मिलते है तो दूसरी तरफ

सरकिल नम्बर दो के गैंग मैनों को ४५) रु० तथा मेटो को ५०) रु० मिलते है क्या अधिकारी इस भेद भाव को मिल कर समान वेतन देंगे ?

हमारी माँगें :—(१) आज कमर तोड़ मंहगाई के समय २॥) रु० प्रतिदिन अथवा ६५) रु० प्रति मास से किसी भी मजदूर का वेतन कम नहीं होना चाहिये।

(२) सरकार तत्काल हम लोगों के लिये खाद्यान्न एवम जीवनोपयोगी वस्तुएँ खरीदने के लिए सस्ती वस्तुओं की दूकान खुलवाये। यह यूनियन पहले भी मांग कर चुकी हैं यदि भविष्य में किसी प्रकार की कोई घटना घटित होती है तो उस के लिये सरकारी अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

(३) सरकार ने जो हाल में ही उ० प्र० के राजकीय कर्मचारियों के लिए वेतन आयोग बनाया है उस में पी० डब्लू० डी० के समस्त कर्मचारियों को उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। ऐसा न हो कि गत वेतन आयोग की भाँति हमें छोड़ दिया जावे।

हम आज इन सब ही समस्याओं को लेकर अपने कर्मचारियों से प्रार्थना करते हैं कि यदि जीवित रहना है तो हम को अपना संघर्ष और तेज करना होगा इसलिये ९ अगस्त को होने वाली सभा में आप अधिक से अधिक सख्या में एकत्रित होईये ताकि हमारी एकता को बल मिले और हमारी आवाज सरकार के कानों तक पहुँच सके। हम को अपने अधिकारों की लड़ाई लड़नी है और यदि हमारी एकता कायम है तो विजय हमारी ही होगी।

नोट:— कृपया जिन साथियों ने १९६४-६५ का यूनियन का चन्दा नहीं जमा किया है वे अगस्त के अन्त तक अपना चन्दा जमा करा दें अन्यथा उनकी सदस्यता समाप्त हो जावेगी।

विनीत :—

अब्दुल हफीज
सभापति

चन्दन सिंह बिस्ट
मन्त्री

सर्वोदय प्रिंटिंग प्रेस, आगरा।

यू॰ पी॰ डब्लू डी इम्पलाइज यूनियन
(आगरा शाखा)
१४२ शिवाजी मार्किट. आगरा

1707 17/8/64

FOR FAVOUR OF PUBLICATION:

At the conclusion of Annual convention, employees demonstrated at P.W.D. Offices.

Agra 10th Aug. 64.

Annual convention of U.P. P.W.D. Employees Union Agra Branch was held here at Shivaji Market Agra, under the presidentship of Branch's Chairman Comrade Abdul Hafiz.

Shri Chandan SinghVisth Secretary of the Branch Union, gave his annual report and last year's account of income and expenditure, which was adopted unanimously.

Sarvashri Mathura Prasad and Inderjit Singh greeted the convention on behalf of Aspatal & Medical College Karamchari Sangh and Mechanical & Technical Workers Union respectively.

In ~~thixxan~~ his presidential address comrade Abdul Hafiz stressed the need of immediate relief to the employees since the meagre wages they are drawing have fallen far short of the need due to ever rising prices of food and other commodities of daily use as well as due to scarcity and nonavailablity of food grains etc. It has become essential that the Department should open and supply all commodities of daily use to the employees if the department wish their employees to con-tinue to work for the Nirman (Developement) of the Nation.

Through a resolution demand to raise the minimum pay-scale to Rs 65/- per month or 2/50 per day was put forward, and that all employees of the Department whether work-charged, muster -roll or casual labour should be given Dear Food Allowance as per cost of living index, and rise in prices fully compensating the rise.

An executive committiee of 21 members was elected for the next year 1964-65.

After the conclusion of the meeting employees took out a huge procession and held demonstration at the office of the Executive Engineer and the Superintending Engineer of 2nd Circle Agra. Amongst slogons of their demands the resolutions passed at the convention were handed over to these officials.

चन्दन सिंह

(Chandan Singh Visth).

All India Trade Union Congress - New Delhi.

(Resolutions passed at the Annual General meeting of the U.P. P.W.D. Employees Union Agra Branch, held under the Presidentship of Shri Abdul Hafiz, at Shivaji Market, Agra).

---

1. This annual general meeting of the U.P. P.W.D. Employees Union, Agra Branch demands of th U.P. Government that in view of scarcity, non-availablity and high prices of food-grains and other commodities of daily use, it has become essential in the interest of our duties andin order that we may continue the work of Nirman (development) that all commodities of daily use be supplied to all employees of the Department by the cheap provision shops opened and maintained by the Department.

2. This annual convention ofU.P. P.W.D. Employees Union Agra Branch strongly protests against the administration for not allowing sanctioned Rs 5/- per month increase to all Gang-labour in this Circle, and allowed only Rs 3/- per month, while in all other Circles an increase of Rs 5/- per month has been allowedwith effect from April 64. This meeting demands that Rs 2/- per month be immediately allowed and paid to all employee-s with retrospective effect from April 64, along with arrears.

3. This meeting protests against the Department's local authorities for their failure to allow Rs 5/- per month recently increased to all State Government employees ~~who re-fixed~~ in their Dear Food Allowance, to work-charged employees who are fixed and drawing wages in regular pay-scales, i-e, Drivers cleaners, Fitters, and Supervisors etc.

4. This annual meeting reiterates once again that the wages which are being paid to P.W.D. employees are very meagre and need immediate revision. In the present circumstances, no workman be given minimum wages which may be less than Rs 65/ per month or Rs 2/50 per day. Besides, all workmen whether work-charg-ed or that of muster roll should be granted Dear Food Allowance as allowed to other State Government employees.

This meeting notes the announcement of U.P. Government ~~Even--This~~ on the appointment of wage-committee for State Govt. employees and while appreciating this gesture it wishes to emphasise that Public Works Department's employees whether regular, work-charged or that of muster roll or even casual labour should in no way be ignored and be covered for revision of wages, along with other Government employees.

5. This meeting of U.P. P.W.D. Employees Union Agra Branch notes with regret and disgust that inspite of laws and rules prohibiting taking private work, it is still prevalent on a vast scale in the Circle and private work is being extracted from Baildars, and mates by overseers, engineers, and other subordinate officers, while payment is made from the Public treasury. This meeting demands thtt this practice be stopped forthwith and action be taken against such officers who are misusing Govt.'s labour and using it for their private purposes.

6. This meeting reiterates and repeats its age-old demand that all employees of the Department who has put in one year's service be declared regular and permanent and allowed facilities as allowed to other permanent employees.

7. This meeting demands immediate reinstatement of Hamid Mate and his gang of Agra Bah Kachoraghat Road, who are under suspension from duty since last 4-5 months and they be allowed their due wages and suspension period's subsistance allowance otherwise the Union will reluctantly permit Hamid and his Gang Baildars to start their contemplated Hunger-strike, the respons-

ram : Care "GILLANDERS"

Phone : 3230,

GILLANDERS EMPLOYEES' UNION

(Regd. No. 1602)
RECOGNISED

Union Offices :
CALCUTTA, MADRAS,
OMBAY, KANPUR, DELHI.

36/8, HATA RAM MOHAN,

f. No. G.U/K/13.

KANPUR 19th August 19 64

The Labour Commissioner,
Uttar Pradesh,
KANPUR.

Dear Sir,

We have pleasure in informing you that in sympathy with the Local and Central Trade Unions' call for a token one day's strike on 18.8.64 to protest against the Govt. utter failure to hold the price line of the essential commodities and ease the country wide acute food problem we have had a successful event on the same day by conducting the aforesaid strike peacefully, so much so that quite a huge percentage of Managerial staff also absented themselves from duties after some time.

We trust you will concur with the views expressed in view of the situation obtaining out of the continued rise in prices and represent our legitimate demand of redressing the agony of teeming millions to the Government and to the employers as well, who should help the working class by holding the price line and according the facility of having foodgrains at the respective organisations where they are employed.

We are confident that you would find our request appropriate and that we look forward for the Government's assistance in helping us to combat the food prices effectively.

Yours faithfully,

G. N. Khare

(G. N. KHARE)
GENERAL SECRETARY.

cc. to the Home Minister Sri Gulzarilal Nanda, New Delhi.
cc. to Labour Commissioner, U.P., Lucknow.
cc. to The Managing Director, Gillanders Arbuthnot & Co.Ltd., Post Box No.174, Netaji Subhas Road, Calcutta.
cc. to all Union Units.
cc. to A.I.T.U.C., Delhi.
cc. to General Secretary, All India Gillanders Employees Federation, Calcutta.

Gram : Care "GILLANDERS" Phone : 32307

GILLANDERS EMPLOYEES' UNION

(Regd. No. 1602)
RECOGNISED

Union Offices :
CALCUTTA, MADRAS,
BOMBAY, KANPUR, DELHI

36/8, HATA RAM MOHAN,

Ref. No. GEU/X/14.

KANPUR 20th August, 1964.

The Labour Commissioner,
Uttar-Pradesh,
KANPUR.

A.I.T.U.C.
Received 17/8/64 24/8/64
Replied..........

Dear Sir,

As you might be aware that we lodged a conciliation case with you in respect of the Management of M/s.Gillanders Arbutnnot & Co.Ltd's attempt to eject one of the workmen of this concern from occupation of one of the quarters situate at Company premises, which was allotted to him eversince his appointment with the Company. The Management, however, lodged a civil suit against this particular employee for the necessary ejectment. The Union by its majority decided to contest it first at the Civil Courts and thereafter at the Labour Courts and as such this case was requested to be consigned to records until such time as a decision from the Civil Court is obtained.

This is now to inform you that this case is being contested at the Civil Courts and inspite of our best efforts to amicably settle matters across the table and get the Management to withdraw their Civil Suit against this employee, we have been repeatedly emphasised by them that as it is a case between an individual person and the Branch Manager of the Company, it does not fall within the perview of the Union to have any negotiated settlement.

It would now be surprising to note that whereas the Company hold that this case is a personal matter between two employees of the Company, i.e. the Branch Manager on the one part and the employee in question the other, they are granting unusual concession and privileges, financial and otherwise, to one employee, i.e. the Branch Manager and neglecting the other employee, i.e. the above defendant. It would further be interesting to note that whereas the Management grant leave to the person giving evidence for the Branch Manager without recording such leave in the Company Leave Register, they are granting casual leave to the undersigned against his approach that he be permitted to leave the office for appearing in the Civil Court in this very case, particularly in view of the fact that he has been summoned up by the learned Judge. You will, thus, appreciate that by virtue of our being a Recognised and Registered Union, we have the Fundamental right to avail of such opportunities whenever they arise and Management cannot legally prohibit us for doing so, especially on our own Union causes.

It is evident, therefore, that the gross high-handedness on the Part of the Company Management and their wrongfully utilising Public Finance out of their way in assisting one class of their servicemen for crushing the just and legitimate claim of another sector of workmen is deplorable, unjustified, unilateral and devoid of human approach and commands condemnation. Such filthy action should be ceased forthwith and you must immediately exhort your influence in bringing in a complete cessation of these unfair practices in this Organisation and help employees to maintain peace, since the sophisticated atmosphere created by the Company Management has disturbed and agitated the minds of the employees in general.

We trust you will give your kind attention immediately in the matter and look forward to having your prompt intervention in this regard.

Thanking you in anticipation.

P.T.O.

Yours faithfully,

(O.N.KHARE).
GENERAL SECRETARY.

opy for information & necessary action for stopping the above malpractices to :-

1. The Managing Director, Gillanders Arbuthnot & Co.Ltd. Post Box No.174, Gillander House, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.
2. Hon'ble Sri Gulzarilal Nanda, Union Home Minister, New-Delhi.
3. Hon'ble Sri Bansi Das, Labour Minister, Govt.U.P., Lucknow.
4. The General Secretary, A.I.T.U.C., New-Delhi.
5. The President, Gillanders Employees' Federation, Calcutta.
6. All Units.

A.I.T.U.C.
2096 14/9/64

FOR FAVOUR OF PUBLICATION:

Under the auspices of Kanpur Tannery & Leather Workers' Union, Kanpur, a meeting of the Cooper Allen and North West Tannery workers was held under the presidentship of Sri ~~Shiv~~ Shiv Sharma, while addressing the meeting Sri Sharma congratulated the workers for organising a successful strike on 18th August, 1964. He also hailed the recent struggle of the workers employed in civilian shoe department of Cooper Allen and demanded of the management to pay arrears of deducted wages of the workers in other departments of the concern. He further condemned the callous attitude of the Government and the management in not opening fair price shop in the concern.

By a resolution, the meeting reiterated the demand of immediate reduction of prices of essential commodities, to open fair price shops, cent percent neutralisation D.F.A and wages recommended by Nimbkar Committee, election of the Welfare Committee and formation of Works Committee in the concern.

By another resolution, the meeting decided to convene a ~~xxx~~ state conference of Tannery & Leather workers at Kanpur on October 24th and 25th, 1964 to achieve the demand of Wage Board, nationalisation of Cooper Allen and North West Tannery branches of B.I.C., Ltd., and High Power Commission.

By at another resolution the ~~xxxx~~ meeting condemned the action of the Government and the police authorities in resorting to lathi charge at several places and manhandling the peace ful satyagrahis and not treating them as political prisoners and treating them as ordinary criminals in the jails. It further demanded immediate release of the Satyagrahis.

The Editor
T.U. Record
New-Delhi

S. Sharma
(SHIV SHARMA)
President

8.9.1964.

17.9.

2329 30/9/64

INVEST WISELY
Buy NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

250

No.

Office stamp
28 9 64

Class } Prefix } O Code 0725

Recd. from SHm

By R 9

Sent at ____ H. ____ M.
To ____
By ____

Handed in at (Office of Origin)	Date	Hour	Minute	Service Instructions	Words
5 Saharanpur	28			threead D	45

TO

Recd. here at 7 H. 50 M.

Dange president AITUC ND

police arrested peaceful workers two am management taking out goods and record Illegal lockout since 3rd septr Invite peaceful negotiation requested – workers saharanpur Enghg works saharanpur

MGIPAR

Sugar Mill Labour Union

Aff. No. 95 U. P. BAREILLY. Regd: No 2207

Affiliated to All India Trade Union Congress

Ref. No..... Date....30th..Sept.1964.

The General Secretary,
All India Trade Union Congress,
Rani Jhansi Road,
New Delhi.

2352 11/10/64

Dear Comrade,

Re: Annual subscription.

To-day we have sent you by money order an amount of Rs.40/10 paisa(Rs.forty and paisa ten only) against our annual subscription for the year ending on 31st March 1964, for our total membership of 401 persons, @ ten paisa per member, for which please issue your official receipt on our behalf and oblige.

-thanking you and assuring you of our close co-operation at all times.

Yours faithfully,
Prithi Raj
(prithi Raj),
Secretary,
Sugar Mill Labour Union,
BAREILLY.

15

BOOK-POST A.I.T.U.C.

2521 16/10/64

AGRA CANTT.

U.P. P.W.D. EMPLOYEES UNION - AGRA BRANCH.

102 Shivaji Market
Agra 11th Oct. 64.

To

The General Secretary
All India Trade Union Congress
Rani Jhansi Road - New Delhi

Dear Sir,

Please find herewith a copy of the resolution passed at a mass meeting of Agra P.W.D. employees held under the Presidentship of Com. Abdul Hafiz (Chairman of U.P. P.W.D. Employees Union, Agra Branch and General Secretary District Labour Federation Agra), on 11th Oct. 64 at 10-30 A.M.

It is being send to you for your information and necessary early action please:

(Chandan Singh)
Branch Secretary.

"This general meeting of P.W.D. employees of Agra expresses its concern over the prolonged Chain Hunger Strike of the Staff and the callous attitude of the authorities of the Department over the just demands of the employees, for which they are forced to resort to this starvation since 7th Sept. 1964.

This meeting once again reiterate the demands put up by the Branch Union and expresses its resolve to continue this agitation till these demands are conceeded. These demands are as under:

1. Hamid mate and his gang is reinstated honourably to their duty with wages of the period they are so kept or forced unemployment and the S.D.O. Bah be punished for his arbitary and beaurocratic action and behaviour.
2. The minimum wages of baildars be raised to Rs 65/- per month and and Rs 2/50 per day and Rs 70/- per month to mate etc; henceforth all employees of the Department whether work-charged, muster-roll, temporary or casual be paid Dear Food Allowance fully neutralising the rise in cost of living.
3. All employees of the Department spead over in the whole District and rural areas be supplied grain and other commodities of daily use from the Cheap Provision shops to be opened by the Department.

This meeting resolves that in case the above minimum demands are not conceeded by 18th Oct. 64, the employees will go on one day's token tools-down and sit-down on work strike on Monday the 19th Oct. 64.

This meeting expresses its appreciation to sister Unions and men of good-will who rendered all help and sustained our movement. We also welcome the negotiation efforts made by the Committee elected by the sister Unions of Agra, which move the Superintending Engineer II Circle Agra spurned by refusing to meet this committee when it went on his call, on 30th Sept. 64. This meeting can not remain silent over this development and condemns the attitude of the Superintending Engineer towards the Public organisations and its leaders and demands of the higher authorities to teach these beaurocatic officers to behave. Shri Kocher R.K. (Superintending Engineer Agra) and Shri Jain (S.D.O. Bah) be transfered from Agra with immediate effect.

This meeting also resolves to send copy of this resolution to the Chief Minister, Utter Pradesh and the Governor for their intervention in the dispute and for peaceful settlement of the same, thus removing the grievances of the P.W.D. staff of Agra as well as of the Pradesh for which they are agitated.

Passed unanimously.

X

84
16.4

2373 3/10/64

सेवा में,

श्री मान ट्रेड यूनियन रजिस्ट्रार महोदय,
पी० बा० न० २२०,
उत्तर प्रदेश, कानपुर

वार्षिक विवरण के विषय में

मान्यवर महोदय,

कृपया आप इस पत्र की ओर अवलोकन करने का कष्ट करें, जो कि सहारनपुर इंजीनीयरिंग वर्कर्स यूनियन के वार्षिक विवरण के सम्बन्ध में है।

इस विषय में निवेदन है यह कि हमारे इस संस्थान अर्थात सहारनपुर इंजीनीयरिंग वर्क्स, सहारनपुर के मालिकान ने अनुचित रूप से दिनांक ३ सितम्बर से तालाबन्दी (लाक अप) कर दिया है जो कि अभी तक जारी है। इसी सम्बन्ध में हमारे अन्य कार्य कर्ताओं के साथ हमारे संघ के जनरल सेक्रेटरी श्री मंगल देव शर्मा, जेल के अन्दर है, और यूनियन के प्रधान भी जेल में हैं, इसकारण से संघ का वार्षिक विवरण उचित समय में आपकी सेवा में नहीं भेजा जा सका।

अत: आप से सानुरोध प्रार्थना है कि इस विषय में आप हमें कुछ समय और दें, क्योंकि हमारे संघ के प्रधान व मंत्री जी जेल में, उनके बाहर आने पर ही आपकी सेवा में वार्षिक विवरण वर्ष १९६३-६४ का शीघ्रातिशीघ्र भेज दिया जायेगा। आशा है कि श्री मान जी हमारी इस असमर्थता को ध्यान में रखते हुए उचित समय प्रदान करने की कृपा करेंगे। आपकी अति कृपा होगी।

Write back to him it the last date and he should make arrangements to submit even a skeleton of return.

भवदीय,

شفیع الرحمن جوائنٹ سکریٹری

संयुक्त मंत्री,
सहारनपुर इंजीनीयरिंग वर्कर्स यूनियन,
३२, रेलवे रोड, सहारनपुर

दिनांक--९--६४ ई०

प्रतिलिपि सेवा में,

१.श्री मान ए० आर० सी० सी० महोदय, सहारनपुर

२.श्री मान सहायक श्रमायुक्त महोदय, श्याम पुल , मेरठ।

३.श्री मान सेक्रेटरी महोदय, ए० आई० टी० यू० सी० ५ झण्डे वालान, रानी झान्सी रो, नई देहली।

6.

संयुक्त मंत्री,
सहारनपुर इंजीनीयरिंगवर्कर्स यूनियन,

Received 2049 28/10/64
Replied.....................

सेवा में

श्री मान चीफ़ एक्जीक्यूटिव आफीसर,
मेरठ स्ट्रा बोर्ड मिल्स
मेरठ ।

प्रिय महोदय ,

विषय:- महगाई भत्ते के बकाया की अदायगी और अगले भत्ते के सम्बन्ध में ।

आपका ध्यान ४-७-१९६१ को मेरठ स्ट्रा बोर्ड मिल्स और हमारी यूनियन के बीच हुए समझौते के ऊपर आकर्षित किया जाता है इस समझौते की धारा (१) में मेरठ स्ट्रा बोर्ड मिल्स के कर्मचारियों के संबंधों में शुगर वेज बोर्ड की शिफारिशों को लागू करने की व्यवस्था की गयी थी ।

इसके अनुसार उस समय मेरठ स्ट्रा बोर्ड मिल्स के सभी कर्मचारियों को वेज बोर्ड की शिफारिशों के अनुसार श्रेणियाँ और बुनियादी तनख्वाह तथा महगाई भत्ते की अदायगी की गयी थी । तब से बुनियादी तनख्वाह , सालाना तरक्की और महगाई भत्ते की यही व्यवस्था आ रही है ।

आपको हम वेज बोर्ड (शुगर) की रिपोर्ट के पृष्ठ ७१ की याद दिलाना चाहते हैं , जिसमें १००.०० तक बुनियादी तनखाह पाने वालों को १२३ प्वाइन्ट के उपर जून और जुलाई के १० या १० से अधिक पूरे प्वाइन्टों के औसत पहुंच जाने पर ५५ नया पैसा और प्रति पाइन्ट १००, ०० से अधिक बुनियादी तनखा पाने वाले को १२३ प्वाइंट के ऊपर जून और जुलाई के १० या १० से अधिक पूरे प्वाइन्टों के औसत पहुंच जाने पर ६५ नया पैसा प्रति प्वाइंट महगाई भत्ता देने की व्यवस्था की गयी है ।

इस सिफारिश के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार ने २०-९-६४ की अपनी आज्ञा नं० १००५१ (एल आई) /XXXVI -सी-१३३-एल आई १९६४ के दवारा तमाम चीनी मिलों के मालिकों को अपने कर्मचारियों को १००, ०० तक बुनियादी तनख्वाह पाने वालें को ६.६० ३५ पैसे और १००,००

से ऊपर बुनियादी तनखा पाने वालों को ११. ०५ रु० और महगाई भत्ते को जुलाई १९६४ से देने का आदेश दिया है । उसने यह भी आदेश दिया है कि जौलाई अगस्त महीनों के महगाई भत्ते की रकम की अदायगी १५ अक्टूबर तक हो जानी चाहियें ।

हमारे आपके ४-७-१९६१ के समझौते के अनुसार और उत्तर -प्रदेश सरकार दवारा चीनी उद्योग के मजदूरों के महगाई भत्ते का निर्णय लो जाने के बाद। २२-१०-१९६४ को हमारी युनियन के अध्यक्ष श्री खान मैनेजिगं डायेरक्टर से मिले और उनसे बढ़े महगाये भत्ते की रकम की अदायगी की प्रार्थना की ।

हमें दुःख है कि यूनियन के अध्यक्ष द्वारा इस न्याय पूर्ण मांग के संबध में अपनाये गए शान्ति पूर्ण और कानूनी रवैये को श्री खान मैनेजिगं डायेरेक्टर साहब ने ठुकरा दिया ।

इस पत्र में हम आपका ध्यान श्री आर० पी० केसल द्वारा माननीय इलाहाबाद हाईकोर्ट के समक्ष दिये गये हलफनामें की ओर भी दिलाना चाहते हैं जिसमें उपयुक्त ४-७-६१ के समझौते का हवाला दिया गया है और कहा गया है कि तनखा के ढाचे को ठीक करने १९५९-६० के बोनस और भविष्य के बोनस के संबध में हुआ यह समझौता अभी भी लागू है और दोनों ही दल इसे मानने को बाध्य है ।

२४-१०-६४ की साय को हमारी यूनियन की कार्यकारिणी ने पूरी परिस्थिति पर विचार किया है और निश्चय किया है कि एक बार फिर आपसे लिखित रूप से ४-७-६१ के समझौते के अनुसार। शुगर वेज बोर्ड की सिफारिशों के आधार पर। चीनी मिलों के मजदूरों को ३०-९-६४ के सरकारी आदेश के अनुसार दिये गए महगाई भत्ते के हिसाब से महगाई भत्ते की बकाया रकम और आगे के महगाई भत्ते की मांग की जाय और प्रार्थना की जाये कि कारखाना के वातावरण को आपकी ओर से जाने या अनजाने न बिगाड़ा जाय ।

इसलिए। हम आपसे प्रार्थना करते है कि :

-शुगर वेज बोर्ड की रिपोर्ट के पृष्ट७१ की महगाई भत्ते के सम्बन्ध मे की गयी सिफारिस को फौरन ही लागू किया जाये ।

इसलिये हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि :

-जून १९६३ से जुलाई १९६४ तक आल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इन्डेक्स औसतन १७ प्वाइंट बढ़ गया है । और इस प्रकार, १००. ०० प्रति माह बुनियादी तनखा पाने वाले गत्ता मिल के कर्मचारियों को ४-७-१९६१ के समझौते के अनुसार ९. ३५ प्रति माह महगाई भत्ता दिया जाये । और १००. ०० से अधिक प्रति माह बुनियादी तनखा पाने वालों को ११. ०५ रू० प्रति माह अतिरिक्त महगाई भत्ता दिया जाये ।

महगाई भत्ते की यह रकम जुलाई १९६४ से अदा की जानी चाहिये । आशा है कि आप हमारी प्रार्थना पर हमदर्दी से विचार करेंगे और शीघ्र ही उपर्युक्त आधार पर अतिरिक्त महगाई भत्ता बाटने का नोटिस लगा देंगे ।

इस संबंध में आप आवश्यक समझें तो हमारी यूनियन के एक संयुक्त प्रतिनिधि मंडल से भेंट करके अन्य स्पष्टीकरण भी प्राप्त कर सकते हैं ।

सादर ,

आपका आज्ञाकारी,

काशीनाथ शर्मा

प्रधान मंत्री

गत्ता मिल मजदूर संघ

बागपत रोड मेरठ।

२६-१०-६४

प्रतिलिपि प्रेषित :

१- श्री मान लेबर चिफ कमिश्नर उत्तर प्रदेश पोस्ट बाक्स ,२२० कानपुर ।

२- श्री मान् श्रम मंत्री उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ ।

३- श्री मान् सहायक श्रम कमिश्नर मेरठ रीजन। मेरठ ।

४- श्री मान् जिला धीश महोदय जिला मेरठ ।

५- श्री मान प्रधान मंत्री आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस रानी झांसी रोड नयी दिल्ली ।

६- श्री मान प्रधान मंत्री यू० पी० ट्रेड यूनियन कांग्रेस १२।१ ग्वाल टोली कानपुर ।

गन्ना मिल मजदूर संघ मेरठ।

(रजिस्ट्रेशन स० ६६०)

(संबंधित अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस)

गन्ना मिल मजदूर संघ, मेरठ

किशनपुरा बागपत रोड,
मेरठ

पत्र संख्या ....

तिथि १६-११-६४

श्रीमान मैनेजिंग डाइरेक्टर,

मेरठ स्ट्रा बोर्ड मिल मेरठ।

2804 18/11/64

सेवा में,

निवेदन है कि आप का नोटिस ले आफ के विषय में दि० ११-११-६४ का दिनांक १३-११-६४ को मिला जिसमें आपने कहीं भी ये नहीं लिखा कि काम सी प्लान्ट और कब तक के लिये बन्दकररहे हैं। आप का नोटिस पढ़ने से पता चला कि आप सरकार द्वारा एक्साइज़ ड्यूटी बढ़ा देने की वजह से स्ट्रा बोर्ड का स्टाक होने का कारण बताया है। आप के नोटिस में कही गई बातें उचित नहीं जान पड़तीं। आप एक तीर से दो शिकार वाली कहावत का कार्य कर रहे हैं।

एक तो सरकार द्वारा एक्साईज़ ड्यूटी बढ़ाने के कारण सरकार के विरुद्ध प्रोटेस्ट कर रहे हैं दूसरा आपने गन्ना मिल को बन्द करके गन्ना मिल के बोयायलर से शुगर मिल को स्टीम देने का निर्णय कर लिया है और शुगर मिल को स्टीम देने की गर्ज से ही आपने सीज़न के समय ऐसा किया है। इस का प्रमाण यह है कि कई एक बार शुगर मिल को स्टीम देने की गर्ज से गन्ना मिल के कुकर वगैरा बन्द करा दिये जाते रहे हैं। आप का लोक आउट का एक तरफा फैसला करना अनुचित तथा अवैधानिक तथा सरकार के कानून की अवहेलना करना है।

आप की यह (मिल बन्द करने की) नीति देश के लिये, समाज के लिये, और सरकार के लिये घातक है।

संघ आप से अनुरोध करता है कि दि० ११-११-६४ का दिया गया नोटिस वापिस लें और मिल को सुचारु रूप से चलने दें। इसी में देश व तथा समाज और सरकार का भला है।

भवदीय :-

सेक्रेटरी, [signature]

(काशी नाथ शर्मा),

गन्ना मिल मजदूर संघ, मेरठ।

सूचनार्थ :- १. श्री लेबर कमिश्नर उत्तर प्रदेश कानपुर।

२. श्री असिस्टैन्ट लेबर कमिश्नर मेरठ।

३. श्री लेबर मिनिस्टर, लखनऊ। (यू० पी०)

४. अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस 7, रानी झांसी रोड नई दिल्ली।

५. उत्तर प्रदेश ट्रेड यूनियन कांग्रेस गोवाल टोली, कानपुर।

प्रेषक

रजिस्ट्रार ट्रेड यूनियन्स,
उत्तर प्रदेश, पोस्ट बाक्स सं० २२०,
कानपुर ।

A.I.T.U.C.
Received 2831 21/11/64

सेवा में

मंत्री,
अजुध्या शुगर मिल मजदूर सभा, राजा का साहसपुर
फंडा बाजार
पो०आ० बिलारी (मुरादाबाद)

संख्या ।टी-२८३४६२ दिनांक

विषय: अजुध्या शुगर मिल मजदूर सभा, राजाका साहसपुर (मुरादाबाद) के रजिस्ट्रेशन के सम्बन्ध में यूनियन की सदस्यता सम्बन्धी जांच ।

प्रिय महोदय,

अजुध्या शुगर मिल मजदूर सभा, राजा का साहसपुर (मुरादाबाद) की रजिस्ट्री के सम्बन्ध में प्रारम्भिक जांच पर यूनियन की जो सदस्यता सूचित की गई क उस पर प्रतिपक्षी यूनियन अजुध्या शुगर मिल वर्क्स यूनियन, राजाकासाहसपुर (मुरादाबाद) ने यह आपत्ति उठाई है कि रजिस्टर होने वाली नई यूनियन ने गलत तरीके से उन लोगों को अपना सदस्य सूचित कर दिया है जो वस्तुत: प्रतिपक्षी यूनियन के सदस्य हैं ।

इस मामले पर जांच करने के लिए और निश्चित रूप से इस बात का पता लगाने के लिए कि रजिस्टर होने वाली यूनियन सम्बन्धित प्रतिष्ठान में नियुक्त कुल कर्मचारियों के ५ प्रतिशत कर्मचारियों को सदस्य बनाती है, मुझे आदेश हुए हैं कि मैं फैक्टरी में पहुंच कर सदस्यता के सम्बन्ध में कर्मचारियों से पूछ ताछ करूं ।

अतएव निवेदन है कि निम्न हस्ताक्षरकर्ता के पास दिनांक १० दिसम्बर १९६४ तक आप कृपया ऐसे सदस्यों की सूची निम्नलिखित विवरण के साथ भिजवाने की कृपा करें जिन्हें रजिस्ट्री की इच्छुक यूनियन ने अपना सदस्य बनाया हो । इस सूची के प्राप्त होने पर ही निम्न हस्ताक्षर कर्ता के लिए यह सम्भव होगा कि वह दिसम्बर के तीसरे सप्ताह में उक्त जांच पूर्ण कर सकें और तदनुसार ही यूनियन के रजिस्ट्रेशन के आवेदन पत्र पर अन्तिम निर्णय किया जा सकेगा ।

प्रोफार्मा

क्रम सं०	सदस्य का नाम	पिता का नाम	टोकेन नं०	विभाग का नाम	पाली का नाम	अंतिम चंदा देने की तिथि	रसीद संख्या	चंदे के रूप में दी गई धन राशि	विशेष विवरण

भवदीय

(ए०डी०मिसंवाल)
ट्रेड यूनियन निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
एवं रजिस्ट्रार ट्रेड यूनियन्स उ०प्र०

संख्या/ 1425 (8)-(ii) / टी-२-३४६६ दिनांक 18-11-64

प्रतिलिपि प्रादेशिक सहायक श्रमायुक्त, बरेली को सूचनार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपि अतिरिक्त प्रादेशिक संराधन अधिकारी रामपुर को भी सूचनार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपि मंत्री, आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस, ५ ई फंडेवालान, रानी झांसी रोड, नई देहली १ को उनके पत्र संख्या आर जी एन। को। ६४ दिनांक २६ सितम्बर, १९६४ के संदर्भ में सूचनार्थ प्रेषित।

ह० (हस्ताक्षर)

(ए०डी० सिरवाल)
ट्रेड यूनियन निरीक्षक, उत्तर प्रदेश,
कृते रजिस्ट्रार ट्रेड यूनियन, उत्तर प्रदेश।

Dear Com K. G.

A.I.T.U.C.
Received 2953 1/12/64
Replied........

From:- Satya Narain Tiwari
C/o. Chemical factory Mazdoor Union - Sahupuri
Varanasi

29. 11. 64.

Workers of Sahu Chemicals has gone on indefinite strike from 24th morning spontaneously. They observed one day token strike on 19th for the demand of D.f.A and interim relief on which management suspended 7 T.U. leaders. Therefore the spontaneous strike took place. The strike is 100% success. No worker is willing to go in on work at present. The proprietor of this factory is Sahu Jain group. They are not ready even to talk at this juncture. Labour department is some how indifferent and they are still very inactive about whole thing. Govt Authorities are also not intervening from anyside. All the organisations here in this factory are united on this issue and they have formed one action committee which is leading the strike. The morale of general workers is very high and the strike may prolong as the attitude of employer is not very easily accomodating. As you may easily understand the whole situation because this is the last of month and workers are empty pocket. We have decided that we will try to get the payment of last month. Even then to carry out the whole work and other things some help from out side will be essential. I am writting this

letter to you so that you may try to do possible help to the workers of Sahupuri from A.I.T.U.C and take up the matter to central labour department. As you know that our people of U.P.T.U.C are working here in A.I.N.T.U.C Union and they are conducting the whole struggle. Therefore your help is very essential. I hope to get some reply from you.

With Comradely greetings

Satya Narain Tiwari

पहला मोड़ First fold

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

To
Com K.G. Srivastava
Secretary A.I.T.U.C
1 Rani Jhansi Road
Jhande walan
New Delhi 1

तीसरा मोड़ Third fold

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-
Satya Narain Tiwari
Varanasi

दूसरा मोड़ Second fold

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

U. P. Metal & Engineering Workers' Federation

President :
RAM ASREY
Gen. Secretary :
NIZAMUDDIN

Kanpur 12-12-1964
16

श्री मान् मन्त्री जी,

आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस,
रानी झांसी रोड, नई दिल्ली।

A.I.T.U.C.
Received 3142 21/12/64.
Replied..............

प्रिय साथी,

ऐसी आशा की जाती है कि भारत सरकार निकट भविष्य में इंजीनियरिंग उद्योग के लिए वेतन मन्डल की स्थापना कर बाकायदा एलान कर दे सरकार द्वारा वेतन मन्डल में एक प्रतिनिधि का नाम मांगने पर आल इन्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस ने कामरेड मोहम्मद इल्यास एम०पी० का नाम अपने प्रतिनिधि की हैसियत से भेज दिया।

ता० ६ सितम्बर १९६४ को नेशनल फेडरेशन आफ मेटल एन्ड इंजीनियरिंग आफ इन्डिया की कार्यकारिणी की एक मीटिंग दिल्ली में हुई, जिसमें यह फैसला किया गया कि साथियों का एक ग्रुप बनाया जाय गा जिसमें हर स्टेट से कम से कम एक साथी होगा, जो वेतन मन्डल की स्थापना होते ही, उसके प्रश्नावली के उत्तर में अपना मेमोरैन्डम तैयार करे गा। अगर आप चाहते हो कि आप के प्वाइन्टस् भी सामूहिक मेमोरैन्डम में शामिल किए जाये तो आप तुरन्त प्रति मेम्बर पांच पैसे अफिलिएशन फीस हमारे पास भेज दें।

यू०पी० फेडरेशन की सालाना कान्फ्रेन्स करना है इसलिए आप कृपा कर हमें अपनी राय भी अवश्य भेजें कि कान्फ्रेन्स कब और कहां करना उचित होगा।

आप का साथी
[signature]
: निजामउद्दीन : प्रधानमन्त्री
यू०पी० मेटल एन्ड इंजीनियरिंग वर्कर्स फेडरेशन
१३१।४५८ हातागंज, बेगमपुरवा, कानपुर ११.

P.T.O

MOST URGENT

AITUC 3133 14/12/64

To,

The General Secy.

ALL INDIA TRADE UNION CONGRESS

DELHI.

10-12-64

SUBJECT : CRIMINAL CONSPIRACY OF INDODAN MILK PRODUCTS LTD. MUZAFFARNAGAR AND THE OFFICERS OF THE CO. AGAINST THE LEADERS AND OFFICERS OF INDIANA WORKERS UNION.

Dear Sir,

It is reliably learnt that the Managing Director and the manager of Indodan Milk Products Ltd. Muzaffarnagar is making some criminal conspiracy against the leaders and the officers of the union with the help of the police and other district authorities which is rather very harmfull step at the time of democracy. The officers of the union and other members personally heard the management talking about our General Secretary XXX Sh. Sohan Lal Goel Dinkar and it is also reliably learnt that in a letter of 4th/12/64 the management also informed some thing against our Gen. Secretary to the D.M. Further they threatned him and others that they will get all the leaders of the union behind the bars.

If the above information is correct then it is a question about the rights of the workmen and in law it is provided to the workment to form the trade union so we could not understant why the management is so greived by our union.

The executive body of the union passed a resolution against the above conspiracy which's copy is enclosed herewith.

You are very kindly requested to investigate into the matter in faith of the Indian Workmen.

PRESIDENT
~~JAICHANDRA JAIN~~
~~OFFICIATING~~ PRESIDENT.
INDIANA WORKERS UNION.
POST BAG NO: 74
MUZAFFARNAGAR.

Enclosed the copy of the resolution.

3051 11/12/64-

To
The Secretary
All India Trade
Union Congress. New Delhi

Dear friend,

The workmen of M/s.Sahu Chemicals & Fertilizers Sahupuri, Varanasi had raised a demand for interim relief till the final decision of the question of D.F.A. and the best efforts were made to negotiate & Compromise, but due to adament attitude of the Management the workmen went on 24 hours token strike on 19th November 1964, which was a successful strike joined by all the workmen. The management charge sheeted & suspended 7 workmen mostly theactive Trade Union Workers on 23rd November 1964 and in retalisation all the workmen went on spontenious continuous strike w.e.f. 6 A.M. on 24th Nov. and this strike is successfully continuing uptill now. Except the Engineers of the concern who do not come in category of the workmen, all the hands have joined this strike.

We would like to mention this fact that an agreement was arrived into between themanagement and the workmen on 7th Jan. 64 through mediation of the Regional Asstt. Labour Commissioner, Allahabad that the matter of dispute will be referred to Govt. of Uttar Pradesh for reference to be made for adjudication and the employers will haveno objection. The strike Notice in the month of Jan. 64 was, in view of this agreement, accordingly withdrawn but after a long period of 10 months the Govt. of Uttar Pradesh did not refer the demands for adjucication; on the other hand we were advised to move an application in conciliation Board with respet to our demands which resulted in discontentment among the workers. However, in these circumstances the demand for interim relief was raised.

We also enclose herewith our Charter of Demands for your perusal. We also mention here that Sri J.N.Tiwari Labour Commissioner U.P. was here on 26th and 27th Nov. 1964 and we had a talk with him; but he asked us first to withdraw the strike, so as to make him in a position to talk with the management for negotiation, which being not possible no fruitful results have come out and the Labour Commissioner went back.

The Workers representative had an occasion to meet Smt. Suchita Kripalani, the Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh in Varanasi, on 29.11.64 who expressed her inability to do any help in the matter; but assured that Sri Banarasi Dasji, Hon'ble Labour Minister will probably visit Varanasi on 3rd Dec. 1964 and he will be a right person to do something, if any thing is to be done. But Sri Banarasidasji, the Hon'ble Labour Minister did not come to Varanasi and his programme is postponed now for the reasons best known to him.

It appears the employers are willing to give a long rope to this strike and the Govt. of Uttar Pradesh has miserably failed to bring out the employers on terms and in these circumstances the workers have to continue their Strike, Unless there is some sort of honourable compromise.

We, therefore, need your full sympathy, co-operation in this heroic struggle of the workers against Sahu Jain.

We hope you will extend your best support and co-operation to strengthen the working class movement.

Yours faithfully,
A K N Singh
(A.K.N. SINGH.)
CONVENOR,
Action Committee,
Chemical Factory Mazdoor Union and Sahu
Chemical Karamchari Sangh, Sahupuri,
Varanasi.

Date: 9th December 1964.

New Delhi

P R E S S R E L E A S E.

For favour of publication;

Agra P.W.D.-men demonstrated.

Three months' old Chain Hunger-strike continues.

Agra Monday 7th Dec. 64.

Over 500 P.W.D. men from all over the District gethered and held a militant demonstration against non-consideration of their demands and not starting any negotiation to bring about a settlement of the dispute by the Departmental authorities and the State Government, although 92 days (over 3 months) have already past since the employees are continuing their Chain Hunger-strike movement at the Gate of P.W.D. Offices Agra.

The workers demands are: 1. Reinstatement of Hamid Mate and his gang-baildars, 2. Increase of wages of Gang-baildars from present Rs 47/- to Rs 65/- and Gang-mate from present Rs 52/- to Rs 70/- per month, and payment of D.F.A. to all employees whether work-charged, muster roll or temporary etc., 3. Opening of chaap provision stores from where the employees could be supplied their daily needs by these stores, at cheap prices.

Agra P.W.D. employees have already undertaken one day's collective Hunger strike while staying on duty on 18th Sept. 64 and about 1500 P.W.D. employees staged one day's Tools-down strike on 19th Oct. 64, throughout the Distt. in support of their demands, previously.

The procession paraded the main thoroughfares of the City, raising slogons like, "Employees are starving while the authorities are making merry", "This Chain Hunger-Strike will continue till the demands are conceeded". The Procession terminated at the Hunger-strikers' camp (P.W.D. Offices) where a meeting was held which congratulated the heroic hunger-strikers and the P.W.D. workers for their peaceful demonstration.

The main amongst the speakers were Com. Abdul Hafiz President of U.P. P.W.D. employees Union Agra, and General Secretary Distt. Labour Federation, Shri Anandaswami President of Sadho Samaj and social workers, Shri Taini Ram Social and Political worker of Tundla (Distt. Agra).

Abdul Hafiz

U. P. P. W. D. EMPLOYEES UNION

102, SHIVAJI MARKET, AGRA.

President / Genl. Secretary.

विरोध प्रदर्शन

रविवार ६ दिसम्बर ६४ को १०॥ बजे भूख हड़ताली कैम्प (पी० डब्ल्यू० डी० कार्यालय) के सामने सैकड़ों पी० डब्ल्यू० डी० के कर्मचारी अपने बाल बच्चों व माताओं बहनों के साथ बाजू पर काली पट्टी बाँधकर जमा होंगे

भाइयो :

पूरे ३ महीने हो चुके हैं जब से आगरा पी० डब्ल्यू० डी० के कर्मचारी भूख हड़ताल आन्दोलन चला रहे हैं और पी० डब्ल्यू० डी० के कार्यालय के सामने फाकों मर रहे हैं पर धन्य है हमारी सरकार व उनके अधिकारियों को कि कर्मचारियों के इस आन्दोलन, त्याग व कुरबानी के बाद भी नौकरशाही अफसर व पी० डब्ल्यू० डी० के मन्त्री श्री जगनप्रसाद रावत जो पी० डब्ल्यू० डी० के कर्मचारियों को अपना परिवार मानते हैं के दिल अभी तक नहीं पसीजे हैं और कर्मचारियों की जायज मांगे और पिछले वायदे मानने से इन्कार कर रहे हैं और कर्मचारियों व उनके नेताओं के खिलाफ झूठा व गन्दा प्रचार कर रहे हैं और कर्मचारियों को परेशान कर रहे हैं लेकिन कर्मचारियों का भी दृढ़ निश्चय है कि वह इस आन्दोलन को महात्मा गांधी के दिए हुए सत्याग्रह को उस वक्त तक जारी रखेंगे और बढ़ते ही चले जावेंगे जब तक कि न्यायोचित मांगें मानी नहीं जातीं। कर्मचारी भूखों तो वैसे ही मर रहे हैं क्यों न सरकार के द्वार पर ही भूखों मरें।

१४ व १५ नवम्बर ६४ को आगरा में पी० डब्ल्यू० डी० के कर्मचारियों का प्रादेशिक सम्मेलन किया गया। से तो दूसरे शहरों के प्रतिनिधि आये थे लेकिन हमारे सरकिल के सभी जिलों के नुमायन्दे मौजूद थे और उन्होंने एक सरकिल कमेटी का भी निर्माण किया और यह आन्दोलन जो आगरा के कर्मचारी चला रहे हैं उसको तीव्र करने और प्रादेशिक आन्दोलन बनाने की रूपरेखा बनायी।

सरकिल कमेटी के मेम्बर व अधिकारी निम्न प्रकार हैं :—

सर्वश्री अब्दुल हफीज	प्रधान	,, आर० डी० शर्मा	उपप्रधान
,, हरदयालसिंह	संयुक्त मन्त्री	,, दुर्जनलाल इटावा	,,
,, चन्दनसिंह	मन्त्री	,, रामस्वरूप	प्रधान कार्यकारिणी
,, नरेशचन्द्र	संयुक्त मन्त्री	,, मुंशी गजाधरसिंह	अलीगढ़ कमेटी मेम्बर
,, भूपदेव प्रसाद शर्मा	कमेटी मेम्बर	,, नत्थासिंह आगरा	,,
,, प्रेमनारायन अवस्थी आगरा	,,	,, हरसुख मेट	,,
,, रामनाथ बाबा मैनपुरी	,,	,, मत्तार मेट मथुरा	,,
,, छेदालाल फर्रुखाबाद	,,	,, राधेमोहन शर्मा फर्रुखाबाद	,,
,, दीवानसिंह फर्रुखाबाद	,,	,, राजाराम फर्रुखाबाद	,,

श्री गुप्त मेम्बर कमेटी

यह सरकिल कमेटी बनाना इसलिये भी जरूरी हो गया था क्योंकि इस सरकिल में और प्रदेश भर में अब कोई ऐसा कर्मचारियों का संगठन नहीं रह गया है जो सभी कर्मचारियों का प्रतिनिधि कर सके। १९६०-६१ में जो प्रदेश भर की पी० डब्ल्यू० डी० के कर्मचारियों की विभिन्न यूनियनों को मिला कर एक संगठन यू० पी० पी० डब्ल्यू० डी० इम्पलाइज यूनियन श्री रामचन्द्र राय अलीगढ़ की अध्यक्षता में बनाने की जो कोशिश की गई थी, उसको श्री किशनसिंह जो अपने को खुद ही यू० पी० पी० डब्ल्यू० डी० यूनियन का प्रधान मन्त्री कहते हैं खुद ही इस संगठन को १९६२ में रजिस्ट्रेशन कैन्सिल करवा बैठे हैं नौकरशाही अधिकारियों व श्री जगनप्रसादजी रावत के हाथों बिक चुके। श्री किशनसिंहजी ने कर्मचारियों के साथ गद्दारी ही नहीं कर रहे बल्कि आज वह अधिकारियों के हाथ की कठपुतली बने हुए हैं। जो बात और प्रचार अधिकारी खुद नहीं कर सकते वह इनसे करा रहे हैं। आज किशनसिंहजी के साथ सहारनपुर के कर्मचारी भी नहीं हैं जहां के वह रहने वाले हैं। आज आप लड़ाकू कर्मचारियों और उनके नेताओं के खिलाफ और आगरा के आंदोलन को अनुचित कहने की हिम्मत करते हैं जो कट्टर दुश्मन भी नहीं कह सकता। आगरा व अन्य जगह के नेताओं के विरुद्ध हिसाब न देने व पैसे खाने का आरोप लगाते हैं जब कि खुद ही ४-५ साल से हिसाब नहीं दिया है जिसके कारण यूनियन का रजिस्ट्रेशन कैंसल हुआ। मजदूरों के हजारों रुपये चन्दे के खा गये।

हम इस बात का भी खण्डन करते हैं कि कुछ विरोधी पार्टियां यूनियन को रुपया देकर रावतजी के खिलाफ यह आंदोलन चलवा रहे हैं। यह प्रचार सरासर झूठ और निराधार है। यूनियन की ओर से तो हम यही कह सकते हैं कि इस आंदोलन को खुद रावतजी व अधिकारी चलवा रहे हैं वरना यह कभी

President / Gen. Secretary,

का तै हो गया होता। अधिकारीगण राज्य की ताकत के नशे में इतने मस्त हैं कि आगरा के बुजुर्ग और जननेता श्री श्रीकृष्णदत्त पालीवाल जी को भी इस बिवाद में मध्यस्थ मानने को तय्यार नहीं हैं जिनको यूनियन ने लिखित मध्यस्थ मान लिया था ताकि विवाद का निपटारा हो और कर्मचारी निर्माण के काम में जुट जायें।

जनता में यह भी प्रचार किया जा रहा कि कर्मचारी और उनकी यूनियन हठधर्मी से काम ले रही है उनको कोई भी तकलीफ व शिकायत नहीं है। इसका हमारे पास एक ही उत्तर है कि महँगाई और जरूरत की रोजमर्रा की कमी और मौजूदा वेतनों में गुजारा होना मुश्किल हो गया है। अधिकारियों की मनमानी ने ऐसी हालत कर दी है जो बर्दाश्त के बाहर है। इसलिये कर्मचारी कमर कस के आंदोलन चला रहे हैं। इन २-३ महीनों में ही कानूनों का बालाएताक रख कर कर्मचारियों को इस प्रकार सताया जा रहा है—

१—मथुरा के आर० पी० मित्तल बड़े साहब ने कर्मचारियों पर ५) प्रति माह से एक साल के लिये जुर्माना किया।

२—सर्व श्री भूपसिंह शर्मा (यूनियन मन्त्री) वर्क एजेण्ट, अब्दुल रहीम मेट, खुशहाली मेट व हकीमा मेट को नौकरी से निकाल दिया गया।

३—मैनपुरी में अ० इन्जीनियर ससुर व एक्स० इन्जीनियर दामाद ने श्री शंकर मेट व श्री रामचरन मेट को निकाल दिया। फतहगढ़ के श्री नरेशकुमार का ट्रांसफर ट्रक से रोलर पर कर दिया।

४—अलीगढ़ के अ० इ० श्री लाल के भ्रष्टाचार की शिकायत करने पर श्री देवीराम मेट को निकाल दिया गया।

५—फतहगढ़ के श्री छेदीलाल से पावर बार्ज ड्राइवर का काम लिया जाता है और वेतन क्लीनर का दिया जाता है। दिवाली की छुट्टी पर काम पर न आने पर २०) जुर्माना किया गया।

६—ओवर टाइम पर काम लेकर श्री छेदीलाल क्लीनर को उसका वेतन नहीं दिया गया। जब वह मांगता है तो झूठे आरोप लगाकर परेशान किया जा रहा है। नाव तोड़ने का आरोप लगा कर २०) जुर्माना किया गया।

७—आगरा क्षेत्र में कच्ची गेंगों को सालों काम करने पर भी इतवार की छुट्टी नहीं दी जाती और न इतवार को काम करने पर टाइम रेट से वेतन दिया जाता है।

८—शिकोहाबाद के चौकीदार श्री महदी हसन को ४८ साल काम करते समय ड्यूटी पर आग लग जाने से आँखें समाप्त हो जाने पर काम पर से निकाल दिया गया और न पेंशन व मुआविजा दिया वह भीख माँग कर गुजारा कर रहा है।

९—कानून होते हुए भी घरों पर काम लिया जाता तथा जानवरों से भी बदतर बर्ताव किया जाता है।

१०—कम वेतन पाने वाले कर्मचारियों का ट्रांसफर नहीं हो सकता तब भी परेशान करने के लिए बीसियों कर्मचारियों का ट्रांसफर किया जाता है। हाल ही में यूनियन के कार्यकर्ताओं सर्वश्री बाज खां रोलर ड्राइवर, झम्मनलाल क्लीनर व श्री चन्दनसिंह (सरकिल यूनियन मन्त्री) मिक्सोल ड्राइवर का बगैर उनको बताये ट्रांसफर कर दिया गया है।

ऐसी परेशानियों में अगर कर्मचारी आंदोलन चलाते हैं और अधिकारियों की मनमानी के खिलाफ मोर्चा लेते हैं तो सरकार ताज्जुब क्यों करती है और उनकी न्यायोचित मांग मानने में देर क्यों करती है?

हमीद तथा उसके गेंग को हटाना यह सब अधिकारियों द्वारा जातिवाद की बजह से किया गया तथा अब उसके घर पर पुलिस भेजी जाती है।

ऐसी हालत में यूनियन के सामने आंदोलन को और तेज करने व पूरे प्रदेश में फैलाने के अलावा और कोई चारा नहीं है।

ऐसी हालत में रविवार ६ दिसम्बर ६४ को भूख हड़ताली कैम्प (पी० डब्ल्यू० डी० कार्यालय) आगरा पर १० बजे समस्त कर्मचारी अपने बाल बच्चों, माताओं व बहनों सहित आकर काली पट्टी बांध कर विरोध प्रदर्शन करें और सरकार से माँग करें कि वह हमारी माँगें तुरन्त मानोजावे।

विनीत

अब्दुल हफीज	आर० डी० शर्मा	चन्दनसिंह
अध्यक्ष	उपमन्त्री	मन्त्री

मजदूर एकता जिन्दाबाद। अपनी मांगें लेके रहेंगे

हर जोर जुलम की टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है

यू० पी० पी० डब्ल्यू० डी० इम्प्लाइज यूनियन सेकिण्ड सरकिल आगरा

स्वतन्त्र भारत प्रेस, शीतलागली, आगरा।

To

.....

.....

.....

Dear friend,

The workmen of M/s.Sahu Chemicals & Fertilizers Sahupuri, Varanasi had raised a demand for interim relief till the final decision of the question of D.F.A. and the best efforts were made to negotiate & Compromise, but due to adament attitude of the Management the workmen went on 24 hours token strike on 19th November 1964, which was a successful strike joined by all the workmen. The management charge sheeted & suspended 7 workmen mostly theactive Trade Union Workers on 23rd November 1964 and in retalisation all the workmen went on spontenious continuous strike w.e.f. 6 A.M. on 24th Nov. and this strike is successfully continuing uptill now. Except the Engineers of the concern who do not come in category of the workmen, all the hands have joined this strike.

We would like to mention this fact that an agreement was arrived into betweenthemanagement and the workmen on 7th Jan. 64 through mediation of the Regional Asstt. Labour Commissioner, Allahabad that the matter of dispute will be referred to Govt. of Uttar Pradesh for reference to be made for adjudication and the employers will haveno objection. The strike Notice in the month of Jan. 64 was, in view of this agreement, accordingly withdrawn but after a long period of 10 months the Govt. of Uttar Pradesh did not refer the demands for adjucication; on the other hand we were advised to move an application in conciliation Board with respet to our demands which resulted in discontentment among the workers. However, in these circumstances the demand for interim relief was raised.

We also enclose herewith our Charter of Demands for your perusal. We also mention here that Sri J.N.Tiwari Labour Commissioner U.P. was here on 26th and 27th Nov. 1964 and we had a talk with him; but he asked us first to withdraw the strike, so as to make him in a position to talk with the management for negotiation, which being not possible no fruitful results have come out and the Labour Commissioner went back.

The Workers representative had an occasion to meet Smt. Suchita Kripalani, the Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh in Varanasi, on 29.11.64 who expressed her inability to do any help in the matter; but assured that Sri Banarasi Dasji, Hon'ble Labour Minister will probably visit Varanasi on 3rd Dec. 1964 and he will be a right person to do something, if any thing is to be done. But Sri Banarasidasji, the Hon'ble Labour Minister did not come to Varanasi and his programme is postponed now for the reasons best known to him.

It appears the employers are willing to give a long rope to this strike and the Govt. of Uttar Pradesh has miserably failed to bring out the employers on terms and in these circumstances the workers have to continue their Strike, Unless there is some sort of honourable compromise.

We, therefore, need your full sympathy, co-operation in this heroic struggle of the workers against Sahu Jain.

We hope you will extend your best support and co-operation to strengthen the working class movement.

Yours faithfully,

A K N Singh

(A.K.N. SINGH.)
CONVENOR,
Action Committee,
Chemical Factory Mazdoor Union and Sahu Chemical Karamchari Sangh, Sahupuri,
Varanasi.

Date: 5th December 1964.

FORM I

(Section 4-F and Rule 5 (i)

MEMORANDUM OF SETTLEMENT.

Names and addresses of the parties:-

1. Messrs. Sahu Chemicals and Fertilizers, P.O. Sahupuri, Varanasi and
2. Workmen of M/s. Sahu Chemicals & Fertilizers, P.O. Sahupuri, Varanasi.

Representing :

1. Employer : i) Shri G.S.Maheshwari, Secretary, New Central Jute Mills Co.Ltd.

ii) Shri B.P.Jain, Commercial Manager, Sahu Chemicals and Fertilizers, Sahupuri, Varanasi.

2. Workmen : Shri Bal Kishun Singh, M.P., President, Chemical Factory Mazdoor Union, Sahupuri, Varanasi.

SHORT RECITAL OF CASE.

The Chemical Factory Mazdoor Union served strike notices of 30.11.63 and 28.12.63 on the management of M/s. Sahu Chemicals and Fertilizers, Sahupuri, Varanasi, threatening to go on strike with effect from 11.1.1964 if their demands as mentioned in the said notices were not accepted by the management. The parties discussed each demand and have arrived at the following mutual agreement :-

TERMS OF AGREEMENT.

1. The strike notices of 30.11.63 and 28.12.63 are hereby withdrawn.

2. The demands mentioned in the notices will be referred to Government by the Union for favour of adjudication to which the management of the Concern have no objection. This does not bar further mutual negotiations between the parties on these demands.

3. As a gesture of goodwill the workmen under suspension viz. Shri Mushtaq Ahmad and ten others are allowed to resume duty with immediate effect and the period of suspension will be adjusted against privilege leave/leave with wages due on date or against privilege leave/leave with wages that will accure due in future.

4. A lenient view will be taken by the mangement on the charge sheets issued against Shri Mushtaq Ahmad and others.

5. The Union assures the best co-operation of the workmen to the management in maintenance of discipline and for increasing production in the factory and hereby undertakes to abide by the Code of Discipline in industry.

6. This fully and finally resolves and settles all the disputes referred in the above strike notices.

Signature of parties.
(Representing employers)
Sd/- G.S.Maheshwari.

Witnesses: 1. Sd/- P.K.Sen
2. Sd/- Illegible.

Sd/- B.P.Jain

(Representing Workmen)
Sd/- Bal Kishun Singh 7-1-64.

Witnesses: 1. Sd/- Illegible.
2. Sd/- Illegible.

Sd/- A.P.Trivedi.
Addl.Regional Conciliation Officer,
Varanasi.

Sd/- S.B.Haikerwal.
Asstt.Labour Commissioner,
U.P., Allahabad.

Place : Sahupuri, Varanasi.

Dated : January 7, 1964.

G.A. did not ref. to adj.

24th Nov. 42 days.

47 ps conciliated

130
163
33 pink.

70% Cost 120/-

16th March 1963

FORM E
(See Section [illegible] and Rule 5 (1))
MEMORANDUM OF SETTLEMENT.

Names and addresses of the parties:-
1. Messrs. Sahu Chemicals and Fertilizers, P.O. Sahupuri, Varanasi and
2. Workmen of M/s. Sahu Chemicals and Fertilizers, P.O. Sahupuri, Varanasi.

Representing :

1. Employer : 1) Shri G.S.Phadnis, Secretary, New Central Jute Mills Co.Ltd.
(2) Shri R.P.Jain, Commercial Manager, Sahu Chemicals and Fertilizers, Sahupuri, Varanasi.

2. Workmen : Shri [illegible], President, Chemical Factory Mazdoor Union, Sahupuri, Varanasi.

SHORT RECITAL OF CASE.

The Chemical Factory Mazdoor Union served strike notices of 30.11.63 and 28.12.63 on the management of M/s. Sahu Chemicals and Fertilizers, Sahupuri, Varanasi, threatening to go on strike with effect from 11.1.1964 if their demands as mentioned in the said notices were not accepted by the management. The parties discussed each demand and have arrived at the following amicable agreement :-

TERMS OF AGREEMENT.

1. The strike notices of 30.11.63 and 28.12.63 are hereby withdrawn.
2. The demands mentioned in the notices will be referred to Government by the Union for favour of adjudication to which the management of the concern have no objection; this does not bar further mutual negotiations between the parties on these demands.
3. As a gesture of goodwill the workmen under suspension viz. Shri Mushtaq Ahmad and ten others are allowed to resume duty with immediate effect and the period of suspension will be adjusted against privilege leave/leave with wages due to date or against privilege leave/leave with wages that will accrue due in future.
4. A lenient view will be taken by the management on the charge sheets issued against Shri Mushtaq Ahmad and others.
5. The Union assures the best co-operation of the workmen to the management in maintenance of discipline and for increasing production in the factory and hereby undertakes to abide by the Code of Discipline in Industry.
6. This fully and finally resolves and settles all the disputes referred in the above strike notices.

Signature of parties.
(Representing employers)
Sd/- G.S.Phadnis

Witnesses: 1. Sd/- [illegible]. Sd/- R.P.Jain
2. Sd/- Illegible.

(Representing workmen)
Sd/- [illegible] 7-1-64

Witnesses: 1. Sd/- Illegible.
2. Sd/- Illegible.

Sd/- [illegible]
(Conciliation Officer, Varanasi)

Sd/- [illegible]
Asstt. Labour Commissioner, U.P., Allahabad.

Place : Sahupuri, Varanasi.
Dated : January 7, 1964.

: मांग पत्र :

१. कारखाने के कर्मचारियों पर गत १६ नवम्बर की सांकेतिक हड़ताल के कारण लगाये गयें समस्त आरोप व निलम्बन आदेश तत्काल वापस लिये जायें।

२. कारखाने के समस्त कर्मचारियों को बढ़ी हुई मंगाई के अनुपात में मंहगाई भत्ता दिया जाय।

३. मंहगाई भत्ता का अन्तिम निर्णय होने तक तत्काल समस्त कर्मचारियों को प्रति माह २५ रु० अन्तरिम सहायता के रूप में दिया जाय।

४. सोडा ऐश गैस अमोनिया प्लांट व पावर प्लांट में काम करने वाले समस्त कर्मचारियों को हस्ट और गैस भत्ता दिया जाय।

५. सोडा ऐश, अमोनिया क्लोराइड व अमोनिया गैस का न्यूनतम उत्पादन निर्धारित किया जाय एवं न्यूनतम से अतिरिक्त उत्पादन होने पर समस्त कर्मचारियों को प्रोडक्शन बोनस इस अनुपात से दिया जाये कि कर्मचारियों को प्रति टन के अनुपात में दी जाने वाली कुल मजदूरी के अनुपात की धनराशि से वह कम न हो।

६. जिन कर्मचारियों को नौकरी में रक्खे जाने के समय आवास गृह मय फर्नीचर के दिया गया गया था, जिन से कभी भी फर्नीचर का किराया नहीं लिया गया ऐसे कर्मचारियों से १ दिसम्बर सन् १९६२ से फर्नीचर का अबतक लिया गया किराया वापस किया जाये एवं भविष्य में किसी से भी कोई किराया न लिया जाये।

७. श्री सुरेश कुमार मिश्रा व श्री ए०एन० सिनहा एवं श्री छेदी लाल की बरखास्तगी वापस लेकर उन्हें काम पर लिया जावे।

८. कारखाने के कर्मचारियों को उनके कार्य के अनुसार पद दिया जाये।

९. उन समस्त कर्मचारियों को जो गत १२ माह से भी अधिक दिनों से कारखाने में काम करते चले आ रहे हैं एवं अबतक कैजुअल बना कर रक्खे गये हैं उन्हें कम्पनी का स्थायी कर्मचारी बनाया जाये तथा उन्हें कम्पनी के अकुशल मजदूरों के लिये निर्धारित वेतन ग्रेड एवं गृह भत्ता दिया जावे।

१०. कारखाने में ठीकेदारी तथा समाप्त करके ठीकेदारों के मातहत काम करने वाले समस्त कर्मचारियों को कम्पनी का स्थायी कर्मचारी माना जाये।

११. कम्पनी के ठीके कर्षी विभाग के कर्मचारियों को छुट्टी एवं वेतन ग्रेड आदि की समस्त सुविधायें एवार्ड के मुताबिक व जो अन्य कर्मचारियों को मिलता है दी जाये।

१२. कम्पनी में काम करने वाले समस्त कैजुअल बनाकर रक्खे गये कर्मचारियों एवं ठीकेदारों के मातहत काम करने वाले समस्त कर्मचारियों को स्थायी पदों पर काम करने वाले कर्मचारियों के समान न्यूनतम वेतन दिया जाये।

१३. कम्पनी के कर्मचारियों के बच्चों के लिये बनाये गये स्कूल में मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था की जाये।

१४. कर्मचारियों के गृह भत्ते से हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत सरकार द्वारा निर्धारित किराये की धन राशि काट कर गृह भत्ते की शेष धन राशि उन कर्मचारियों को जिन्होंने कालोनी में क्वाटर किराये पर लिये हैं वेतन के साथ दी जाये एवं अब तक गृह भत्ते में से किराये के अतिरिक्त काटी गई धन राशि कर्मचारियों को वापस की जाये। जिन कर्मचारियों ने क्वाटर नहीं लिया है उनके गृह भत्ते की धन राशि काटी न जाये एवं अबतक काटी गई धन राशि वापस की जाये। भविष्य में किसी भी कर्मचारी पर जिसमें नवीन नियुक्तियां भी शामिल हैं, जबरदस्ती क्वाटर एलाट न किया जाये।

१५. लैबोरेटरी में काम करने वाले "चार्जमैनों" को प्रोपेर में चार्जमैनों का ग्रेड दिया जाये।

१६. लैबोरेटरी में काम करने वाले केमिस्टों एवं ट्रेनी केमिस्टों को प्रोपेर में चार्जमैनों का ग्रेड दिया जाये।

१७. बोनस कमीशन की सिफारिश के मुताबिक सन् १९६३,६३ तथा १९६३,६४ का न्यूनतम गारन्टीड बोनस ४० रु० अथवा कर्मचारियों की कुल मजदूरी का ४ प्रतिशत, जो भी अधिक हो तत्काल दिया जाये।

१८. वाच एंड वार्ड के कर्मचारियों से ८ घंटे की लगातार ड्यूटी ली जाये एवं अबतक जो १२ घंटे के फैलाव में ड्यूटी ली गई है एवं उस पूर्ति जो चार घंटे अतिरिक्त समय का अबतक काम लिया गया है उसका अतिरिक्त समय का वेतन दिया जाये।

१९ ड्राइवरों से ८ घंटे से अतिरिक्त ड्यूटी न ली जाये एवं काम के घंटों के अतिरिक्त समय में काम लिये जाने का अतिरिक्त वेतन दिया जाये।

२०. स्टेनोग्राफर से ओवर टाइम न लिया जाये, यदि लिया जाये तो उनको ओवर टाइम का वेतन दिया जाय।

२१. नाच एंड वाह तथा ड्राइवरों के लिये मुफ्त आवास गृह की व्यवस्था की जाये ।

२२. आफिस में काम करने वाले चपरासियों को आफिस के कर्मचारियों के समान सभी सुविधाएं जैसे छुट्टी आदि दी जाये ।

२३. ब्यालर विभाग में काम करने वाले कर्मचारियों को ब्यालर सूट, लांग बूट, चश्मा, हैंड ग्लब्स व टार्च आदि दिया जाये ।

२४. साल्ट सेल साइनर व ग्राइडिंग के कर्मचारियों को काम करने के लिये कपड़ा दिया जाता था । प्रबन्धकों ने वह सुविधा वापस ले ली है । उसे पुन: प्रदान कीया जाये ।

२५. डिस्ट्रीब्यूशन, सेम्पल ब्वाय, पेन्टर एवं कूलिंग टावर पर काम करने वालों को वर्दी दी जाये ।

२६. एक्टिंग पीरियड में काम करने वाले कर्मचारियों को एक्टिंग पीरियड के उनके काम के पद के अनुसार वेतन दिया जाये ।

२७. 'ट्रेनीज' बनाकर रक्खे गये उन समस्त कर्मचारियों को, जिनके कार्यकाल की ६ माह की अवधि बीत गयी है स्थायी बनाया जाये एवं भविष्य में ट्रेनीज को ६ माह के प्रोबेशन पर रक्खा जाये तथा स्थायी रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिये प्रोबेशन पर रक्खे गये ट्रेनीज को वरिष्ठता के आधार पर प्राथमिकता दी जाये ।

२८. कम्पनी के उन कर्मचारियों को जो शहर से आते हैं, कम्पनी की ओर से प्रत्येक शिफ्ट के समय ले जाने और ले आने के लिये गाड़ी की सुविधा दी गई थी जो कि विगत कुछ दिनों से वापस ले ली गयी है अत: वापस ली गई यह सुविधा पुन: प्रदान की जाये एवं प्रत्येक शिफ्ट के समय कम्पनी की गाड़ी से शहर आने और जाने की सुविधा प्रदान की जाये ।

२९. कारखाने के कर्मचारियों को प्रति वर्ष त्योहार की ११ सवेतन छुट्टियां प्रदान की जाये ।

३०. कारखाने के कर्मचारियों को बीमार पड़ने पर १५ छुट्टियां सवेतन प्रतिवर्ष दी जाये ।

३१. कालोनी में रहने वाले कर्मचारियों को पानी मुफ्त मिलता रहा है । भविष्य में भी पानी पर किसी प्रकार का शुल्क न लगाया जाये ।

३२. चूंकि यह हड़ताल प्रबन्धकों द्वारा गत १६ नवम्बर की सांकेतिक हड़ताल के कारण कुछ कर्मचारियों को आरोप पत्र दिये जाने एवं निलम्बित कर दिये जाने के कारण स्वयं स्फूर्त । स्पॉनटेनियस । हुई है अत: इस हड़ताल की समस्त जिम्मेदारी प्रबन्धकों के ऊपर होने के कारण हड़ताल में भाग लेने वाले किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासन सम्बन्धी किसी प्रकार की कोई कार्यवाही न की जाये ।

३३. हड़ताल पर गये समस्त कर्मचारियों को हड़ताल के दिनों का पूरा वेतन दिया जाये ।

३४. शिफ्ट में काम करने वाले कर्मचारियों को शिफ्ट भत्ता दिया जाये ।

......